रांची

www.vananchaleye@gmail.com

हिन्दी दैनिक

# वनांचल आई

हर खबर पर पहली नजर

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:28 | रविवार,28 सितम्बर

## ब्रीफ न्यूज

### उपराष्ट्रपति आज बिहार के दौरे पर

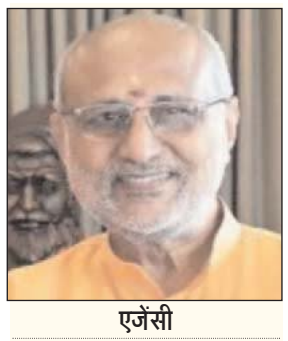



एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन रविवार को बिहार की एक दिवसीय यात्रा पर जाएंगे। उपराष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार, अपनी यात्रा के दौरान उपराष्ट्रपति पटना में उन्मेष - अंतरराष्ट्रीय साहित्य महोत्सव के तीसरे संस्करण के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उपराष्ट्रपति मुजफ्फरपुर के कटरा स्थित श्री चामुंडा देवी मंदिर भी जाएंगे।

### राहुल गांधी चार दिनों की विदेश यात्रा पर

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्वअध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी दक्षिण अमेरिका के चार देशों की यात्रा पर रवाना हो गए हैं। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि श्री गांधी इस यात्रा के दौरान दक्षिण अमेरिका के ब्राजील कोलंबिया सहित चार देशों के राजनीतिक नेताओं, विश्वविद्यालय के छात्रों और व्यापारिक समुदाय के सदस्यों से मिलेंगे। उन्होंने बताया कि वह इन देशों के राष्ट्रीय अध्यक्षों तथा अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ अमेरिका के टैरिफ अभियान की मद्देनजर बैठकें करेंगे और लोकतांत्रिक एवं रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने को लेकर भी विचार-विमर्श करेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि पार्टी नेता इस दौरान व्यापारिक नेताओं के साथ मिलकर अवसरों की तलाश करेंगे क्योंकि भारत अमेरिकी टैरिफ के मद्देनजर व्यापार औरसाझेदारी में विविधता जरूरी है।

### 30 से दो अक्टूबर तकबंद रहेंगी कूरियर सेवाएं

एजेंसी

रांचीः झारखंड में 30 सितंबर से दो अक्टूबर तक कूरियर सेवाएं पूरी तरह से बंद रहेंगी। झारखंड कूरियर एसोसिएशन की बैठक के बाद दुर्गा पूजा के दौरान कूरियर सेवाओं के अवकाश पर चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रेम मित्तल की अध्यक्षता में शनिवार को हुई बैठक के बाद यह बताया गया कि अष्टमी, नवमी और दशमी यानी 30 सितंबर से दो अक्टूबर तक कूरियर कंपनियां पूरी तरह से बंद रहेंगी। 28 सितंबर को रविवार होने के कारण कूरियर सेवाएं बंद रहेंगी। 29 सितंबर को सप्तमी के दिन पहली पाली (फर्स्ट हाफ) में कूरियर सेवाएं खुली रहेंगी,

## जिला स्कूल मैदान में बने पूजा पंडाल में विराजमान मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा

### पंचमी से ही दुर्गोत्सव के रंग में रंगी राजधानी

## बारिश के बावजूद चरम पर दिखा श्रद्धालुओं का उत्साह व उल्लास

संवाददाता। रांची

पंचमी से ही राजधानी रांची दुर्गा पूजा के रंग में रंग गई है।बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं में मां दुर्गा के प्रति भक्ति भाव का उल्लास और उत्साह परवान पर दिख रहा है।शनिवार को रांची में बचे अन्य पूजा पंडालों के भी पट खोल दिए गए। पंडाल का उद्घाटन होते ही मां के भक्त दर्शन के लिए उमड़ पड़े।पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ देखी गई।हर उम्र के लोग मां के दरबार की ओर बढ़े चले जा रहे थे।पंडाल के आसपास गूंजती मां के भक्ति गीतों से माहौल और भक्तिमय हो रहा था।पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के चार-पांच प्रबंध किए गए हैं। लोगों के मुंह से मां शेरावाली के जयकारे गूंज रहे। शुक्रवार को बारिश के कारण लोगों को आने-जाने और घूमने में थोड़ी कठिनाई जरूर हुई, लेकिन शनिवार को मौसम ने भी साथ दिया।हालांकि रुक-रुक कर रिमझिम बारिश होतीरही लेकिन भक्तों का उत्साह कम नहीं हुआ।इसके कारण पूजा पंडालों में अधिक भीड़ देखीगई। सड़कों पर चारों तरफ श्रद्धालु दिखे। पूरेराज्य में दुगापूर्जा की धूम है।रांची में बने कईपूजा पंडाल श्रद्धालु का मन मोह रहे हैं।

## एक्टर विजय की रैली में भगदड़, दम घुटने से करीब 31 लोगों की मौत

एजेंसी

**करूर।** तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय के नेतृत्व में यहां आयोजित एक रैली में शनिवार को भगदड़ जैसी स्थिति देखी गई और इसमें बच्चों समेत कम से कम 31 लोगों की मौत होने की आशंका है।रैली में भारी भीड़ के मद्देनजर हताहतों की संख्या और बढ़ सकती है।तमिलनाडु के पूर्व मंत्री और डीएमके नेता वी सेंथिल बालाजी करूर के सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल पहुंचे।उन्होंने कहा कि अब तक भगदड़ में 31 लोगों की मौत हो चुकी है और 58 लोगों को भर्ती कराया गया है।भगदड़ की घटना के बाद सीएम ने तुरंत पूछताछ की और जिला कलेक्टर, एसपी और मुझे अस्पताल पहुंचने का आदेश दिया।हमें अतिरिक्त डॉक्टरों को बुलाने और उचित इलाज करने की सलाह दी। कल मुख्यमंत्री खुद यहां आने वाले हैं।अभी तक 46 लोग निजी अस्पताल में हैं, और 12 लोग इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती हैं। बता दें कि यह हादसा उस वक्त हुआ जब विजय सभा को संबोधित कर रहे थे, तब भीड़ बढ़ती गई और बेकाबू हो गई तथा पार्टी कार्यकताओं और कुछ बच्चों समेत कई लोग बेहोश होकर गिर पड़े।कई कार्यकताओं ने स्थिति को भांप लिया और शोर मचाया। विजय ने ध्यान दिया और अपना भाषण रोककर, खासतौर पर बनाई गई प्रचार बस के ऊपर से लोगों तक पानी की बोतलें पहुंचाने की कोशिश की।एम्बुलेंस को भीड़-भाड़ वाली सड़क से होते हुए घटनास्थल तक पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।बेहोश हुए लोगों को एम्बुलेंस से पास के अस्पतालों में ले जाया गया और बताया जा रहा है कि उनमें से कुछ लोगों की हालत खराब है। विजय ने स्थिति को समझते हुए अपना भाषण निर्धारित समय से पहले ही समाप्त कर दिया।इस बीच तमिलनाड के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कहा कि करूर से मिली जानकारी चिंताजनक है।उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री मा सुब्रमण्यम और जिलाधिकारी को हरसंभव सहायता प्रदान करने की सलाह दी। उन्होंने मंत्री अन्बिल महेश को भी सहायता प्रदान करने के लिए करूर जाने को कहा है।घटना की सूचना पर मंत्री, शीर्ष प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी करूर पहुंच गए हैं।मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि उन्होंने शीर्ष पुलिस अधिकारियों को करूर मेंसामान्य स्थिति बहाल करने के लिए उचित कदम उठाने का निर्देश दिया है।स्टालिन ने करूर में आम जनता से चिकित्सकों और पुलिस के साथ सहयोगकरने की अपील की।

### करूर हादसे पर पीएम मोदी और तमिलनाडु के राज्यपाल ने जताया दुख

भगदड़ पर पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- तमिलनाडु के करूर में एक राजनीतिक रैली के दौरान हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना बेहद दुखद है. मेरी संवेदनाएँ उन परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं इस कठिन समय में उन्हें शक्ति प्रदान करने की कामना करता हूँ। सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने भगदड़ पर दुख जताया। राजभवन की ओर से एक्स पर किए गए पोस्ट में लिखा गया कि करूर में एक राजनीतिक रैली के दौरान बच्चों सहित निर्दोष लोगों की दुखद मौत से मुझे गहरा दुःख और पीड़ा हुई है। इस दुःख की घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना।

## भारत अब दुनिया के उन पांच देशों में शामिल जिनके पास 4जी की स्वदेशी तकनीक: प्रधानमंत्री

एजेंसी

**झारसुगुड़ा (ओडिशा)।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को ओडिशा के झारसुगुड़ा में 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने देश के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत अब दुनिया के उन पांच देशों में शामिल हो गया है, जिनके पास 4जी दूरसंचार सेवाएं शुरू करने की पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक मौजूद है। प्रधानमंत्री ने झारसुगुड़ा से बीएसएनएल के स्वदेशी 4जी नेटवर्क का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि लगभग 37 हजार करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 97,500 से अधिक मोबाइल टावरों को आज राष्ट्र को समर्पित किया जा रहा है। यह बीएसएनएल का नया अवतार है और दूरसंचार क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत का बड़ा कदम है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह एक गर्व का क्षण है कि जब दुनिया भर में 2जी, 3जी और 4जी तकनीक का विकास हो रहा था, तब देश पीछे रह गया था। उस समय हमने दूरसंचार क्षेत्र में भ्रष्टाचार और घोटालों के किस्से देखे थे लेकिन अब भारत ने संकल्प लिया और स्वदेशी तकनीक



विकसित कर ली। आज यह सफलता इस बात का प्रतीक है कि भारत आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है और जल्द ही वैश्विक टेक्नोलॉजी हब के रूप में अपनी पहचान मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को सेमीकंडक्टर से लेकर जहाज निर्माण तक हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने बताया कि देश में जहाज निर्माण को बढ़ावा देने के लिए 70 हजार करोड़ रुपये का पैकेज स्वीकृत किया गया है। जहाज निर्माण से देश को व्यापार, तकनीकी और सुरक्षा– सभी क्षेत्रों में मजबूती मिलेगी और संकट के समय आयात-निर्यात बाधित नहीं होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि ओडिशा अब डबल इंजन सरकार की गति से प्रगति कर रहा है। डेढ़ साल पहले विधानसभा चुनावों के दौरान जनता ने विकसित ओडिशा का संकल्प लिया।

## घुसपैठियों को चुन–चुनकर बिहार से बाहर करेंगे : शाह

एजेंसी

**पटना।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को फारबिसगंज में कोशी, पूर्णिया और भागलपुर क्षेत्र के मंडल स्तर तक के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकताओं से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा, साथ ही कार्यकताओं से एकजुटता की अपील की। भाजपा कार्यकताओं से संवाद करते हुए अमित शाह ने विपक्ष पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि यह चुनाव राहुल गांधी और लालू यादव के लिए सिर्फ सत्ता हासिल का जरिया



हो सकता है, लेकिन भाजपा के लिए यह चुनाव बिहार को घुसपैठियों से मुक्त कराने और राज्य को बाढ़ की त्रासदी से स्थायी समाधान देने के लिए है। बिहार की जनता राजग को दो-तिहाई बहुमत देती है, तो भाजपा एक-एक घुसपैठिए को चुन-चुनकर बाहर इस राज्य से करेगी। गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर निशाना साधते हुए कहा कि लालू एंड कंपनी ने बिहार को लूटा, घोटाले किए और अब घुसपैठियों को मताधिकार दिलाने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने विगत 11 वर्षों में भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी शासन दिया है। विरोधी एक भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा सके। उन्होंने राहुल गांधी की यात्राओं को लेकर कहा कि उनका मकसद मतदाता सूची में घुसपैठियों को बचाना है, जबकि भाजपा का संकल्प है उन्हें बाहर का रास्ता दिखाना। गृह मंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी की उपलब्धियों को गिनाते हुए।

## जेसोवा ने मुख्यमंत्री को दीपावली मेला के लिए किया आमंत्रित

संवाददाता

**रांची।** झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन से शनिवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड आईएएस ऑफिसर्स वाइव्स एसोसिएशन (जेसोवा) के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने मुलाकात के दौरान जेसोवा की ओर से राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में 9 अक्टूबर से 13 अक्टूबर - 2025 तक आयोजित होनेवाले पांच दिवसीय दिवाली मेला में सम्मिलित होने के लिएमुख्यमंत्री को आमंत्रण पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वालों में जेसोवा की सचिव मनु झा, कोषाध्यक्ष शिवानी सिंह,

**न्यूज स्टडी** | पेश किए गए साक्ष्य अपर्याप्त, सीधे तौर पर अपराध से नहीं जोड़ते

## कमलेश सिंह को झारखंड हाईकोर्ट से बेल, ईडी को लगा तगड़ा झटका

संवाददाता

**रांची।** घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को बड़ा झटका लगा है। झारखंड हाईकोर्ट ने कमलेश कुमार उर्फ कमलेश सिंह को जमानत दे दी है। जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय ने कमलेश सिंह की जमानत याचिका को स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने ईडी द्वारा लगाए गए आरोपों पर कई महत्वपूर्ण सवाल भी खड़े किए। कोर्ट ने अपने 16 पन्ने के जजमेंट में कहा कि ईडी द्वारा पेश किए गए साक्ष्य अपर्याप्त हैं और वे सीधे तौर पर कमलेश सिंह को मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध से नहीं जोड़ते। यह फैसला ईडी की जांच की प्रक्रिया और उसके साक्ष्यों की मजबूती पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। कमलेश सिंह को पिछले वर्ष रांची में एक जमीन घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। ईडी ने उन पर आरोप लगाया था कि गलत तरीके से जमीन के सौदों और मनी



लॉन्ड्रिंग में शामिल हैं।कोर्ट ने कहा कि ईडी ने जो सबूत पेश किए हैं, वे केवल संदेह पर आधारित हैं, न कि पुख्ता प्रमाण पर। ईडी की टीम कमलेश सिंह और कथित जमीन घोटाले के बीच सीधा संबंध स्थापित करने में विफल रही। जजमेंट में साफ तौर पर कहा गया कि प्रवर्तन निदेशालय ने कमलेश सिंह को सीधे तौर पर अपराध से नहीं जोड़ा। कोर्ट ने अप्रत्यक्ष रूप से इस बात की ओर भी इशारा किया कि यह मामला राजनीतिक प्रतिशोध का एक हिस्सा हो सकता है। जजमेंट में कहा गया है कि किसी भी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को महज आरोपों के आधार पर धूमिल

### अदालत ने 16 पन्नों में दिया अपना जजमेंट

उन पर आरोप लगाया था कि गलत तरीके से जमीन के सौदों और मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल हैं। कमलेश सिंह को झारखंड हाईकोर्ट से बेल, ईडी को लगा तगड़ा झटका पेश किए गए साक्ष्य अपर्याप्त, सीधे तौर पर अपराध से नहीं जोड़ते डिवाइडर से टकराई एसयूवी, पांच की मौत : शनिवार को हरियाणा के गुरुग्राम में दिल्ली-जयपुर एनएच-48 पर राजीव चौक के पास एक तेज रफ्तार एसयूवी डिवाइडर से टकरा गई। इस भयावह हादसे में छह यात्रियों में से पांच की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल है। थार के परखच्चे उड़ गए, शवों और घायल को गाड़ी से निकालने में काफी मशक्कत हुई।

## यूएन में एस. जयशंकर का बड़ा बयान- पाकिस्तान आतंकवाद का ग्लोबल सेंटर

संवाददाता रांची

**न्यूयॉर्क/नई दिल्ली।** भारत के विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 80वें सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारत स्वतंत्रता के बाद से लगातार आतंकवाद की चुनौती का सामना कर रहा है। पाकिस्तान का नाम लिए बिना उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारे पड़ोसी देश को लंबे समय से वैश्विक आतंकवाद का गढ़ माना जाता है। जयशंकर ने कहा कि दुनिया में हुए कई बड़े आतंकी हमलों की जड़ें एक ही देश से जुड़ी हैं। संयुक्त राष्ट्र की आतंकवादी सूची में ऐसे अनेक नाम शामिल हैं, जो उसी देश के नागरिक हैं। उन्होंने हाल ही में अप्रैल 2025 में



पहलगाम में पर्यटकों की हत्या की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि यह क्रॉस बॉर्डर टेररिज्म का ताजा उदाहरण है। विदेश मंत्री ने जोर देकर कहा कि आतंकवाद आज नफरत, हिंसा, असहिष्णुता और डर को मिलाकर एक वैश्विक खतरा बन चुका है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को और मजबूत करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा, जब कोई देश आतंकवाद को अपनी राज्य नीति बना ले, जब वहां बड़े पैमाने पर आतंकी कैंप संचालित हों और जब आतंकवादियों का सार्वजनिक तौर पर महिमामंडन किया जाए, तो इसकी कड़ी निंदा की जानी चाहिए। जयशंकर ने कहा कि आतंकी नेटवर्क और उसकी फंडिंग पर लगातार दबाव बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दुनिया ऐसे देशों को छूट देती रही, तो अंततः वही आतंकवाद उनके लिए भी खतरा बनकर लौटेगा। संयुक्त राष्ट्र सुधारों पर जोर देते हुए जयशंकर ने कहा कि अब समय आ गया है कि यूएन सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में स्थायी और अस्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाई

# दुर्गा पूजा को लेकर पांच हजार जवान तैनात, जोनल आईजी ने की समीक्षा बैठक

रांची, संवाददाता।

रांची में दुर्गा पूजा के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह से सतर्क और मुस्तैद हो गया है. इसी क्रम में, शनिवार को रांची जोन के आईजी मनोज कौशिक की अध्यक्षता में एसएसपी कार्यालय में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई. इस उच्चस्तरीय बैठक में रांची के सीनियर एसपी राकेश रंजन, सिटी एसपी पारस राणा, ग्रामीण एसपी प्रवीन पुष्कर समेत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के सभी डीएसपी उपस्थित रहे. बैठक में सुरक्षा व्यवस्था के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई.

**संवेदनशील इलाकों की पहचान कर ली गई है**

बैठक के बाद, आईजी मनोज कौशिक ने मीडिया को जानकारी दी कि प्रशासन का मुख्य फोकस शांति व्यवस्था बनाए रखने पर है. उन्होंने बताया कि संवेदनशील इलाकों की पहचान कर ली गई है और वहां अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा. सुरक्षा और निगरानी के लिए आधुनिक तकनीक का भी उपयोग किया जाएगा. सभी प्रमुख स्थानों और पंडालों के पास सीसीटीवी की मदद ली जाएगी. आईजी ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए दो कंपनी केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के अलावा 5000 से अधिक पुलिस फोर्स की तैनाती की गई है. प्रशासन की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया कि पूजा को सुचारू बनाने के लिए पूजा आयोजकों के साथ समन्वय बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें उन्हें विस्तृत गाइडलाइन की जानकारी दी जाएगी. साथ ही, पूजा पंडालों के पास लोगों की सहायता के लिए अस्थायी कंट्रोल रूम स्थापित किए जाएंगे और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए क्विक रिस्पॉन्स टीम भी तैनात रहेगी.

**मुख्य रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया**

- पूजा पंडालों की सुरक्षा.
- यातायात व्यवस्था.
- भीड़ नियंत्रण और प्रबंधन.
- महिला सुरक्षा सुनिश्चित करना.
- सोशल मीडिया मॉनिटरिंग ताकि अफवाहों को रोका जा सके.
- संवेदनशील इलाकों पर विशेष निगरानी.

## बाइक पर निकले रांची एसएसपी राकेश रंजन, दुर्गा पूजा की विधि-व्यवस्था का लिया जायजा

रांची। दुर्गा पूजा के पावन अवसर पर राजधानी रांची में विधि-व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के लिए पुलिस अलर्ट मोड में है. किसी भी प्रकार की समस्या न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए एसएसपी राकेश रंजन ने शनिवार की रात खुद कमान संभाली. एसएसपी राकेश रंजन बुलेट पर सवार होकर शहर की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने निकले. उनके साथ सिटी एसपी, ट्रैफिक एसपी, सभी डीएसपी और बड़ी संख्या में जवान भी बाइक पर साथ चल रहे थे. एसएसपी ने अपनी पूरी टीम के साथ रांची के अलग-अलग हिस्सों में स्थापित दुर्गा पूजा पंडालों का निरीक्षण किया. इस दौरान, एसएसपी ने पूजा समिति के सदस्यों से बात की और जगह-जगह तैनात पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. उन्होंने स्पष्ट किया कि रांची की जनता हर हाल में खुद को सुरक्षित महसूस करे, यही उनका मुख्य उद्देश्य है. इसी वजह से उन्होंने खुद अपने जवानों के साथ बाइक पर सवार होकर शहर की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया.

### सांप्रदायिक तनाव पर होगी कड़ी कार्रवाई

एसएसपी राकेश रंजन ने शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में दुर्गा पूजा का पर्व संपन्न कराने के लिए शहर के सभी नागरिकों से सहयोग की अपील की है. पुलिस ने विधि-व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिनका नागरिकों से सख्ती से पालन करने का आग्रह किया गया है. पुलिस ने सामाजिक सौहार्द और भाईचारा बनाए रखने पर विशेष जोर दिया है. नागरिकों से अपील की गई है कि वे आपसी भाईचारे और सौहार्द को सर्वोच्च प्राथमिकता दें. पुलिस ने कड़े शब्दों में चेतावनी दी है कि किसी भी प्रकार की सांप्रदायिक तनाव उत्पन्न करने वाली गतिविधियों से पूरी तरह से बचा जाए. एसएसपी ने जोर देकर कहा कि हर व्यक्ति को सौहार्दपूर्ण वातावरण का समर्थन करना चाहिए और शहर की शांति भंग करने वाले किसी भी कृत्य से दूर रहना चाहिए. ऐसे तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

## डांडिया की धुन पर थिरके कदम, अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने किया आयोजन, सुबोधकांत सहाय भी झूमें

रांची, संवाददाता।

नवरात्र में डांडिया की धूम मची हुई है. तमाम पूजा समितियां और अलग-अलग सोसायटी के स्तर पर डांडिया का आयोजन हो रहा है. भक्ति और शक्ति के महासंगम के बीच लोग आपसी सौहार्द और प्रेम साझा कर रहे हैं. अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की झारखंड इकाई की ओर से नवरात्र सह डांडिया- 2025 का आयोजन किया गया. इसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, न्यायाधीश मनीष रंजन और भारतीय रेल सेवा अधिकारी क्षितिज वर्मा बतौर सम्मानित अतिथि उपस्थित थे.

**छात्रों ने पेश किया धुनुची नृत्य**

नामकुम के ब्लेस बैंक्वेट में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मां दुर्गा की आराधना और चित्रगुप्त महाराज की आरती के साथ किया गया. इस अवसर पर नाट्य संस्थान 'रागरंग' के छात्रों ने धुनुची नृत्य प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया. मौके पर महासभा के राष्ट्रीय पदाधिकारी मुकेश कुमार ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य कायस्थ समाज के लोगों को एकजुट करने और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देना है.

**कई गणमान्य हस्तियां मौजूद रहीं**

इस दौरान प्रतिभागियों ने लजीज भोजन का लुत्फ उठाया. कार्यक्रम को सफल बनाने में महासभा के राष्ट्रीय पदाधिकारी विवेक अखौरी, आस्था किरण और प्रांतीय अधिकारी सुशील लाल, रवि कुमार, राजेश सिन्हा, डॉ. अनल सिन्हा, दीपक मल्लिक, सदन सिन्हा, सजल सहाय, सुमित बरियार, राजेश शरण, सुबोध कुमार, सत्या सिन्हा, प्रीति सिन्हा समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे.

**अलग-अलग कैटेगरी के विजेताओं के नाम**

इस दौरान अलग-अलग प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया. बेस्ट कपल का खिताब रूपम सिन्हा और एन. सिन्हा को मिला. एनरजेटिक किड की श्रेणी में अहान आरव, ब्यूटी विद सिंपलीसिटी में प्रियंका और घनश्याम, मेड फॉर ईच अदर कपल की श्रेणी में किरण और प्रेम कुमार विजेता चुने गये. क्यूट किड का खिताब अद्विक को मिला. डैशिंग बॉय ज्ञान सहाय रहे. बेस्ट डांसर के लिए शिवाशी और माही को, बेस्ट एथेनिक वियर (बाल) की कैटेगरी में प्रिंस और देवाशीष जबकि एथेनिक वियर युवा का खिताब पूनम और विकास को मिला.

## झारखंड की कृषि मंडियों में सुधार को लेकर चैंबर ऑफ कॉमर्स ने कृषि मंत्री से की मुलाकात

रांची, संवाददाता।

झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स ने राज्य की कृषि मंडियों में मूलभूत सुविधाओं की कमी और सुरक्षा व्यवस्था की खामियों को लेकर शनिवार को राज्य की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की से मुलाकात की. इस दौरान चैंबर ने मंडियों के इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और उन्हें किसान-व्यापारी हितैषी बनाने के लिए मंत्री से हस्तक्षेप का आग्रह किया. बैठक में चैंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि मंडियों में पानी, शौचालय, साफ-सफाई और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी है. उन्होंने प्रथम चरण में पंडरा कृषि मंडी को आदर्श मंडी के रूप में विकसित करने का सुझाव दिया. उन्होंने मंडियों में सुरक्षा गार्ड की अनुपस्थिति और लगातार हो रही चोरी-छिनतई की घटनाओं पर भी गंभीर चिंता जताई.

मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को ध्यानपूर्वक सुनते हुए सकारात्मक कार्रवाई का भरोसा दिया. उन्होंने जल्द ही झारखंड चैंबर के पदाधिकारियों के साथ पंडरा मंडी का दौरा करने और राज्यभर के खाद्यान्न व्यापारियों के साथ बैठक करने का आश्वासन दिया. प्रतिनिधिमंडल में चैंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया और राम बांगड़, महासचिव रोहित अग्रवाल, सह सचिव नवजोत अलग एवं रोहित पोद्दार, कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, रांची चैंबर अध्यक्ष संजय महुरी, आलू-प्याज थोक विक्रेता संघ अध्यक्ष मदन साहू, सदस्य गणेश अग्रवाल समेत पंडरा कृषि मंडी के कई व्यापारी शामिल थे.

## अरगोड़ा में भव्य होगा दशहरा, आतिशबाजी के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे रावण दहन

रांची, संवाददाता।

असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक दशहरा इस साल 2 अक्टूबर को मनाया जायेगा. इस मौके पर राजधानी रांची में कई स्थानों पर रावण दहन होगा. श्री दुर्गा पूजा एवं रावण दहन समिति अरगोड़ा की ओर से हर साल की तरह इस बार भी अरगोड़ा मैदान में रावण का पुतला दहन किया जायेगा. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हर बार की तरह इस बार भी रावण दहन में शामिल होने वाले हैं. इस मौके पर रिमोट के जरिए दूर खड़ा रावण, कुभकर्ण और मेघनाद का पुतला दहन मुख्यमंत्री द्वारा किया जायेगा.

**रावण, कुंभकरण, मेघनाथ और लंका दहन होगा**

श्री दुर्गा पूजा एवं रावण दहन समिति के अध्यक्ष पंकज साहू ने बताया कि इस बार रावण 60 फीट, कुंभकरण 55 व मेघनाथ 50 फीट का होगा. रावण के सिर के ऊपर चक्र होगा. इन पुतलों में थमाकोल की ज्वेलरी पहनायी गयी है. यहां लंका दहन भी होगा. पुरुलिया और बक्सर की आतिशबाजी दो घंटे तक चलेगी जो रिमोट के माध्यम से होगी. अरगोड़ा में रावण दहन की परंपरा काफी पुरानी है. कहा जाता है कि 1967 से पहले इसकी शुरूआत कुछ ग्रामीणों द्वारा की गई जिसमें सिर्फ रावण का पुतला बनाकर लोग छोटे स्तर पर मनाते थे. मगर बाद में समय के साथ इसकी भव्यता बढ़ी और रावण के साथ साथ मेघनाद और कुभकर्ण का भी विशालकाय पुतला बनाया जाने लगा.

**मुख्यमंत्री अरगोड़ा मैदान पहुंचेंगे**

इस मौके पर मुख्य आकर्षण आतिशबाजी की होती है जिसके लिए बिहार के बक्सर से हर साल आतिशबाज यहां आते हैं. इस साल भी पुतला तैयार होने के बाद आतिशबाजी की कमान बक्सर से आई टीम के हाथ में होगी. श्री दुर्गा पूजा एवं रावण दहन समिति अरगोड़ा के अध्यक्ष पंकज कुमार के अनुसार आतिशबाजी शाम 4.30 बजे से शुरू होगा. मोरहाबादी मैदान में रावण दहन के बाद मुख्यमंत्री अरगोड़ा मैदान पहुंचेंगे जहां आतिशबाजी के बाद रावण दहन होगा. इस दौरान विधि व्यवस्था और ट्रैफिक कंट्रोल के लिए पर्याप्त तैयारी की गई है.

## बंगाल के कारीगरों ने 50 करोड़ की लागत से तैयार किए सैकड़ों दुगार्पूजा पंडाल

रांची, संवाददाता।

राजधानी में दुर्गा पूजा का उत्सव हर्षोउल्लास से मनाई जा रही है.शहर में करीब सैकड़ों से अधिक पूजा पंडाल बनाए गए हैं. इसमें बड़े-छोटे पंडाल शामिल हैं. इनमें से 8 से 10 प्रमुख पंडाल आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं. आयोजन पर करीब 50 करोड़ रुपये की लागत आई है. सिर्फ रांची शहर की बात करें तो यहां लगभग सैकड़ों पंडाल सजे हैं. इनमें चंद्रशेखर दुर्गा पूजा समिति, बकरी बाजार, रामलला दुर्गा पूजा समिति, रातू रोड दुर्गा मंदिर, अरगोड़ा, हरमू पंचमुखी मंदिर जैसे आठ-दस पंडाल मुख्य आकर्षण के केंद्र माने जा रहे हैं. इन पंडालों की साज-सज्जा और भव्यता लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है. पूजा पंडालों की तैयारी में बंगाल, कोलकाता, मेदनीपुर, मुर्शिदाबाद, हल्दिया, झालदा-पुरूलिया और राजस्थान से आए हजारों कारीगरों की कला ने रांचीवासियों को मां दुर्गा का नौ रूपों के दर्शन करा रहे हैं. इन कारीगरों ने कड़ी मेहनत कर करीब 200 से अधिक पूजा पंडाल को मंदिर का स्वरूप में बदल दिया है. आज इन्हीं कारीगरों के कारण दुगार्पूजा को भव्यता दिखती है. इन कारीगरों ने अलग-अलग थीम पर पूजा पंडाल तैयार किए हैं. कहीं राजस्थानी महल, तिरूपति बालाजी की थीम, अंकोरवाट मंदिर कंबोडिया, स्वामी नारायण मंदिर, किताबों की महत्ता की झलक है तो कहीं बंगाल की पारंपरिक झांकी दिखाए गए हैं.

## रांची : कुड़मियों की एसटी मांग के विरोध में 12 अक्टूबर को मोरहाबादी में महारैली

रांची, संवाददाता।

झारखंड में कुड़मी को एसटी सूची में शामिल करने की मांग को लेकर सियासी और सामाजिक सरगर्मी चरम पर है. केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने सिरमटोली सरना स्थल में कहा कि यह केंद्रीय सरकार से लड़ाई है. राज्य और देश को बचाना केंद्र के हाथ में है. कुड़मी और आदिवासी अमर्यादित बयान न दें और कुड़मी समाज संवैधानिक तरीके से ही अपनी मांग रखें. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि केंद्र सरकार ने कुड़मी को एसटी दर्जा दे दिया तो आदिवासी समाज को अस्तित्व संकट का सामना करना पड़ेगा और झारखंड छोड़कर जाना होगा.

**आदिवासी हक अधिकार पर खतरे की घंटी**

अजय तिर्की ने कहा कि आदिवासी समाज के हक और अधिकार छीनने की कोशिश हो रही है. परंपरा और संस्कृति को मिटाने का षड्यंत्र चल रहा है. ग्लैडसन डुंगडुंग ने ऐतिहासिक तथ्यों का हवाला देते हुए कहा कि कुड़मी मूल रूप से बिहार से आकर बसे हैं. 17वीं सदी में कुड़मी झारखंड में आए. 1872 से 1931 तक अलग वर्ग में दर्ज थे. कुडमी समुदाय का टीआरआई रिपोर्ट को केंद्र सरकार पहले ही खारिज कर चुकी है. उन्होंने कहा कि कुड़मी समाज संवैधानिक और कानूनी अधिकारों पर लगातार हमला कर रहा है. 1997 से ही आदिवासी स्वशासन और पेसा कानून को कमजोर करने की कोशिश हो रही है.

**5 अक्टूबर की रैली स्थगित, 12 अक्टूबर को होगा शक्ति प्रदर्शन**

रूपचंद तिर्की ने कहा कि 5 अक्टूबर को प्रस्तावित रैली पूजा-पाठ और पर्व त्योहार के कारण स्थगित कर दी गई है. अब यह 12 अक्टूबर को मोरहाबादी मैदान में आयोजित होगी, जहां संवैधानिक तथ्यों के साथ बड़ा शक्ति प्रदर्शन किया जाएगा. मौके पर प्रकाश हंस, मुन्ना मिंज, सचिन कच्छप, निरज कुमार सोरेन, बबलु उरांव, सुरज टोप्पो, मुन्ना उरांव समेत कई आदिवासी नेता मौजूद थे.

## झारखंड में दुर्गा पूजा के दौरान 200 से 250 मेगावाट बढ़ सकती है बिजली की डिमांड

रांची, संवाददाता।

झारखंड में दुर्गा पूजा के दौरान लगभग 200 से 300 मेगावाट तक अतिरिक्त बिजली की मांग बढ़ सकती है. इसको देखते हुए झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड विशेष तैयारी कर रखी है. रांची, खूंटी, गुमला, सिमडेगा और लोहरदगा के बिजली अधिकारियों को विशेष कार्य निर्देश जारी किए गए हैं. पूजा के दौरान अचानक लोड बढ़ने पर ट्रांसफार्मर या उपकरणों के जलने या खराब होने की स्थिति में उसे तत्काल बदला जाएगा. सभी वितरण ट्रांसफार्मर और उपकरणों का लोड जांचने का निर्णय लिया गया है. लो टेंशन सर्विस वायर को पूजा पंडालों के नजदीक सही तरीके से व्यवस्थित करते हुए वास्तविक ऊंचाई पर मेंटेन रखने को कहा गया है, ताकि कोई दुर्घटना या अनहोनी न हो.

**न्यूनतम अवधि के लिए शटडाउन**

अधिकारियों को न्यूनतम अवधि के लिए ही शट डाउन लेने का निर्देश दिया गया है. ग्रामीण इलाकों में पूजा पंडालों और इसके आसपास खराब पड़े ट्रांसफार्मर और डैमेज उपकरणों को तत्काल बदलने के निर्देश दिए गए हैं. सभी डिवीजन में ट्रांसफार्मर, 33 और 11 केवीए हाइवोल्टेज तारों की जांच के साथ ही 33 केवीए यूजी केबल की जांच, खराब-कमजोर जंपर को बदलने, अर्थिंग की जांच, ब्रेकर, कनेक्टर, रिले, बैट्री-चार्जर की जांच की जा रही है. इन तैयारियों के साथ, झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड और रांची विद्युत प्रमंडल दुर्गा पूजा के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तैयार हैं.

## सीयूजे में हिंदी पखवाड़ा-2025 का हुआ समापन

रांची, संवाददाता।

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित हिंदी पखवाड़ा-2025 सम्मान समारोह के साथ संपन्न हुआ. इस अवसर पर हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार में योगदान देने वाले कर्मचारियों और विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित व पुरस्कृत किया गया. समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास ने की. अपने उद्बाटन भाषण में उन्होंने हिंदी भाषा की सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय एकता में भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा हिंदी केवल एक भाषा नहीं बल्कि भारत की साझा संस्कृति और विरासत का प्रतीक है. इसका विकास और संवर्धन हम सभी की जिम्मेदारी है.उन्होंने यह भी जोर दिया कि हिंदी को राजभाषा के रूप में सरकारी कार्यों में अधिकाधिक अपनाया जाना चाहिए ताकि इसकी पहुंच और प्रभाव को और व्यापक बनाया जा सके.

**विविध प्रतियोगिताओं के विजेता सम्मानित**

हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित निबंध लेखन, आशुभाषण, स्वरचित काव्य-पाठ, हिंदी प्रश्नोत्तरी और हिंदी टंकण प्रतियोगिता में कुल 45 प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार स्वरूप क्रमशः 1500, 1000 और 500 रुपए नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए. साथ ही हिंदी भाषा में विशेष योगदान देने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया.

**सरकारी कार्यों में हिंदी के उपयोग को मिलेगा बढ़ावा**

हिंदी पखवाड़ा-2025 का आयोजन 14 से 26 सितंबर तक किया गया था. इसका उद्देश्य भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुरूप विश्वविद्यालय में हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करना और इसे दैनिक प्रशासनिक कार्यों में शामिल करना रहा. समारोह का संचालन विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी मधुरागी श्रीवास्तव ने किया. कार्यक्रम में डॉ मनोज कुमार (डीन, अकादमिक), प्रो केबी पंडा (नैक अध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष, सांख्यिकी), डॉ बीबी मिश्रा (परीक्षा नियंत्रक), डॉ अमरेंद्र कुमार (कुलानुशासक) सहित अन्य संकाय सदस्य, अधिकारीगण एवं विश्वविद्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

## श्री श्याम मंदिर में 172वां श्री श्याम भंडारा का किया गया भव्य आयोजन

रांची, संवाददाता।

श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका महामंत्री गौरव अग्रवाल कोषाध्यक्ष मनोज खेतान उपाध्यक्ष अशोक लड़ियां निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी निवर्तमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया श्यामसुंदर शर्मा विष्णु बिंदल गीता बिंदल ने संयुक्त रूप से श्री श्याम भोग का भजन गायन किया । उपस्थित सैकड़ो भक्तों ने आओ आओ भोग लगाओ बाबा श्याम जी रुच रुच भोग लगाओ बाबा श्याम जी के स्वर में स्वर मिलाकर भक्ति भावना से ओत प्रोत होकर ठाकुर जी से भोग स्वीकार करने का अनुरोध किया। खाटूनरेश बजरंगबली शिव परिवार लड्डू गोपाल जी शालिग्राम जी गरुड़ जी गुरुजनों का भोग लगाकर महाप्रसाद को विशाल भंडारे में मिश्रित किया गया। विष्णु बिंदल गीता बिंदल एवं परिवार ने सर्वप्रथम मंदिर के आचार्यों को भोग प्रसाद खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। भंडारे का समय होते-होते श्री श्याम मंदिर परिसर भक्तों से भर गया एवं हरमू रोड में भक्तजनों की लंबी-लंबी कतारें लग गई। खाटूनरेश की जय जयकारों से पूरा हरमू रोड गूंज रहा था। प्रथम देव श्री गणेश जी महाराज की जय जयकारों के बीच श्री श्याम भंडारे का प्रसाद वितरण प्रारंभ किया गया।

श्री श्याम मंदिर में निर्मित प्रसाद में आज के भंडारे में वेजिटेबल पुलाव आलू चना दाल लौकी सब्जी केसरिया जलेबी का प्रसाद वितरण किया गया। खीर चूरमा का भोग हर भंडारे में महाप्रसाद के रूप में श्याम मंदिर में निर्मित किया जाता है एवं सर्वप्रथम भोग लगाया जाता है। भोग लगने के बाद हर भंडारे में मंडल के वरिष्ठ सदस्य रतन शर्मा एवं मंदिर के सहयोगी रांची गौशाला में जाकर गौमाता को भोजन कराते हैं। लगभग 2500 से ज्यादा भक्तजनों ने प्रसाद प्राप्त किया। श्री श्याम भंडारे का प्रसाद मंदिर परिसर में निर्वतमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी के देख रेख में शुद्धता के साथ निर्मित किया गया था । श्री श्याम भंडारे में अध्यक्ष गोपाल मुरारका महामंत्री गौरव अग्रवाल उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया अशोक लड़ियां कोषाध्यक्ष मनोज खेतान निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी निवर्तमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया श्यामसुंदर शर्मा राजेश ढांढनीया अनुज मोदी राहुल मारू कमलेश सावा वेद भूषण जैन अंकित कुमार कृष्णा कुमार संकेत चौधरी मनोज खेतावत सहित 50 से ज्यादा कार्यकताओं ने सहयोग दिया।

**शारदीय नवरात्र उत्सव**

श्री श्याम मंदिर में नवरात्र के अवसर पर मां भगवती की पूजा व दुर्गा पाठ का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिदिन प्रातः कालीन एवं संध्या कालीन आरती हो रही है जिसमें सैकड़ों भक्त उपस्थित रहते हैं। मंगलवार को श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा पाठ का संगीतमय पाठ का आयोजन किया जाएगा। उपरोक्त सभी जानकारी मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने दी।

# पुलिस महानिरीक्षक ने दुर्गा पूजा को लेकर की समीक्षा बैठक, रांची में पांच हजार जवानों की होगी तैनाती

संवाददाता । रांची

रांची में दुर्गा पूजा के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है। इसी क्रम में शनिवार को रांची जोन के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) मनोज कौशिक की अध्यक्षता में वरिष्ठ पुलिस अधिक्षक (एसएसपी) कार्यालय में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।इस उच्चस्तरीय बैठक में रांची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (सीनियर एसपी) राकेश रंजन, नगर पुलिस अधीक्षक (सिटी एसपी) पारस राणा, ग्रामीण पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण एसपी) प्रवीन पुष्कर समेत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के सभी पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) उपस्थित रहे। बैठक में सुरक्षा व्यवस्था के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के बाद, आईजी मनोज कौशिक ने मीडिया को जानकारी दी कि प्रशासन का मुख्य फोकस शांति व्यवस्था बनाए रखने पर है। उन्होंने बताया कि संवेदनशील इलाकों की पहचान कर ली गई है और वहां अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। सुरक्षा और

निगरानी के लिए आधुनिक तकनीक का भी उपयोग किया जाएगा। सभी प्रमुख स्थानों और पंडालों के पास सीसीटीवी की मदद ली जाएगी। आईजी ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए दो कंपनी केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के अलावा 5000 से अधिक पुलिस के जनावों की तैनाती की जा रही है। पुलिस प्रशासन की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया कि पूजा को सुचारू बनाने के लिए पूजा आयोजकों के साथ समन्वय बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें उन्हें विस्तृत दिशानिर्देश की जानकारी दी जाएगी। साथ ही पूजा पंडालों के पास अस्थायी कंट्रोल रूम और त्वरित प्रतिक्रिया टीम भी तैनात कीजाएगी रांची : दुर्गा पूजा को लेकर राजधानी रांची में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन सतर्क है। प्रशासन ने कमर पूरी तरह से कस ली है। वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय में रांची जोन के आईजी मनोज कौशिक की अध्यक्षता में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक हुई। इस बैठक में रांची के सीनियर एसपी राकेश रंजन, सिटी एसपी पारस राणा, ग्रामीण एसपी प्रवीन पुष्कर सहित शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के डीएसपी मौजूद रहे। इस बैठक में पूजा पंडालों की सुरक्षा, ट्रैफिक व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, महिला सुरक्षा और सोशल मीडिया मॉनिटरिंग जैसे तमाम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

## हमारा फोकस शांति व्यवस्था बनाए रखने पर है

रांची : दुर्गा पूजा को लेकर राजधानी रांची में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन सतर्क है। प्रशासन ने कमर पूरी तरह से कस ली है। वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय में रांची जोन के आईजी मनोज कौशिक की अध्यक्षता में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक हुई। इस बैठक में रांची के सीनियर एसपी राकेश रंजन, सिटी एसपी पारस राणा, ग्रामीण एसपी प्रवीन पुष्कर सहित शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के डीएसपी मौजूद रहे। इस बैठक में पूजा पंडालों की सुरक्षा, ट्रैफिक व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, महिला सुरक्षा और सोशल मीडिया मॉनिटरिंग जैसे तमाम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के बाद आईजी ने बताया हमारा फोकस शांति व्यवस्था बनाए रखने पर है। संवेदनशील इलाकों की पहचान कर ली गई है और वहां अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा। ड्रोन से निगरानी और सीसीटीवी की मदद ली जाएगी। दो कंपनी केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के अलावा 5000 से अधिक फोर्स की तैनाती की गई है।प्रशासन की ओर से यह भी कहा गया कि पूजा आयोजकों के साथ समन्वय बैठक कर उन्हें गाइडलाइन की जानकारी दी जाएगी। साथ ही पूजा पंडालों के पास अस्थायी कंट्रोल रूम और क्विक रिस्पॉन्स टीम भी तैनात की जाएगी।प्रशासन की तैयारियों से साफ है कि इस बार दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने का लक्ष्य तय किया गया है। रांची में प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। अब बारी है आम लोगों की झ कि वे सहयोग करें और पर्व को मिलजुल कर मनाएं।

# लोहरदगा में ब्राउन शुगर का सप्लायर गिरफ्तार, 11 पुड़िया पुलिस ने किया बरामद

संवाददाता । रांची

लोहरदगा : नशा के खिलाफ अभियान में सदर थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस की टीम ने एक युवक को 2.5 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री में संलिप्त है। गिरफ्तार युवक की पहचान शहरी क्षेत्र के पुराना शुक्र बाजार क्षेत्र निवासी बसंत गोस्वामी के पुत्र जीतन गोस्वामी उर्फ सेठी के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में जीतन गोस्वामी ने पुलिस को अपने कई साथियों और ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री के स्रोत के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी है। इस मामले को लेकर सदर थाना में कांड संख्या 179/2025 में एनडीपीएस एक्ट की धारा 17 (ए), 21 (ए), 22 (ए), 29 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आरोपित को शनिवार को जेल भेज दिया गया।गिरफ्तार अपराधी के बारे में

जानकारी देते हुए लोहरदगा एसपी सादिक अनवर रिजवी ने बताया कि उन्हें सूचना प्राप्त मिली थी कि लोहरदगा शहरी क्षेत्र के आसपास कुछ व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की जा रही है। इसी क्रम में शुक्रवार की देर शाम सूचना मिली कि बीएस कालेज के समीप अवैध रूप से ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री होने वाली है। सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई को लेकर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी श्रद्धा केरकेट्टा के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी दल ने देर रात कार्रवाई करते हुए बीएस कालेज मोड़ में छापेमारी की। जिसमें बीएस कालेज मोड़ में एक युवक की गतिविधियां संदिग्ध नजर आई। पुलिस को देखकर वह भागने लगा। जब उसे पकड़ा गया तो, उसने अपना नाम जीतन गोस्वामी उर्फ सेठी बताया। जिसके पास से कुल 11 पुड़िया में 2.5 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया। पूछताछ में उसने पुलिस के समक्ष अपने कई साथियों के नाम बताए हैं। साथ में यह भी जानकारी दी है कि वह ब्राउन शुगर कहां से लेकर आता था। पुलिस इसे बड़ी सफलता मान रही है और लगातार नशा के खिलाफ अभियान जारी रखने की बात कही है। छापेमारी टीम में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी श्रद्धा केरकेट्टा, इंस्पेक्टर सह सदर थाना प्रभारी रत्नेश मोहन ठाकुर, पुलिस अवर निरीक्षक मोहम्मद शारिक खान, पुलिस अवर निरीक्षक रमेश कुमार सिंह, पुलिस अवर निरीक्षक संजय कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक गैलन रजवार, पुलिस अवर निरीक्षक किशोर कुमार दास, हवलदार विजय कुमार शर्मा, तकनीकी शाखा के नीरज कुमार मिश्रा, आरक्षी स्वर्ण साहू, जयमंगल सिंह, कौशल कुमार यादव, ललित उरांव, चालक आरक्षी निर्मल मार्शल मिंज, सत्य किशोर कुमार, मुकेश कुमार शर्मा, महिला आरक्षी श्वेता मालिनी टोप्पो शामिल थीं

# पिठोरिया में गोवंश चोरी का प्रयास , दो गिरफ्तार

संवाददाता । रांची

रांची। पिठौरिया थाना क्षेत्र में लगातार बढ़ रही गोवंश चोरी की घटनाओं के बीच पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। गुरुवार देर रात पिठौरिया चौक पर एक कार से उतरे चार युवकों ने गोवंश चोरी का प्रयास किया, जिसकी पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।सीसीटीवी फुटेज मिलते ही थाना प्रभारी अभय कुमार के नेतृत्व में पुलिस सक्रिय हुई और छानबीन शुरू की। जांच में पता चला कि स्विफ्ट डिजायर (रजिस्ट्रेशन संख्या JH01AD1956) से आए चार लोग चोरी की घटना को अंजाम देने की फिराक में थे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए चार अभियुक्तों में से दो को धर दबोचा। गिरफ्तार अभियुक्तों में वाहिद कुरैशी (35) पिता नईम कुरैशी और समीर कुरैशी (30) पिता खलील कुरैशी शामिल हैं। दोनों निवासी कुरैशी मुहल्ला थाना लोवर बाजार,

रांची वहीं, घटना में शामिल दो अन्य अभियुक्त–मेहबुब अंसारी और साकिब कुरैशी, दोनों निवासी कुरैशी मुहल्ला थाना लोवर बाजार, रांची–फरार बताए जा रहे हैं। चोरी में प्रयुक्त

# बाइक पर निकले SSP राकेश रंजन, दुर्गा पूजा की सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

संवाददाता । रांची

रांची : दुर्गा पूजा के अवसर पर राजधानी रांची की विधि-व्यवस्था को दुरुस्त बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। शनिवार की रात ररढ राकेश रंजन ने खुद मोर्चा संभाला और बाइक पर सवार होकर शहर का जायजा लिया।उनके साथ सिटी एसपी, ट्रैफिक एसपी, सभी डीएसपी और बड़ी संख्या में पुलिस जवान भी बाइक राइड में शामिल रहे। ररढ ने रांची के विभिन्न इलाकों में बने दुर्गा पूजा पंडालों का निरीक्षण किया और पूजा समितियों से बातचीत कर सुरक्षा इंतजामों की जानकारी ली।उन्होंने मौके पर तैनात पुलिस अधिकारियों व जवानों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। ररढ ने कहा कि ह्लजनता को हर हाल में खुद को सुरक्षित महसूस कराना हमारी प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से मैं खुद बाइक से शहर की सुरक्षा व्यवस्था देखने निकला हूं।शांति व सौहार्द बनाए रखने की अपील ररढ राकेश रंजन ने आम नागरिकों से शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में पर्व मनाने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की सांप्रदायिक तनाव फैलाने वाली गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।पुलिस ने दिशा-निर्देश जारी करते हुए लोगों से नियमों का पालन करने और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने पर विशेष जोर दिया है। ररढ ने कहा कि ह्लरांची की गंगा-जमुनी तहजीब को बनाए रखना सबकी जिम्मेदारी है, और शांति भंग करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।दुर्गा पूजा के दौरान पुलिस-प्रशासन की मुस्तैदी और जनता का सहयोग मिलकर राजधानी को सुरक्षित बनाए रखने में अहम भूमिका निभाएंगे।

# झारखण्ड की कृषि मंडियों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता पर पहल के लिए माननीय मंत्री के साथ वार्ता

संवाददाता । रांची

रांची :राज्य की बाजार समितियों का इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, सुरक्षा एवं मंडी में मूलभूत सुविधाओं की कमी से हो रही असुविधा पर झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स ने माननीय कृषि मंत्री श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की से मुलाकात कर, व्यवस्था में सुधार हेतु हस्तक्षेप का आग्रह किया। कृषि मंडियों को अत्याधुनिक स्वरूप देने तथा मंडियों को किसान-व्यापारी हितैषी बनाने के मुद्दे पर माननीय मंत्री के साथ सकारात्मक चर्चा हुई।चैंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने राज्य की बाजार समितियों में व्याप्त असुविधा पर माननीय मंत्री का ध्यानाकर्षित कराते हुए प्रथम चरण में पंडरा कृषि मंडी को आदर्श मंडी के रूप में विकसित कराने की बात कही। यह कहा गया कि मंडियों में मूलभूत सुविधाओं की कमी के कारण न केवल व्यापारियों को बल्कि आम उपभोक्ताओं को भी भारी असुविधा का सामना करना पडता है। मंडियों में सुरक्षा गार्ड की तैनाती नहीं होने से निरंतर होनेवाली चोरी, छिनतई की घटनाओं पर भी चिंता जताई गई।

यह कहा गया कि व्यापारियों द्वारा बार-बार इन समस्याओं को बाजार समिति के सचिव के संज्ञान में लाये जाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।माननीय मंत्री श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की ने प्रतिनिधिमंडल की सभी बातों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए सकारात्मक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। प्रतिनिधिमंडल के आग्रह पर उन्होंने जल्द ही झारखण्ड चेंबर के पदाधिकारियों के साथ पंडरा मंडी का दौरा करने और राज्यभर के खाद्यान्न व्यापारियों के साथ बैठक कर आवश्यक कदम उठाने के लिए आश्वस्त किया।

प्रतिनिधिमंडल में चैंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, राम बांगड, महासचिव रोहित अग्रवाल, सह सचिव नवजोत अलंग, रोहित पोद्दार, कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, रांची चेंबर के अध्यक्ष संजय महुरी, आलू प्याज थोक विक्रेता संघ के अध्यक्ष मदन साहू, सदस्य गणेश अग्रवाल समेत पंडरा कृषि मंडी के कई व्यापारी शामिल थे।

# मौलाना मुफ़्ती सैयद मोहम्मद अफ़्फान मंसूरपुरी जमीयत उलमा उत्तर प्रदेश के नये अध्यक्ष निर्वाचित

- जमीयत उलमा-ए-हिन्द के अध्यक्ष मौलाना महमूद असअद मदनी का भावपूर्ण संबोधन, कहा : पद ज़िम्मेदारी है, दिखावा नहीं

संवाददाता । रांची

देवबंद, 27 सितम्बर 2025:मशहूर तालीमी शहर देवबंद के हिरा गार्डन में जमीयत उलमा उत्तर प्रदेश का एक महत्वपूर्ण अधिवेशन आयोजित हुआ। इस बैठक की अध्यक्षता मौलाना मुफ़्ती अब्दुर्रहमान नोगावा सादात ने की। इसमें प्रांतीय और ज़िला ज़िम्मेदारान, वरिष्ठ उलेमा-ए-किराम और राज्य कार्यकारिणी के सदस्यों की बड़ी संख्या मौजूद रही। इसी अधिवेशन में नए अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों का चुनाव भी सम्पन्न हुआ।इस अवसर पर जमीयत उलमा-ए-हिन्द के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। साथ ही निरीक्षक के तौर पर मौलाना हकीमुद्दीन कासमी (नाज़िमे उमूमी, जमीयत उलमा-ए-हिन्द) और मौलाना मुफ़्ती राशिद आजमी (नायब मोहतमिम, दारुल उलूम देवबंद) मौजूद रहे। इसके अलावा मौलाना मोहम्मद सलमान (नायब सदर, जमीयत उलमा-ए-हिन्द) समेत कई वरिष्ठ उलेमा ने भी शिरकत की।बैठक में सर्वसम्मति से मौलाना मुफ़्ती सैयद मोहम्मद अफ़्फान मंसूरपुरी को जमीयत उलमा उत्तर प्रदेश का नया अध्यक्ष चुना गया। नायबीन सदर के रूप में मौलाना सैयद मोहम्मद

मदनी, मौलाना कलीमुल्लाह खां, मुफ़्ती बिन्यामीन(मुजफ्फरनगर) और प्रोफेसर नुमान शाहजहांपुरी का चुनाव हुआ, जबकि सैयद हसीनअहमद (लखनऊ) को खाज़िन चुना गया, जिसकी मौजूद सदस्यों ने खुशी के साथ तस्दीक की।नव-निर्वाचित अध्यक्ष मौलाना मुफ़्ती मोहम्मद अफ़्फान मंसूरपुरी ने अपने संबोधन में कहा कि यह पद सम्मान से बढ़कर एक बड़ी ज़िम्मेदारी है। ह्लमैं अपने सभी साथियों के साथ मिलकर जमीयत के काम को आगे बढ़ाने और बुज़ुर्गों के मिशन को मजबूती से जारी रखने की पूरी कोशिश करूंगा।मुख्य अतिथि मौलाना महमूद मदनी ने अपने विस्तारपूर्ण भाषण में कहा कि उलेमा की असल ज़िम्मेदारी केवल तालीम या इबादत तक सीमित नहीं है, बल्कि मुसलमानों की रहनुमाई करना उनकी बुनियादी ज़िम्मेदारी है। मौलाना मदनी ने कहा कि जमीयत उलमा-ए-हिन्द दरअसल अकाबिर उलेमा की इसी अमली फि क्र का मजहर है। यह संगठन सिर्फ.एक तंजीम नहीं बल्कि अल्लाह की दी हुई ज़िम्मेदारी का अमली इजहार है, जिसके जरिये ऐसे मुल्क में दीन व मिल्लत की सेवा मुमकिन है जहाँ मुसलमान अल्पसंख्यक हैं।उन्होंने कार्यकताओं को नसीहत की कि ह्लअसल मंज़िल काम और सेवा है, न कि ओहदा। अगर कोई सिर्फ.दुनियावी शोहरत के लिए काम करे तो यह सेवा बे-मायने है, लेकिन अगर मकसद अल्लाह की रजा हो तो यही सेवा हमारे नामे-आमाल को सँवार देती है।मौलाना मदनी ने हजरत थानवी रह. के मफहूम का हवाला देते हुए कहा, ह्लअगर शोहरत भी मकसद है तो खुलूस के साथ काम करो, तभी हकीकी शोहरत मिलती है। अल्लाह के लिए काम करने वाले की मोहब्बत अल्लाह ही लोगों के दिलों में डालता है।उन्होंने तंजीमी ढाँचे को मजबूत करने पर जोर देते हुए कहा कि ह्लअगर मरकज को ताकतवर बनाना है तो रियासती इकाइयों को सक्रिय करना होगा,

## ब्रीफ न्यूज

### मदरसा डिग्री की मान्यता पर गोड्डा में महाबैठक 30 सितम्बर को

संवाददाता । रांची

रांचीः जैक द्वारा दि गई मदरसा आलिम एवं फाजिल डिग्री पर शिक्षा विभाग द्वारा मांगें गये परामर्श पर विधि विभाग द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर की समकक्षता को असंवैधानिक माने जाने पर झारखंड छात्र संघ ने आज दिनांक 27 सितम्बर 2025 को मदरसा इस्लामिया रांची में बैठक कर इसपर कड़ा ऐतराज जताया है, छात्र संघ के अध्यक्ष एस अली ने कहा कि झारखंड सरकार के निर्देश पर ही जैक आलिम फाजिल परीक्षा का आयोजन कर डिग्री दिया है इसे सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश का हवाला देकर जो 05 नवम्बर 2024 को उत्तर प्रदेश मदरसा बोर्ड से जुड़ा है असंवैधानिक कह देना न्याय उचित नही होगा चुकि इसके कारण हजारों छात्रों प्रभावित होगें। शिक्षा विभाग एवं विधि विभाग के गलत निर्णय के खिलाफ 30 सितम्बर 2025 को गोड्डा जिला के महागामा स्थिति दिग्घी मदरसा में महाबैठक का आयोजन किया गया है, जिसमें सरकार से जैक द्वारा वर्ष 2023 दिए गए आलिम एवं फाजिल डिग्री की स्नातक एवं स्नातकोत्तर की समकक्ष मान्यता व वैधानिकता बरकरार रखने, सहायक आचार्य भाषा पद में शामिल आलिम डिग्री वाले अभ्यर्थियों का रिजल्ट देने, फाजिल डिग्री वालों को माध्यमिक आचार्य बहाली में शामिल करने, वर्तमान शैक्षणिक सत्र में ही रांची विश्वविद्यालय से आलिम- फाजिल डिग्री की परीक्षा आयोजन कराने सहित उर्दू शिक्षक एवं भाषा से जुडें मामलों पर चर्च के साथ आंदोलन की रणनीति तैयार किया जाएगा।इस मौके पर मो वसीम, इरशाद आलम, एजाज आलम, मुबारक अंसारी, सुहैब राही, अब्दुल्लाह राचवी, गुलाम मुर्तजा, मो तौसीफ सहित अन्य लोग शामिल थे।

### कल्पना सोरेन ने रांची के संत जेवियर्स स्कूल में आयोजित आर्ट और साइंस एक्सहिबिशन(प्रदर्शनी)में हिस्सा लिया

संवाददाता । रांची

रांची विधायक श्रीमती कल्पना सोरेन ने रांची के संत जेवियर्स स्कूल में आयोजित आर्ट और साइंस एक्सहिबिशन(प्रदर्शनी)में हिस्सा लिया।विधायक ने बच्चों द्वारा बनाई गई रचनात्मक और विज्ञान आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया और उनकी प्रतिभा की सराहना की ।

### शिक्षकों की कमी दूर करने को झारखंड छात्र मोर्चा ने मांडर कॉलेज प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता । रांची

मांडर : झारखंड छात्र मोर्चा मांडर कॉलेज इकाई की ओर से कॉलेज प्राचार्य डॉ. गामा तिग्गा को शनिवार को ज्ञापन सौंपा गया। इसमें कॉलेज में शिक्षकों की भारी कमी, विशेषकर उर्दू और नागपुरी विषयों के शिक्षकों की अनुपलब्धता पर चिंता जताई गई।ज्ञापन सौंपने वालों में निवर्तमान अध्यक्ष मो. हमजा, सचिव शीतल मिंज, उपाध्यक्ष माज अंसारी और कोषाध्यक्ष रॉकी शाह शामिल थे।संगठन ने बताया कि कॉलेज में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर 5200 से अधिक छात्र-छात्राएं नामांकित हैं, जबकि 63 स्वीकृत शिक्षक पदों में से केवल 20 ही कार्यरत हैं। शेष 45 पद रिक्त पड़े रहने से छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।छात्र मोर्चा ने मांग की कि कॉलेज में शिक्षकों की नियुक्ति शीघ्र की जाए, कॉपी जांच से जुड़ी दिक्कतें दूर हों और अन्य व्यवस्थागत समस्याओं का भी समाधान किया जाए।प्राचार्य डॉ. गामा तिग्गा ने ज्ञापन स्वीकार कर छात्रों की मांगों पर गंभीरता से विचार करने और समाधान की दिशा में आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया।

### वरिष्ठ पत्रकार नवेंदु उमेश जी को हिन्दी पत्रकारिता एवं साहित्य के लिए मोमेंटो देकर सम्मानित किया

संवाददता

भाजपा ने आज वरिष्ठ पत्रकार नवेंदु उमेश जी को हिन्दी पत्रकारिता एवं साहित्य के लिए मोमेंटो देकर सम्मानित किया ।इस अवसर पर कई पत्रकारों ने उन्हें बधाई दी है।

### आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि खरीदगी जमीन जिसका खाता संख्या - 8 प्लॉट संख्या -14 कुल रकबा -22 डिसमिल, थाना - खेलारी थाना संख्या - 14 जिला - रांची , वर्तमान अंचल - खेलारी जो मेरे मुवक्किल श्रीमती गुलशन आरा पति ताबे रसूल की खरीदगी जमीन जिसका दाखिल खारिज संख्या - 12 R 27 सन 1981 -82 जो साल दर साल भुगतान करते चली आ रही है जो जिसमें सिर्फ मेरे मुवक्किल का ही अधिकार है जिसके संबंध में एक दीवानी मुकदमा जिसका मुकदमा संख्या - 21 सन 2009 है जो रफीक खान , उनके भाई तथा लड़कों के विरुद्ध लंबित है । अत : कोई व्यक्ति अगर इसकी खरीद बिक्री , ए करारनामा , दान या बंधक करता है तो वह कानूनन अवैध तथा गलत होगा और वह व्यक्ति स्वयं इसके लिए जिम्मेदार होगा ।

**कृष्ण कुमार**
**अधिवक्ता**
ईएनआरएल नः 1629/2000

## डीएवी पब्लिक स्कूल, सिंदरी, धनबाद में नवरात्रि उत्सव का भव्य आयोजन

# बच्चों की ऐसी प्रस्तुतियां विद्यालय की गौरवशाली परंपरा का प्रतीक हैं : प्राचार्य अशोक कुमार सिंह

**धनबाद, संवाददाता**

डीएवी पब्लिक स्कूल, सिंदरी, धनबाद में नवरात्रि के पावन अवसर पर नर्सरी से कक्षा द्वितीय तक के बच्चों के बीच रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियों से हुआ। नर्सरी, एल.के.जी. और यू.के.जी. के बच्चों ने आकर्षक नृत्य एवं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता से सभी का मन मोह लिया।

**यू.के.जी. वर्ग के बच्चों ने नवरात्रि पर सुंदर भाषण प्रस्तुत किया।**

**कक्षा क(अ व इ)** के विद्यार्थियों ने 'ढोलिरा' और 'शुभारंभ' गीतों पर शानदार नृत्य प्रस्तुत किया। (शिक्षिकाएं - गिन्नी कुमारी, नेहा विश्वास)

**कक्षा II (अ)** के बच्चों ने देवी स्तुति के मंत्रों का सुमधुर उच्चारण किया। (शिक्षिका - सरिता कुमारी)

**कक्षा II (इ)** के विद्यार्थियों ने प्रभावशाली अंग्रेजी भाषण प्रस्तुत किया। (शिक्षिका - शताब्दी पॉल)

**कक्षा II (अ व इ)** के विद्यार्थियों ने 'जोगिया तारा' गीत पर नृत्य एवं नवदुर्गा स्वरूप की प्रस्तुति देकर सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। (शिक्षिकाएं - सरिता कुमारी, शताब्दी पॉल)

इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में नवरात्रि के आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि बच्चों की ऐसी प्रस्तुतियां विद्यालय की गौरवशाली परंपरा का प्रतीक हैं। विद्यालय परिसर नवरात्रि गीत, गरबा और डांडिया की गूंज से सराबोर रहा। नन्हे-मुन्ने बच्चों की प्रस्तुतियों ने सभी अभिभावकों, शिक्षकों और अतिथियों के हृदय को आनंद और गर्व से भर दिया। पूरे कार्यक्रम का समापन तालियों की गड़गड़ाहट और उल्लासपूर्ण वातावरण के बीच हुआ। कार्यक्रम में शिक्षिकाओं की सक्रिय भागीदारी ने बच्चों का उत्साह और बढ़ाया। इस अवसर पर मुकेश कुमार तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

## गरबा और डांडिया के बीच श्री अग्रसेन स्कूल में मना नवरात्र महोत्सव

# हमारी सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है नवरात्रि : प्रवीण राजगढ़िया

**रामगढ़, संवाददाता**

श्री अग्रसेन स्कूल भुरकुंडा में शनिवार को डांडिया और गरबा के बीच नवरात्र महोत्सव मनाया गया। आयोजन की शुरूआत स्कूल के निदेशक प्रवीण राजगढ़िया ने मां दुर्गा के नौ रूपों शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री का रूप धरे बच्चों की आरती उतारकर किया। आचार्य लीलेश्वर पांडेय ने मंत्रोच्चार किया। छोटे बच्चे मां दुर्गा, शंकर, गणेश, कार्तिकेय, राम, लक्ष्मण, सरस्वती, हनुमान समेत अन्य देवी-देवताओं का रूप धर महोत्सव में पहुंचे थे। बच्चों ने अपनी प्रस्तुति में मां दुर्गा की उत्पत्ति एवं उनके नौ रूपों समेत महिषासुर वध का मंचन किया। महिषासुर वध के उपरांत सिंदूर खेला का आयोजन हुआ। महोत्सव में धूमन नृत्य आकर्षण का केंद्र रहा।

इस अवसर पर निदेशक प्रवीण राजगढ़िया ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि नवरात्रि हमारी सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है। यह उत्सव न केवल ऊर्जा और उत्साह से भरा होता है, बल्कि यह जीवन में अनुशासन और एकता की भावना भी लाता है। प्राचार्य विवेक प्रधान ने कहा कि पर्व-त्योहार समाज को जोड़ते हैं। दुर्गा पूजा असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है। लाख कठिनाइयों के बावजूद हमें सदैव सत्य का मार्ग चुनना चाहिए। महोत्सव में बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों ने विभिन्न गरबा और डांडिया गीतों पर नृत्य करते हुए आयोजन को यादगार बनाया। महोत्सव का समापन रावण का पुतला दहन के साथ हुआ। मोके पर करुणा राजगढ़िया, राहुल राजगढ़िया, मुख्य रूप से उपस्थित थे। आयोजन को सफल बनाने में मम्पी पॉल, साधना सिन्हा, सोनम खातून, दीपिका तिवारी, श्रीपर्णा गुप्ता, नीलू श्रीवास्तव, दीपशिखा, रीतिका, शालू, ज्योति, कुसुम, अंजलि, मंजू, प्रीति, प्रोन्नति मुखर्जी, रीता राय, सीमा लकड़ा, उषा, अंकित विश्वकर्मा, बसंत कुमार आदि का योगदान रहा।

## भारी बारिश ने गरीब का उजाड़ा आशियाना

**रामगढ़, संवाददाता**

पिछले दिनों लगातार हो रही बारिश के कारण पतरातू प्रखंड के लबगा पंचायत स्थित ग्राम गेगदा के अनिल कच्छप का घर जो मिट्टी का था वह जमीनदोज हो गया। बताया जाता है कि लगातार बारिश के कारण इस गरीब का घर धंस गया। गनीमत यह है कि उस वक्त घर के कोई सदस्य इस घर में मौजूद नहीं थे। अन्यथा बड़ी दुर्घटना घट सकती थी। इस संदर्भ में अनिल कच्छप का कहना है हम गरीब व्यक्ति हैं और हमारा यही आशियाना था। इस तरह से ईश्वर के कहर की मार हम झेल रहे हैं। हमारा घर ध्वस्त हो गया है। अब तो सरकार पर ही उम्मीद है कि हमें जल्द से जल्द घर दिलाने की कृपा की जाए। इसके लिए मुखिया एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी से हमारी गुहार है कि हम गरीब लोगों को देखा जाए। अन्यथा हम लोग कहां रहेंगे यही सोच सोच कर आंखें भर आ रही हैं।

## पीटीपीएस महाविद्यालय में धूमधाम से मनाई गई शहीद-ए-आजम भगत सिंह की 118वीं जयंती

**रामगढ़, संवाददाता**

पीटीपीएस महाविद्यालय परिसर में शनिवार को शहीद-ए-आजम भगत सिंह की 118वीं जयंती बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस मौके पर महाविद्यालय परिवार, छात्र-छात्राओं और स्थानीय लोगों ने एकजुट होकर क्रांतिकारी नायक को याद किया। कार्यक्रम की शुरूआत भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप मुखिया आनंद किशोर महतो तथा संचालन सुबोध कुमार ठाकुर ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित कटिया पंचायत के मुखिया किशोर कुमार महतो ने कहा कि भगत सिंह सिर्फ आजादी के सेनानी नहीं थे, बल्कि युवाओं के लिए विचार और संघर्ष का प्रतीक हैं। आज जब समाज कई चुनौतियों से जूझ रहा है, तब उनके विचार हमें नई राह दिखाते हैं। इस अवसर पर रूटीन इंचार्ज विजय कुमार सिन्हा, प्रो. नन्द कुमार, प्रो शकील अहमद, प्रो. ललन राम, चंद्रचूड़ रॉय और महिला नेत्री सीमा रॉय भी मुख्य रूप से मौजूद रहे। सभी ने अपने वक्तव्य में भगत सिंह के जीवन से प्रेरणा लेने और उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने 'इंकलाब जिंदाबाद' और 'शहीदों अमर रहो' जैसे नारों से परिसर को गुंजायमान किया। छात्र-छात्राएं में मुख्य रूप से राखी कुमारी, शबनम कुमारी, सोनी कुमारी, विशाल कुमार, उज्जवल कुमार, शुभम पांडे, उदय कुमार आदि उपस्थित हुए।

## माता वैष्णों देवी मंदिर में महिलाओं ने की सामूहिक आरती

रामगढ़। शहर के झंडा चौक स्थित माता वैष्णों देवी मंदिर में पूजा करने को लेकर श्रद्धालु भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। सुबह और संध्या आरती में भी भक्त काफी संख्या में शामिल हो रहे हैं। यहां प्रतिदिन प्रात: 9 बजे से पूजा हो रही है। मंदिर के पुजारी पंडित लीलाधर शर्मा द्वारा मुख्य यजमान हर्ष आनंद व उनकी पत्नी निशु आनंद को पूजा कराई जा रही है। 29 सितम्बर को मंदिर परिसर में दरबार सजाकर व ज्योत प्रज्वलित कर संध्या 3 बजे से नवदुर्गा जागरण मंडली रामगढ़ द्वारा माता की चौकी की जाएगी। जिसमें भजन गायक चंदन चौधरी व प्रिया कुमारी माता रानी के एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत कर भक्तों को रिझाएंगे। वहीं 30 सितम्बर को हवन व कंजक पूजन किया जाएगा। एक अक्तूबर को प्रात: 8 बजे से भंडारा का प्रसाद वितरण किया जाएगा। सामुहिक आरती में पंजाबी हिन्दू बिरादरी के अध्यक्ष सुरत चन्द्र वासुदेव, महासचिव महेश मारवाह, वीणा मारवाह, जनक रानी शर्मा, अंजू चड्ढा, संगीता मारवाह, आशा मारवाह, निर्मला खोसला, प्रभा मारवाह, नीता चड्ढा, मंजू कक्कड़, रीता अग्रवाल, सुनीता आनंद, पूनम सोंधी, रजनी बोहरा, प्रवीण सोबती, मीणा मल्होत्रा, स्नेहा मारवाह, रश्मि मारवाह, जया मारवाह, नमिता मारवाह, प्रीति मारवाह, कृतिका, सुषमा शर्मा, रूबी भसीन, सावी मल्होत्रा आदि महिलाएं शामिल थीं।

## दुलमी में संघ के शताब्दी वर्ष में पथ संचलन निकला एवं शस्त्र पूजन किया गया

**दुलमी, संवाददाता**

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ(आरएसएस) के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शताब्दी वर्ष के निमित्त शनिवार को दुलमी खंड में पथ संचलन एवं शस्त्र पूजन कार्यक्रम आरके सिंह उच्च विद्यालय दुलमी में आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य बौद्धिक कर्ता के रुप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघ चालक शत्रुघ्न प्रसाद उपस्थित हुए।पथ संचलन आरके सिंह उच्च विद्यालय से प्रारंभ होकर चटाक,जामसिंघ, दुलमी बाजार होते हुए वापस विद्यालय परिसर में संपन्न हुआ। पथ संचलन के पश्चात शस्त्र पूजन किया गया एवं जिला संघ चालक शत्रुघ्न प्रसाद ने स्वयंसेवकों को बौद्धिक दिया। शत्रुघ्न प्रसाद ने कहा विजयादशमी के दिन ही सन 1925 ई० में संघ की स्थापना हुई थी,इस वर्ष संघ के स्थापना का 100वां वर्ष मनाया जा रहा है। पुरे देश भर में सभी मंडल के ग्राम तथा बस्ती के मोहल्लों में शस्त्र पूजन कार्यक्रम स्वयंसेवकों के द्वारा किया जा रहा है। विजयादशमी के बाद घर घर संपर्क अभियान 5 नवंबर से प्रारंभ होगा तथा संघ के द्वारा निर्धारित पंचप्रण, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, स्वतत्व का भाव जागरण और नागरिक कर्तव्य विषयों पर संघ कार्य कर रहा है। इस कार्यक्रम में जिला संघ के जिला कार्यवाह सुमीत कुमार, सह कार्यवाह अमीत कुमार, दुलमी खंड कार्यवाह अशोक कुमार, चितरपुर खंड कार्यवाह अमरदीप कुमार, गोला खंड कार्यवाह जीतू थानदार सहित अनेकों स्वयं सेवक उपस्थित थे।

## चिन्मय विद्यालय बोकारो में नवरात्रि उत्सव, बच्चों ने प्रस्तुत किए मां दुर्गा के नौ स्वरूप

**बोकारो, संवाददाता**

चिन्मय विद्यालय में नर्सरी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों द्वारा विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें मां दुर्गा के नौ स्वरूपों का मनमोहक और भावपूर्ण नृत्य पूरे भक्ति भाव से प्रस्तुत किया गया। नवरात्रि उत्सव का यह कार्यक्रम भक्ति और उल्लास के माहौल में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य सूरज शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। बच्चों ने नृत्य और नाटक के माध्यम से परंपरा, संस्कृति और शिक्षा का सुंदर समन्वय प्रस्तुत किया। नाटक में भ्रष्टाचार को महिषासुर का प्रतीक बताकर सामाजिक चेतना का संदेश दिया गया, वहीं नृत्य प्रस्तुतियों ने पूरे विद्यालय परिसर को आस्था और शक्ति से भर दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण डांडिया नृत्य रहा, जिसमें प्री-प्राइमरी की शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्राचार्य सूरज शर्मा ने कहा कि नवरात्रि केवल पर्व नहीं, बल्कि शक्ति, भक्ति और संस्कार का संदेश है। उन्होंने विद्यार्थियों को महात्मा गांधी के आदर्शों पर चलने, ईमानदारी और सत्य का पालन करने तथा वरिष्ठ छात्रों को समय प्रबंधन और मेहनत से पढ़ाई करने की सलाह दी। इस अवसर पर चिन्मय मिशन बोकारो की आवासीय आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती, अध्यक्ष बिस्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी सहित सभी पदाधिकारी और शिक्षक मौजूद रहे। सभी ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को दुर्गा पूजा और गांधी जयंती की अग्रिम शुभकामनाएं दीं।

## गोपीनाथपुर ओसीपी कर्मियों ने दुर्गा पूजा बोनस की मांग को लेकर की हड़ताल

**एग्यारकुंडा, संवाददाता**

ईसीएल मुगमा क्षेत्र के गोपीनाथपुर ओसीपी कार्यरत कर्मियों ने दुर्गा पूजा बोनस की मांग को लेकर हड़ताल कर दी है। कर्मियों का कहना है कि वे पिछले दो वर्षों से जीसीपीएल कंपनी के अधीन कार्यरत ठेका कंपनियों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। पिछले वर्ष भी बोनस को लेकर हड़ताल हुई थी, तब कंपनी प्रबंधन ने आश्वासन दिया था कि उत्पादन शुरू होते ही अगले साल से बोनस दिया जाएगा। लेकिन इस वर्ष भी कंपनी की ओर से यही दलील दी जा रही है कि अभी तक उत्पादन शुरू नहीं हो पाया है, इसलिए बोनस का भुगतान संभव नहीं है। इसी सूचना के बाद नाराज कर्मियों ने सभी कार्य ठप कर हड़ताल शुरू कर दी है। जब इस विषय पर कंपनी प्रबंधन से मीडिया ने बात की तो उनका कहना था कि कुछ तकनीकी कारणों से उत्पादन अब तक शुरू नहीं हो पाया है। प्रबंधन का कहना है कि इन समस्याओं के समाधान पर काम किया जा रहा है। वहीं कंपनी के जनरल मैनेजर हैदराबाद दौरे पर हैं और सोमवार तक लौटने की संभावना है। प्रबंधन ने यह भी कहा कि आगे की स्थिति और समाधान पर अंतिम निर्णय जनरल मैनेजर की वापसी के बाद ही लिया जाएगा। फिलहाल, हड़ताल के चलते गोपीनाथपुर ओसीपी का सारा कार्य प्रभावित है और कर्मियों की बोनस की मांग पर टकराव जारी है।

## दो सप्ताह से बाधित है खुदगढ़ा पेयजलापूर्ति, ग्रामीण हो रहे परेशान, नदी से पानी लाने को विवश

**बोकारो, संवाददाता**

गोमिया प्रखंड अंतर्गत हजारी पंचायत के खुदगड्डा-हजारी पेयजल आपूर्ति योजना से विगत दो सप्ताह से पानी स्पलाइ नही होने से आधा दर्जन टोला मुहल्लो मे पानी की घोर किल्लत हो गयी है,पानी ग्रामीणो को कैसे बहाल हो इस पर स्थानीय जन प्रतिनिधि के अलावा गांव के लोग अनजान बने है,ग्रामीणो को पानी कैसे मिले इस पर ना तो जन प्रतिनिधि पहल कर रहे है.ना ही सबंधित अधिकारी ,मजबूर ग्रामीण दुसरे क्षेत्र से साइकिल व माथे मे ढोकर पानी लाकर प्यास बुझा रहे है,सबसे आश्चर्य कि बात यह है कि काफी लबें समय से पानी सुचारु रुप से संचालित नही हो रहा है,वर्तमान समय मे दूर्गा पूजा को लेकर ग्रामीण साफ सफाई मे जुटे हैं ,वही पानी की किल्लत से पूजा मे भारी कठिनाइयों का सामना करना पड रहा है,पानी सप्लाई हजारी, खुदगड्डा, खुदगड्डा नयी बस्ती, अमंबाटोला, गरिवाडीह, सुइयां डीह, प्रजापति टोला, नायक टोला आदि जगहों मे पानी स्पलाइ बंद है,पानी स्पलाइ बंद होने पर पेयजल आपूर्ति विभाग से जुडे कर्मचारियों ने कहा हमलोगों को काफी लम्बे समय से मासिक मिलने वाली मेहनताना नहीं मिल रहा है, जिससे हमारे घरों का चूल्हा बंद होने के कगार पर है, कर्मचारियों ने बताया कि दुर्गा पूजा के मौके पर भी हम लोगों को मासिक मेहनताना नहीं मिला हैं, कर्मचारी नागेश्वर यादव ने कहा की पिछले डेढ़ साल से मासिक मेहनताना नहीं दिया गया है, जिससे हम सबों की स्थिति बड़ से बदत्तर हो गई है, माकपा नेता कामरेड भोला स्वर्णकार ने कहा कि कर्मचारियों को मेहनताना नहीं मिलने और जल कर बकाया होने की वजह से पानी बाधित है।

## नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया

**धनबाद, संवाददाता**

स्वच्छता ही सेवा और स्वस्थ नारी सशक्त परिवार-2025 अभियान के तहत, एचयूआरएल सिंदरी द्वारा छातांड़ गाँव के पंचायत भवन में एक निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस नेक पहल में, महिलाओं और बच्चों सहित 250 से अधिक ग्रामीणों ने एशियन जालान सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के डॉक्टरों और हमारे समर्पित HURL चिकित्सा अधिकारियों द्वारा संचालित स्वास्थ्य जांच सेवाओं का लाभ उठाया। महिलाओं को और अधिक सशक्त बनाने और जागरूकता पैदा करने के लिए, डॉक्टरों द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य और स्वच्छता पर विशेष संवादात्मक सत्र आयोजित किए गए, जिन्हें प्रतिभागियों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। अभियान के तहत, घर पर एक स्वस्थ और स्वच्छ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए महिलाओं के बीच सैनिटरी नैपकिन, हैंडवॉश और आयरन की गोलियां भी वितरित की गईं। इस आयोजन की कुछ झलकियाँ आप सभी के साथ साझा कर रहा हूँ।

## बीएसएल विस्तारीकरण हेतु बोकारो वासियों ने प्रधानमंत्री को भेजा पोस्टकार्डों का पहला खेप

### बीजीएच को सुपरस्पेशलिटी बनाने का भी किया मांग

**मुख्य डाकघर के पोस्टमास्टर को सौंपा गया हजारों पोस्टकार्ड**

**बोकारो, संवाददाता**

बोकारो स्टील प्लांट के स्थागित विस्तारीकरण को प्रारंभ करने और बोकारो जेनरल अस्पताल को सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल बनाने की मांग को लेकर सेक्टर 2 मुख्य डाकघर से हजारों हस्ताक्षरित पोस्टकार्ड का पहला खेप प्रधानमंत्री को भेजा गया। इन पोस्टकार्डों को प्रथम विस्थापित जो बीएसएल में इंजीनियर के रूप में योगदान देकर डीजीएम से सेवानिवृत्त हुए प्रदुमन प्रसाद साव सहित अनेक प्रमुख समाज सेवियों की उपस्थिति में मुख्य डाकघर के पोस्टमास्टर श्री रामचन्द्र उराँव को सौंपा गया। ये पोस्टकार्ड कुमार अमित के नेतृत्व में इन माँगों के समर्थन में चलाए जा रहे महाहस्ताक्षर अभियान के तहत बोकारो के हर वर्ग के लोगों के द्वारा लिखा जा रहा है। इस अवसर पर सभी ने एक स्वर में इस विस्तारीकरण को बोकारो के लिए अत्यंत आवश्यक बताते हुए इस परियोजना को प्रारंभ होने तक इस अभियान को जारी रखने की बात कही। कुमार अमित ने बताया इन पोस्टकार्डों का अगला खेप दुर्गा पूजा के बाद प्रधानमंत्री को भेजा जाएगा।

मुख्य डाकघर के डाकपाल श्री रामचन्द्र उराँव ने बताया कि इस अभियान ने समाज में पोस्टकार्ड की प्रासंगिकता को पुनः जीवन्त कर दिया। नई पिढी को पोस्टकार्ड से परिचित होने का मौका मिल रहा है। इस अवसर पर विस्थापित नेता अब्दुल अख़्तर रब, शिव कुमार प्रसाद, शंकरलाल गोप, मजदूर नेता अरविंद सिंह, शशि कान्त, सफाई कर्मचारी संघ के राकेश राम, कृष्णा कालिन्दी, बैंकर्स एसोसिएशन के सिद्धनारायण दास, अधिवक्ता संघ के अमरदीप झा, समाजसेवी धनन्जय चौबे, द्वारिकानाथ मुन्ना, अजय सिंह, योगेन्द्र कुमार, इन्द्रजीत सिंह, अनुज कुमार , रितेश तिवारी, लालबाबू, चंद्रप्रकाश, करण गोराई, प्रकाश प्रमाणिक, प्रिंशु सिंह, संतोष पंडित, विजय सिंह, शैलेश यादव, शंकर प्रसाद, राहुल आदि उपस्थित थे।

## गोमिया में स्वावलंबी सहकारी समिति की वार्षिक आम सभा, मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने किया उद्घाटन

**बोकारो, संवाददाता**

गोमिया प्रखंड के कुन्दा पंचायत स्थित जागेश्वर सामुदायिक भवन में आजीविका संकुल संगठन स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड की वार्षिक आम सभा का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ पेयजल एवं स्वच्छता विभाग तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने दीप प्रज्वलित कर किया। संगठन की महिलाओं ने मंत्री का पारंपरिक रीति-रिवाज और फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया। आम सभा में संगठन द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा हुई। मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने महिलाओं की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सक्रिय भागीदारी से न केवल परिवार आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं, बल्कि समाज में आत्मनिर्भरता और विकास की नई दिशा भी स्थापित हो रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को स्वरोजगार और प्रशिक्षण के साथ आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। आने वाले दिनों में और योजनाएं लागू की जाएंगी, ताकि हर महिला आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बन सके। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं एवं स्थानीय प्रतिनिधि मौजूद रहे।

# कोचा गांव में रंग लाई समुदाय आधारित योजना, ग्रामीण विकास मंत्री ने सफल मॉडल को हर गांव तक पहुंचाने की कही बात

संवाददाता

**खूंटी**। तोरपा प्रखंड का कोचा गांव अब क्लाइमेट स्मार्ट गांव के रूप में पहचाना जाएगा। ग्रामीण विकास मंत्री ने मंगलवार को यहां समुदाय आधारित क्लाइमेट स्मार्ट विलेज योजना का उद्घाटन किया। इस अवसर पर गांव को कई सौर ऊर्जा आधारित सुविधाओं और प्रोसेसिंग यूनिट्स की सौगात दी गई।

कोचा गांव के 110 परिवार अब सोलर लाइट और पंखे से रोशन हो चुके हैं। सौर ऊर्जा की उपलब्धता से गांव को बिजली कटौती की समस्या से मुक्ति मिल गई है। इसके साथ ही सोलर संचालित लिफ्ट इरिगेशन सिस्टम भी शुरू किया गया, जिससे किसानों को सिंचाई में सहूलियत होगी। गांव में धान से चावल बनाने की प्रोसेसिंग यूनिट, लाह प्रोसेसिंग यूनिट, सरसों तेल उत्पादन इकाई समेत कई वनोत्पादों से जुड़ी यूनिट की स्थापना की गई है। इन इकाइयों के जरिए महिला समूह और युवा किसान आर्थिक रूप से सशक्त होंगे। एफपीओ (फार्मर्स प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन) के माध्यम से इन उत्पादों की मार्केटिंग की जाएगी, जिससे गांव के लोगों को स्थानीय स्तर पर ही रोजगार और आय के अवसर मिलेंगे।ग्रामीणों का मानना है कि इन योजनाओं से अब कोचा गांव से पलायन की समस्या रुकेगी। महिलाएं भी रोजगार पाकर आत्मनिर्भर हो रही हैं। गांव की महिलाओं ने बताया कि अब जीवन में सकारात्मक बदलाव नजर आ रहा है। कार्यक्रम में तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि ग्रामीण विकास मंत्री के प्रयासों से खूंटी में विकास की रफ्तार तेज हुई है। उन्होंने कहा कि कोचा गांव की तस्वीर बदलने में सबसे बड़ा योगदान यहां की महिलाओं का है। उन्होंने न केवल नशाबंदी लागू की, बल्कि गांव को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

# लातेहार के कुकू गांव के लोग खतरों से कर रहे गुजर

संवाददाता

**लातेहार**। सरयू प्रखंड अंतर्गत कुकू गांव के ग्रामीणों और बच्चों की जिंदगी रोजाना खतरे के साए में गुजर रही है। गांव से स्कूल या बाजार जाने के लिए नदी पार करना अनिवार्य है, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि नदी पर बना पुल पिछले 10 वर्षों से जर्जर पड़ा है। ऐसे में बच्चों को पढ़ाई के लिए और ग्रामीणों को रोजमर्रा के कामकाज के लिए टूटे पुल से होकर गुजरना पड़ता है।

**पहली बारिश में बह गया था पुल**

ग्रामीणों के अनुसार, वर्ष 2012 में तत्कालीन उपायुक्त राहुल पुरवार की पहल पर सरयू एक्शन प्लान के तहत सड़क और पुल का निर्माण कराया गया था। मगर तेज बहाव की पहली ही बारिश में पुल ध्वस्त हो गया। इसके बाद से अब तक उसकी मरम्मत या पुनर्निर्माण नहीं हुआ। नतीजतन सैकड़ों लोग मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। स्थानीय ग्रामीण रघुवर सिंह और प्रमिला देवी बताते हैं कि इस समस्या को लेकर कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से गुहार लगाई गई, लेकिन आज तक समाधान नहीं हुआ।

कुकू गांव के बच्चों को पढ़ाई के लिए पीरी गांव जाना पड़ता है। नदी पर पुल न होने के कारण कभी उन्हें पानी में उतरकर तो कभी टूटे पुल के अवशेषों पर चढ़कर नदी पार करनी पड़ती है। बरसात में यह खतरा और बढ़ जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि जब बच्चे साइकिल पर टूटे पुल से गुजरते हैं, तो देखने वालों की सांसें थम जाती हैं।

**रोजगार और खेती पर भी असर**

ग्रामीणों का कहना है कि पुल बनने से एक दर्जन से अधिक गांवों को लाभ मिलेगा। कुकू क्षेत्र में बड़ी मात्रा में खेती होती है, लेकिन कनेक्टिविटी की कमी के कारण ग्रामीण अपने उत्पाद बाजार तक नहीं पहुंचा पाते। ऐसे में खेती पर भी विपरीत असर पड़ा है।

सरयू प्रखंड की प्रखंड विकास पदाधिकारी आशा साहू ने बताया कि जिले में जरूरत के अनुसार पुल-पुलिया की सूची तैयार की गई है और कुकू नदी पर पुल निर्माण के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। संभावना है कि जल्द ही यहां नया पुल बनाकर ग्रामीणों की समस्या का समाधान किया जाएगा।

# आज होगी भगवान विश्वकर्मा की पूजा रांची समेत पूरे प्रदेश में तैयारियां पूरी

संवाददाता

**रांची**। शिल्पकारों के आराध्य देव भगवान विश्वकर्मा की पूजा बुधवार को धूमधाम से की जाएगी। पूजा को लेकर राजधानी रांची समेत पूरे प्रदेश में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस दिन शाम 5:19 बजे कन्या संक्रांति है। संक्रांति का पुण्य काल छह घंटे 24 मिनट पहले से शुरू हो जाता है, जिसके कारण इसी दिन पूजा का आयोजन किया जा रहा है। संयोग से आज इंदिरा एकादशी भी है। मंगलवार को दिनभर बाजारों में पूजा सामग्री, फल, प्रसाद, गाड़ियों की सजावट के सामान और मिठाइयों की खरीदारी के लिए भारी भीड़ रही। होटलों में बुंदिया और लड्डू की खूब बिक्री हुई। कई पूजा समितियों ने भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा मूर्तिकारों से जयकारों

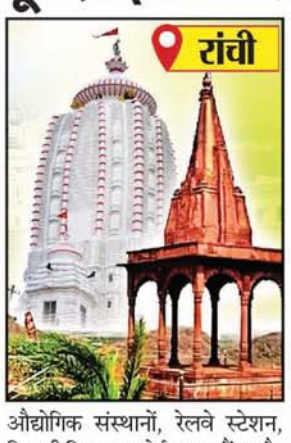


के बीच पंडालों तक पहुंचाई। पूजा का आयोजन राजधानी के सभी औद्योगिक संस्थानों, रेलवे स्टेशन, बिजली ग्रिड, एयरपोर्ट, बस स्टैंड और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भी किया जाएगा। इसके अलावा लोग अपने घरों और कार्यस्थलों पर भी भगवान विश्वकर्मा की आराधना करेंगे।

प्रमुख पूजा स्थल और विशेष आयोजन

श्री जगतगुरु विश्वकर्मा मंदिर, मेन रोडः यहां 1930 से पूजा हो रही है। इस वर्ष 95वां वर्ष है। सुबह 10 बजे पंडित राजाराम शास्त्री पूजा कराएंगे। दोपहर 1 बजे इस्कॉन मंदिर द्वारा भजन-कीर्तन, 2:30 बजे महाभंडारा और प्रसाद वितरण तथा शाम 4 बजे से भजन संध्या होगी।

श्री विश्वकर्मा मंदिर, मधुकम चुन्ना भट्टा, रातू रोडः प्रातः 8 बजे से पूजा-अर्चना शुरू होगी। शाम 4 बजे खिचड़ी और खीर का वितरण किया जाएगा।

विश्वकर्मा जीवन कल्याण समिति, चटकपुरः सुबह 10 बजे प्रतिमा स्थापना और पूजा के बाद प्रसाद वितरण होगा। शाम 7 बजे पंडाल का उद्घाटन और जागरण का आयोजन होगा। 18 सितंबर को दिन 11 बजे से भंडारा और शाम में शोभायात्रा के साथ प्रतिमा विसर्जन किया जाएगा।

पूजा आयोजनों में मंत्री, सांसद, विधायक और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

# दो पक्षों में मारपीट व छिनतई प्राथमिकियां

संवाददाता

**जसीडीह**। जसीडीह थाना क्षेत्र के रोहिणी परमेश्वर चौक के पास दो पक्षों के बीच मारपीट व छिनतई की घटना हुई। घटना के संबंध में दोनों पक्षों ने थाने में अलग-अलग आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करायी है। पहले पक्ष के पीड़ित रोहिणी केवट टोला निवासी कन्हैया कापरी ने कहा है कि उसके भाई विक्रम कापरी रविवार की शाम को परमेश्वर चौक पर मछली बेच रहा था। इसी क्रम में दशरथ कापरी, दयानंद कापरी,गौरीशंकर कापरी, त्रिवेणी कापरी, अजय कापरी, नितेश कापरी, निरज कापरी मिलकर आये और गाली-गलौज देते हुए मछली बेचने से मना करने लगा। इसका विरोध पीड़ित ने किया, तो सभी ने लाठी, रड व भुजाली से उस पर हमला कर दिया। इससे वह घायल हो कर अपने घर भाग गया, जहां पर उक्त सभी आरोपी आकर पीड़ित व उसके परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट करने लगा। इसके बाद 30 हजार रुपये छीन लिये। वही दूसरे पक्ष से पीड़ित दशरथ केवट ने कहा है कि वह रविवार की शाम को मछली बेच कर घर जा रहा था। इसी क्रम में उक्त स्थान पर विकास कापरी, कन्हैया कापरी व प्रदीप कापरी ने रोका और पुराने विवाद को लेकर गाली देने लगा। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट कर घायल कर दिया। हो हल्ला करने पर उसे बचाने पीड़ित के पिता आया तो उसके साथ भी मारपीट करने लगा। इसके बाद पीड़ित के पैकेट से 2000 रुपये छीन लिये। घटना को लेकर पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर मामले की छानबीन में जुटी हुई हैं।

# बालू माफिया का दुस्साहस, जब्त ट्रैक्टर से कुचलकर चौकीदार को मारने की कोशिश

संवाददाता

**चतरा**। जिले में बालू माफियाओं का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। हंटरगंज प्रखंड में अवैध बालू परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करने गई सीओ की टीम पर बालू माफियाओं ने जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में सीओ के बॉडीगार्ड एवं चौकीदार गंभीर रूप से घायल हो गए।

**जब्त ट्रैक्टर से कुचलने की कोशिश**

सूत्रों के अनुसार, हंटरगंज सीओ ऋतिक कुमार को सूचना मिली थी कि खूंटीकेवाल इमलियाटांड़ इलाके में अवैध रूप से बालू लदा ट्रैक्टर जा रहा है। सीओ ने ट्रैक्टर जब्त कर थाना लाने का निर्देश दिया और अपने बॉडीगार्ड चौकीदार योगेंद्र कुमार को ट्रैक्टर पर बिठा दिया। इस दौरान ट्रैक्टर मालिक सह चालक ने जानबूझकर गाड़ी को तेज और बेकाबू तरीके से चलाना शुरू कर दिया। इसी क्रम में चौकीदार संतुलन खोकर सड़क पर गिर गए और ट्रैक्टर के ट्रॉली का टायर उनके दोनों पैरों पर चढ़ गया। इसके बाद ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया और चालक मौके से फरार हो गया।

**गंभीर हालत में रांची रेफर**

स्थानीय लोगों की मदद से घायल चौकीदार को सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया। योगेंद्र कुमार चतरा सदर थाना क्षेत्र के सिन्दूवारी बधार गांव के रहने वाले बताए जाते हैं।

**पुलिस ने जब्त किया ट्रैक्टर, आरोपी की तलाश तेज**

थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया कि चौकीदार को घायल करने वाले ट्रैक्टर मालिक की पहचान कर ली गई है। वह खुद ही ट्रैक्टर चला रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

**सीओ पर लापरवाही का आरोप**

इधर, चौकीदार संघ ने इस घटना को लेकर हंटरगंज के अंचलाधिकारी पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। संघ ने हमलावर वाहन मालिक की अविलंब गिरफ्तारी और घायल चौकीदार के समुचित इलाज की व्यवस्था की मांग जिला प्रशासन से की है।

# अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो की मौत

संवाददाता

**बिहारशरीफ**। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगो की मौत हो गई। बताया जाता है कि गिरियक-राजगीर मुख्य मार्ग पर वाटर पार्क के समीप हुए सड़क हादसें में गिरियक थाना क्षेत्र के रैतर पंचायत स्थित तारापुर गांव निवासी धर्मेंद्र कुमार (45) की मौके पर ही मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार धर्मेंद्र कुमार किसी काम से जा रहे थे, तभी विपरीत दिशा से तेज रफ्तार में आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार ठोकर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक धर्मेंद्र कुमार अपने पीछे दो पुत्र और तीन पुत्रियों सहित पूरा परिवार छोड़ गए हैं। वे परिवार के इकलौते कमाऊ सदस्य थे। हादसे की खबर मिलते ही गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलते ही राजगीर थाना प्रभारी रमन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। **वहीं दूसरी घटना** वेन थाना क्षेत्र के वेन बाजार में मंगलवार सुबह ऑटो और स्कूटी की आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो पलट गई।हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान वेन थाना क्षेत्र के नोहसा गांव निवासी 55 वर्षीय मिथिलेश पासवान, पिता मुनेश्वर पासवान के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि मिथिलेश पासवान अपनी पत्नी के साथ ऑटो से गांव लौट रहे थे। इसी दौरान वेन बाजार के पास सामने से आ रही एक स्कूटी ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। घटना की जानकारी मिलते ही वेन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेज दिया।

# विद्युत करंट से किसान की मौत

संवाददाता

**कई दिनों से खेत में गिरा हुआ था तार, दोषियों पर कार्रवाई की मांग**

**बिहारशरीफ**। छबीलापुर थाना क्षेत्र के लोदीपुर धनु बीघा गांव में सोमवार की शाम करंट की चपेट में आने से एक किसान की मौत हो गई। मृतक की पहचान 57 वर्षीय बेचन रविदास, पिता स्वर्गीय विलास रविदास, निवासी लोदीपुर धनु बीघा के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक सोमवार की शाम बेचन रविदास अपनी पत्नी कालो देवी के साथ खेत में धान की मोरी पटाने गए थे। इसी दौरान खेत में पहले से गिरा 440 वोल्ट का तार उनके संपर्क में आ गया। करंट लगते ही बेचन जमीन पर गिर पड़े और गंभीर रूप से झुलस गए। पत्नी के शोर मचाने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उन्हें तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने स्थिति गंभीर देखते हुए राजगीर रेफर कर दिया, जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर छबीलापुर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेज दिया। गांव वालों ने बताया कि बिजली विभाग की लापरवाही के कारण ही यह घटना घटी है। लोगों का कहना है कि तार कई दिनों से खेत में गिरा हुआ था, जिसकी सूचना कई बार दी गई थी, लेकिन समय पर सुधार नहीं किया गया। ग्रामीणों ने दोषी कर्मियों पर कार्रवाई और मृतक के परिवार को मुआवजा देने की मांग की है।

# सच्चिदानन्द सिन्हा महाविद्यालय में हिंदी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

**औरंगाबाद**। सच्चिदानन्द सिन्हा महाविद्यालय के हिंदी विभाग में मंगलवार को हिंदी दिवस के अवसर पर एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलन से हुआ। समारोह की अध्यक्षता गणित विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष शिवपूजन सिंह ने की, जबकि मंच संचालन हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक अनूप कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों ने हिंदी भाषा के महत्व, उसकी समृद्धि और उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा की। छात्रों ने हिंदी की प्रसिद्ध कविताओं का पाठ कर अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया तथा हिंदी भाषा के महत्व पर अपने विचार रखे। विभागाध्यक्ष सह बर्सर डॉ. अरविंद कुमार ने अपने संबोधन में हिंदी को राष्ट्र की आत्मा बताते हुए इसकी बढ़ती उपयोगिता और वैश्विक स्वीकार्यता पर प्रकाश डाला। समारोह में शामिल अतिथियों ने भी अपनी-अपनी प्रस्तुतियों से छात्रों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण के साथ हुआ, जबकि धन्यवाद ज्ञापन उर्दू विभाग के सहायक प्राध्यापक मोहम्मद राशिद ने किया। इस मौके पर डॉ. कमलेश कुमार सिंह, ओझा सर, सूभोजीत मंडल, डॉ. संजीव रंजन, चर्चित साहित्यकार धनंजय जयपुरी, हिमांशु चक्रपानी, पूर्व बर्सर संतोष सुमन, प्रेम शंकर गोंद, अनुज बेचैन, सिद्धेश्वर सिंह, डॉ. श्रुति, विभीषण कुमार, मंजीत कुमार, ओमप्रकाश कुमार, नीरज कुमार, छोटे लाल यादव, कौशल किशोर, शशि कांत कुमार, डॉ. किरण कुमारी, कंचन पटेल, मनोज कुमार सिंह (लेखापाल), प्रवीण दुबे, राजेश मिश्रा, अंशु कुमारी, निशा सिन्हा, नेहा आर्या, पप्पू सिंह, सरोज सिंह, अंकित सिंह, शिवकुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-छात्र मौजूद रहे। हिंदी दिवस समारोह ने महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण में हिंदी भाषा के प्रति नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया।

# जीएसटी सुधार से सभी वर्ग को मिलेगा फायदा

संवाददाता

**रफीगंज (औरंगाबाद)**। रफीगंज शहर के जैन धर्मशाला में जीएसटी में सुधार एवं इससे व्यवसायियों एवं आम आवाम को तथा देश के अर्थव्यवस्था पर सकारात्मकता पर राष्ट्रीय अध्यक्ष व्यापार एवं उद्योग भारत सरकार सुनील सांघी की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कारगिल शहीद गैस एजेंसी के एवं क्षेत्रीय प्रभारी शिवदयाल गुप्ता संचालन प्रदेश प्रवक्ता जितेंद्र गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में स्थानीय व्यवसायियों ने पूर्व सांसद शुशील कुमार सिंह,पूर्व विधायक, विधान पार्षद दिलीप कुमार सिंह, एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सांघी का स्वागत फूल माला एवं बुके देकर किया। पूर्व सांसद ने कहा कि भारत में जीएसटी टैक्स कम किये जाने आम आवाम को काफी फायदा मिलेगा। साथ ही 12 लाख तक आय वाले मध्य वर्गीय को इनकम टैक्स के दायरे से बाहर रखा गया है। इन्होंने कहा कि कहीं भी कुछ होता है तो विपक्षी कहते हैं कि कहां गया 56 इंच का सीना एक तरफ अमेरिका ने

टैक्स बढ़ाया इधर हमारे प्रधानमंत्री ने जीएसटी टैक्स को घटा कर भारत की जनता को फायदा दिया हैं वहीं अर्थव्यवस्था को भी पंख लगेगा। स्वदेशी अपनाने पर इन्होंने बल दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उन ऐतिहासिक, दूरदर्शी एवं जन कल्याणकारी आर्थिक सुधारों के लिए हार्दिक आभार प्रकट किया किया। जिन्होंने भारत को एक सशक्त, आत्मनिर्भर एवं समावेशी अर्थव्यवस्था के पथ पर अग्रसर किया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, सरल एवं न्यायसंगत बनाया गया है। इन सुधारों से व्यापारियों को सुविधा, उपभोक्ताओं को लाभ तथा राज्यों को समुचित राजस्व सुनिश्चित हुआ है।मध्यम वर्ग को राहत प्रदान करने हेतु 12 लाख तक की वार्षिक आय को करमुक्त करने का निर्णय एक ऐतिहासिक एवं साहसिक कदम है। इससे करोड़ों परिवारों को आर्थिक सुरक्षा एवं क्रय शक्ति प्राप्त हुई है। स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन देने और स्थानीय उद्योगों व लघु उद्यमों को सशक्त बनाने की नीति ने आत्मनिर्भरता की भावना को सुदृढ़ किया है। इससे राष्ट्रीय गौरव की भावना और 'बोकल फॉर लोकल' का संकल्प जन-जन तक पहुंचा है। प्रधानमंत्री को उनके दूरदर्शी नेतृत्व, साहसिक निर्णयों एवं राष्ट्रहित में किए गए ऐतिहासिक सुधारों के लिए हार्दिक धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया जाए। इन सुधारों को जन-जन तक पहुंचाने हेतु देशव्यापी जागरुकता अभियान चलाया जाए। नागरिकों को इन नीतियों का लाभ उठाने तथा' हरघर स्वदेशी' के संकल्प को सशक्त बनाने हेतु प्रेरित किया जाए। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत आज आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रगति की नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है। यह प्रस्ताव राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान के प्रति सम्मान, कृतज्ञता एवं अटूट समर्थन की सामूहिक अभिव्यक्ति है। पूर्व विधायक एवं विधान पार्षद ने जीएसटी टैक्स घटाने पर फायदा गिनाया।उपस्थित लोगों को हांथ उठाकर अपने जीवन में स्वदेशी सामग्री का उपयोग करने का संकल्प कराया। इस मौके पर भाजपा वरिष्ठ नेता विनय कुमार सिंह, दीनानाथ विश्वकर्मा,जदयू प्रखण्ड सह बीस सूत्रीय अध्यक्ष सुनील कुमार वर्मा,भाजपा नगर अध्यक्ष सह बीस सूत्री उपाध्यक्ष संतोष कुमार साहू, कासमा मंडल अध्यक्ष मनोज कुमार यादव, भदवा मंडल अध्यक्ष रामकुमार सिंह ,ग्रामीण मंडल अध्यक्ष बबलू सिंह, महामंत्री शिवनारायण साहू, चंदन कुमार, जिला मीडिया प्रभारी मितेंद्र सिंह, राणा विवेक सिंह, शुभम सिंह, शंकर शौंडिक,अनिल जैन, संजय चौरसिया,संगीता प्रसाद, अरुण कुमार सिंह, उदय सिंह, अशोक प्रसाद, कौशल चंद्रवंशी, रोहित कुमार, संजीत कुमार, संजय यादव, महेंद्र प्रसाद सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

# खाद के लिए किसानों ने की मारपीट

संवाददाता

**औरंगाबाद**। यूरिया खाद को लेकर मचा हाहाकार अब विकराल रूप धारण कर लिया है। महज चार बोरी यूरिया के लिए अन्नदाता एक-दूसरे के खून के प्यासे हो रहे हैं। औरंगाबाद बिस्कोमान भवन के बाहर का नजारा सरकारी दावों की पोल खोल रहा था, जहां सुबह से भूखे, प्यासे कतार में हजारों लोग कतार में खड़े थे। इसी क्रम में किसानों का सब्र का बांध टूट गया और वे आपस में ही भिड़ गए। इस क्रम में जमकर मारपीट हुई लेकिन प्रशासन मूकदर्शक बना रही। बता दें कि धान की फसल में सोहनी के बाद यूरिया की तत्काल आवश्यकता होती है परंतु जिले के किसी भी प्रखंड में खाद उपलब्ध नहीं है। डीलर हाथ खड़े कर चुके हैं और जहां चोरी-छिपे मिल भी रही है, वहां ब्लैक में मुंहमांगी कीमत वसूली जा रही है। अपनी सालों भर की मेहनत और रोजी-रोटी बचाने की जद्दोजहद में हजारों की संख्या में महिला और पुरुष किसान बिस्कोमान भवन पहुंचे थे। सुबह से लगी लंबी कतारें, अव्यवस्था का आलम और खाद न मिलने की आशंका ने माहौल को विस्फोटक बना दिया। इतने में कतार में लगे किसान आपस में ही उलझ पड़े और स्थिति मारपीट तक पहुंच गई। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इतनी बड़ी भीड़ के बावजूद सुरक्षा का कोई पुख्ता इंतजाम नहीं था। इधर किसानों के बीच हुई इस झड़प ने जिले की प्रशासनिक विफलता और सरकार की लापरवाही को उजागर कर दिया है। घटना पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता आलोक सिह ने सीधे तौर पर डीएम, जिला कृषि पदाधिकारी और जिला सहकारिता पदाधिकारी को जिम्मेदार ठहराया है। जब धान की खेती में यूरिया की जरूरत थी तो कृषि विभाग समय पर आपूर्ति सुनिश्चित क्यों नहीं कर सका। यदि विभाग विफल रहा तो जिले के नोडल पदाधिकारी होने के नाते डीएम ने किसानों के हित में कदम क्यों नहीं उठाए। उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए पूछा कि आखिर यूरिया की ब्लैक मार्केटिंग कैसे हो रही है। क्या ऊंचे दामों पर खाद बेचने वाले दुकानदारों को पदाधिकारियों का संरक्षण प्राप्त है।

न मिलने की आशंका ने माहौल को विस्फोटक बना दिया। इतने में कतार में लगे किसान आपस में ही उलझ पड़े और स्थिति मारपीट तक पहुंच गई। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इतनी बड़ी भीड़ के बावजूद सुरक्षा का कोई पुख्ता इंतजाम नहीं था। इधर किसानों के बीच हुई इस झड़प ने जिले की प्रशासनिक विफलता और सरकार की लापरवाही को उजागर कर दिया है। घटना पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता आलोक सिह ने सीधे तौर पर डीएम, जिला कृषि पदाधिकारी और जिला सहकारिता पदाधिकारी को जिम्मेदार ठहराया है। जब धान की खेती में यूरिया की जरूरत थी तो कृषि विभाग समय पर आपूर्ति सुनिश्चित क्यों नहीं कर

# जहानाबाद से तेजस्वी यादव ने शुरू की बिहार अधिकार यात्रा, कहा – 'यह बेरोजगार युवाओं की लड़ाई'

संवाददाता

**जहानाबाद**। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने जहानाबाद के गांधी मैदान से अपनी बहुचर्चित बिहार अधिकार यात्रा की शुरुआत की। इस मौके पर पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने मौजूदा सरकार पर जमकर हमला बोला। तेजस्वी यादव ने कहा कि यह यात्रा बेरोजगार युवाओं की लड़ाई है। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि आने वाला समय परिवर्तन का है, हमें मिलकर इस नकलची सरकार को उखाड़ फेंकना है। अगर आप हमें मौका देंगे तो हमारी सरकार बिहार को भ्रष्टाचार और अपराध मुक्त बनाएगी। कोई भी अपराधी या गड़बड़ी करने वाला हो, उसे सजा जरूर दिलाई जाएगी। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में साफ कहा कि वे अनुशासनप्रिय राजनीति में विश्वास रखते हैं और अपराधियों के खिलाफ किसी भी जाति या धर्म का भेदभाव नहीं किया जाएगा। तेजस्वी ने नीतीश सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि आज की सरकार सिर्फ

हमारी बातों की नकल करती है, लेकिन काम करने की नीयत और क्षमता नहीं रखती। भीड़ में मौजूद महिलाओं को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने वादा किया कि यदि उनकी सरकार बनती है तो 'माई बहिन योजना' के तहत महिलाओं को प्रतिमाह 2500 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। उन्होंने युवाओं को भी आश्वस्त किया कि रोजगार सृजन उनकी प्राथमिकता होगी। तेजस्वी ने 2020 विधानसभा चुनाव की याद दिलाते हुए कहा कि इसी गांधी मैदान से मैंने युवाओं को नौकरी देने का वादा किया था। तब हमारे विरोधियों ने कहा था कि पैसा कहां से आएगा? क्या अपने पिता के पास से लाकर लोगों को वेतन देंगे? लेकिन आज बिहार की जनता जान चुकी है कि असल विकल्प कौन है। गांधी मैदान में उमड़ी भीड़ और गूंजते नारों से माहौल पूरी तरह चुनावी रंग में डूब गया। जैसा कि ज्ञात हो तेजस्वी की अधिकार यात्रा 16 से 20 सितंबर तक बिहार के कई जिलों में जाएगी, जिसका मकसद जनता के बीच सरकार की नीतियों के खिलाफ माहौल तैयार करना और विपक्ष को मजबूत करना है।

# डीसी ने इवीएम वीवीपैट वेयर हाउस का किया निरीक्षण

संवाददाता

**जामताड़ा**। डीसी रवि आनंद ने मंगलवार को समाहरणालय परिसर स्थित इवीएम-वीवीपैट वेयर हाउस का का त्रैमासिक निरीक्षण किया। उन्होंने इवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस की सुरक्षा, सीसीटीवी कैमरे, परिसर की साफ-सफाई आदि की जानकारी आधिकारियों से ली। अधिकारियों को विभिन्न बिंदुओं पर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उल्लेखनीय है कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रत्येक माह (बाहर) एवं त्रि- मासिक (अंदर) वेयर हाउस की स्थिति का निरीक्षण करना होता है। जांच प्रतिवेदन मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग को भेजा जाता है। मौके पर अपर समाहर्ता पूनम कच्छप, उप निर्वाचन पदाधिकारी विजय कुमार, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी सत्य प्रकाश सहित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

# बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं आउटडोर खेल

**जब से कंप्यूटर आया है, तब से बाहर जाकर खेलने की तो जैसे फुरसत ही नहीं मिलती तुम बच्चों को। पर क्या तुम जानते हो कि आउटडोर खेल तुम्हारे संपूर्ण विकास के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। क्या खेलोगे, किसके साथ और कब...यह सब आज हम तुम्हें बता रहे हैं।**

घर के बाहर जाकर खेलने के काफी फायदे हैं। तुम अपने दोस्तों के और करीब आते हो, टीमवर्क समझ आता है और तुम खूब बढ़ते हो। आउटडोर खेल ऐसे नहीं होते जिन्हें सर्दी-गर्मी के हिसाब से खेला जाए। तुम किसी भी खेल को कभी भी खेल सकते हो। बैडमिंटन, फुटबॉल, क्रिकेट के अलावा कई पारंपरिक खेल भी खेल सकते हो।

### ट्रेजर आइलैंड

डोरेमॉन में तुमने इसका नाम सुना होगा। वहां जाकर नोबिता और उसके दोस्त मस्ती करते हैं। लेकिन हम जिस ट्रेजर आइलैंड की बात कर रहे हैं, उसे अलग-अलग जगहों पर कई तरह के नामों से जाना जाता है। इस गेम में दो टीम बनानी होती हैं। इसमें पहली टीम किसी भी चीज को खजाना बना कर छुपा देती है। फिर पहली टीम, दूसरी टीम के लिए क्लू बनाती है। उन क्लूज को फॉलो करते हुए उस खजाने तक पहुंचना होता है। इसमें तुम टाइमिंग भी शामिल कर सकते हो। जो भी टीम खजाने को ढूंढने में सफल हो जाती है, वह जीती हुई मानी जाती है।

### छुपन-छुपाई

यह खेल सबसे पुराना है। तुम्हारे मम्मी-पापा ने भी इसे बचपन में जरूर खेला होगा। इसमें खूब सारे बच्चे एक साथ इकट्ठे होते हैं। एक बच्चे को डेन चुना जाता है। डेन चुनने के लिए तुम अक्कड़-बक्कड़ का सहारा ले सकते हो। फिर बाकी बचे सभी बच्चे अलग-अलग जगहों पर छुप जाते हैं और डेन उन्हें ढूंढता है। जिस बच्चे को वह सबसे पहले ढूंढ़ लेता है, अगली बार उसे ही डेन बनना होता है। लेकिन एक को ढूंढने से ही काम नहीं चलता। उसे सभी को ढूंढना होता है। अगर कोई छुपा बच्चा पीछे से जाकर उसे धप्पा कर दे तो डेन को फिर दोबारा डेन बनना होता है।

### स्टापू

इस खेल में जमीन में चौकोर बॉक्सेज डिजाइन कर दिए जाते हैं। फिर इनमें एक से दस तक गिनती लिखी जाती है। हर बच्चा एक-एक करके दस खानों में स्टापू फेंकता है। लंगड़ी करते हुए उस पत्थर तक पहुंचना होता है और उसे पैर से खिसकाते हुए वापस लाना होता है। इस गेम से ब्रीदिंग प्रैक्टिस होती है और हमारे पैर बेहद मजबूत होते हैं।

### स्पाइंग गेम्स

ये चोर-पुलिस की तरह का गेम होता है। इसमें दो टीम होती हैं। एक टीम चोर बनती है तो दूसरी पुलिस। पुलिस वाली टीम चोर वाली टीम को खोज कर उसे कैद करती है।

### क्रिकेट

इसका जन्म इंग्लैंड में हुआ था। क्रिकेट के पहले क्लब की स्थापना 1787 में हुई थी और पहला टैस्ट मैच 1877 में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच मेलबर्न में खेला गया था। शुरुआत में क्रिकेट में टैस्ट मैच ही खेला जाता था, वनडे मैच की शुरुआत 1971 में हुई। पहला वनडे मैच भी इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच ही खेला गया था। तुमने आईसीसी का नाम तो जरूर सुना होगा। आईसीसी का पूरा नाम इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल है। जितने भी अंतरराष्ट्रीय मैच होते हैं, सभी की रूपरेखा आईसीसी निर्धारित करती है और वर्ल्ड कप का आयोजन करती है। अब तक क्रिकेट का वर्ल्ड कप सबसे ज्यादा पांच बार ऑस्ट्रेलिया ने जीता है, वहीं भारत दो बार विश्व विजेता बना है।

### हॉकी

हमारे देश भारत का राष्ट्रीय खेल हॉकी है। ब्लैकहीथ एबी एंड क्लब को हॉकी का पहला संगठित क्लब माना जाता है। इसकी स्थापना 1861 में हुई थी। हॉकी का पहला इंटरनेशनल मैच 1895 में वेल्स और इंग्लैंड के बीच खेला गया था और पहला वर्ल्ड कप 1971 में पाकिस्तान और स्पेन के बीच खेला गया था, जिसमें पाकिस्तान ने खिताब अपने नाम किया था। जानते हो, ओलंपिक में सबसे ज्यादा आठ बार भारत ने हॉकी का मैच जीता है।

### फुटबॉल

तुममें से काफी बच्चों को फुटबॉल खेलना पसंद होगा। जानते हो इस खेल का जन्मदाता भी इंग्लैंड ही है। भारत में अंग्रेज इस खेल को लाए और यहां के लोगों को खेलना सिखाया। फुटबॉल का पहला क्लब 1857 में स्थापित किया गया। इसका नाम शेफील्ड फुटबॉल क्लब था। फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा है। फुटबॉल का पहला वर्ल्ड कप वर्ष 1930 में उरुग्वे और अर्जेंटीना के बीच खेला गया था, जिसमें उरुग्वे विजेता घोषित किया गया।

### टेबल टेनिस

इस खेल का जन्म भी इंग्लैंड में ही हुआ था। वर्ष 1926 में इंटरनेशनल टेबल टेनिस एसोसिएशन की स्थापना हुई।

इसका पहला वर्ल्ड चैंपियनशिप मैच 1927 में खेला गया।

### वॉलीबॉल

वॉलीबॉल का जन्मदाता यूएसए है। 1895 में इसकी शुरुआत हुई। वॉलीबॉल की प्रमुख संस्था इंटरनेशनल वॉलीबॉल फेडरेशन की स्थापना 1948 में हुई और पहला वर्ल्ड कप 1949 में हुआ। तो तुम भी खेलो इसे दोस्तों के साथ।

### बास्केटबॉल

इस खेल का जन्म अमेरिका में हुआ था। 1891 में जेम्स नेस्मिथ नामक अमेरिकी ने इसे खेलना शुरू किया। पहला मैच 1930 में खेला गया। बास्केटबॉल की सर्वोच्च संस्था फेडरेशन इंटरनेशनल डे बॉस्केटबॉल एसोसिएशन 1932 में बनी।

### पिट्ठू

इस खेल में भी दो टीमें होती हैं। एक टीम पत्थरों से बने पिरामिड को बॉल से तोड़ती है और फिर से उस पिरामिड को बनाने की कोशिश करती है, जबकि दूसरी टीम पिरामिड बनाने वाली टीम के सदस्य को बॉल मार कर आउट करने की कोशिश करती है।

### बैडमिंटन

ऐसा माना जाता है कि बैडमिंटन की शुरुआत भी इंग्लैंड में हुई। इसकी प्रमुख संस्था इंटरनेशनल बैडमिंटन फेडरेशन का गठन 1934 में किया गया।

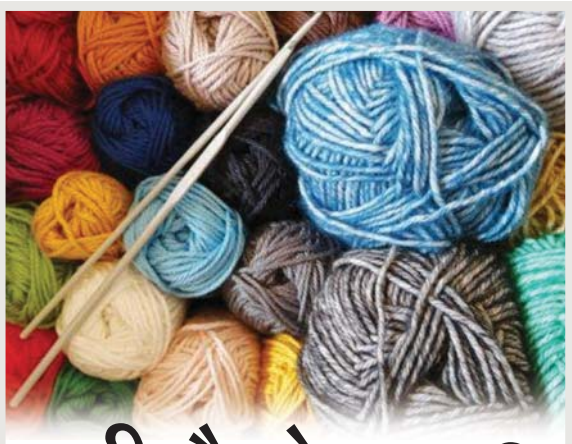

## बनी कैसे ऊन?

दोस्तों, क्या तुमने कभी यह सोचा है कि जिस ऊन का स्वेटर पहन हम सर्दी से बचते हैं, वह बनी कैसे? जरूर वो इंसान बहुत ही बुद्धिमान होगा, जिसने भेड़ को देखकर उससे ऊन बनाने के प्रयोग करने के बारे में सोचा होगा। यह माना जाता है कि बुनने के लिए ऊन का ही सर्वप्रथम उपयोग प्रारंभ हुआ। ऊनी वस्त्रों के टुकड़े मिस्त्र बैबिलोन की कब्रों, पुरातन ब्रिटेन निवासियों के झोपड़ों के साथ मिले हैं। रोमन आक्रमण से पहले भी ब्रिटेन वासी इनका उपयोग करते थे। विंचेस्टर फैक्टरी ने ऊन का तरह-तरह से इस्तेमाल करना शुरू किया। इसके बाद इसका इंग्लैंड में खूब प्रयोग किया जाने लगा। हेनरी द्वितीय ने कानून, वस्त्रहाट और बुनकारी संघ बनाकर इस उद्योग को प्रोत्साहित किया। सन् 1788 में हार्टफोर्ड (अमेरिका) में जल-शक्ति-चालित ऊन फैक्टरी आरंभ हुई। ऊन सफेद, काले और भूरे रंग में ही मिलती है। पालतू भेड़ों की ऊन सफेद रंग की होती है। रंगीन ऊन सबसे अधिक पुरानी नस्ल की उन भेड़ों से मिली है, जो कालीन बुनने लायक मोटे किस्म की ऊन पैदा करती हैं।

## ये होंगे फायदे

आउटडोर गेम्स से हमें कई नए दोस्त मिलते हैं, जो हमारे घर के आसपास रहते हैं और जिनसे स्कूल आने-जाने, होमवर्क और इनडोर गेम्स में बिजी रहने की वजह से हम मिल नहीं पाते। इसके अलावा, बाहर निकल कर खेलने से पढ़ाई और आसपास की तमाम दूसरी चीजों के बारे में सीख सकते हो। सबसे बड़ा फायदा तो यह है कि आउटडोर गेम्स से तुम्हारा शरीर चुस्त रहेगा, भूख ज्यादा लगेगी और तुम बीमार भी नहीं पड़ोगे। इन गेम्स में कई ऐसे गेम्स भी हैं, जिनमें एक्सपर्ट होने पर तुम उस गेम की डिस्ट्रिक्ट, स्टेट और नेशनल टीम में चुने जा सकते हो, जैसे बैडमिंटन, कबड्डी, खो-खो, बास्केटबॉल। आउटडोर गेम्स से एक बेहतर कॅरियर भी मिल सकता है।

# नीदरलैंड में है दुनिया का पहला माइक्रोब जू

**नीदरलैंड की राजधानी एम्सटर्डम में दुनिया का पहला माइक्रोब जू यानी सूक्ष्म जीव 'वाटिका' खुला है। माइक्रोपिया नामक इस जीव-जंतु वाटिका को शहर के उस जंतु पार्क 'आर्टिस' में खोला गया है जिसकी स्थापना 176 साल पहले हुई थी। यह दुनिया की सबसे पुरानी जीव-जंतु वाटिकाओं में से एक है।**

140 वर्ष पुरानी इमारत में रखा एक खूबसूरत भूरे रंग का बक्सा बैक्टीरिया, फंगस, काई तथा अन्य एक कोशिका वाले जीवों का आवास है। ये वे जीव हैं जिन्हें नंगी आंखों से देखा नहीं जा सकता परंतु धरती पर जीवन इनसे ही संभव है। वैज्ञानिकों का विश्वास है कि सूक्ष्म जीवों में से केवल 1 प्रतिशत के बारे में ही आज तक इंसान जान सका है। कई लोगों के लिए सूक्ष्म जीव नफरत व भय की भावनाएं पैदा करते हैं। दरअसल, यह डर उस चीज से है जिसके बारे में उन्हें ज्यादा जानकारी नहीं है और लोगों के मन से सूक्ष्म जीवों के बारे में इसी डर को दूर करना इस जीव-जंतु वाटिका का पहला मकसद है। हेग कहते हैं कि यदि हम प्रकृति को जानना चाहते हैं तो हमें सूक्ष्म जीवों को भी जानना होगा। वैज्ञानिकों के अनुसार इंसान इन सूक्ष्म जीवों से बेशक नफरत करता हो लेकिन हर इंसान का शरीर अरबों सूक्ष्म जीवों का घर होता है। केवल इंसानों की एड़ी में ही 80 प्रकार के अलग-अलग सूक्ष्म जीव पाए जाते हैं। इस बात की पुष्टि के लिए यहां आने वाला हर व्यक्ति अपने शरीर का बॉडी स्कैन करवा कर देख सकता है।

चाहें तो यहां एक अन्य दिलचस्प तरीका भी है। एक जगह फर्श पर लाल रंग का दिल बना है। जैसे ही यहां खड़े होकर कोई जोड़ा एक-दूसरे का चुम्बन लेता है, करीब लगे 'किस' मीटर की स्क्रीन पर नम्बर बढ़ते जाते हैं, जब तक कि मीटर में से संदेश न आने लगे कि 'आप दोनों ने अभी 10 लाख सूक्ष्म जीवों का आदान-प्रदान किया है।' माइक्रोपिया में दिखाया जाता है कि सूक्ष्म जीव कैसे जीते हैं, कैसे भोजन करते हैं और कैसे प्रजनन करते हैं? बैक्टीरिया इतने छोटे होते हैं कि एक सूई की नोक पर 10 लाख बैक्टीरिया आराम से समा सकते हैं। उच्च विश्वविद्यालय के सूक्ष्म जीव विज्ञानी इन धारणाओं पर 12 साल से अधिक वक्त से माथापच्ची कर रहे हैं।

यहां उन सूक्ष्म जीवों को प्रदर्शित किया गया है जो कृत्रिम वातावरण में भी जीवित रह सकते हैं। खतरनाक बीमारियां फैलाने वाले एड्स वायरस जैसे सूक्ष्म जीवों को केवल मॉडल के रूप में प्रदर्शित किया गया है। सूक्ष्म जीवों को देखने के लिए यहां माइक्रोस्कोप के लैंस के साथ जोड़ा गया एक थ्री डी टैलीस्कोप है, जो नंगी आंखों से न दिखने वाले सूक्ष्म जीवों को हजार गुणा बड़ा करके दिखाता है।

## इनका रखो ध्यान

- आउटडोर गेम्स के साथ इतनी सारी अच्छी बातें जुड़ी हैं, लेकिन फिर भी कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। इन बातों का ख्याल रखने पर ही आउटडोर गेम्स खेल कर भी तुम पढ़ाई को और परिवार को पूरा टाइम दे सकते हो।
- सबसे पहले तो खेलने के लिए ऐसी जगह चुनो, जो घर के आसपास हो, यानी जहां से घर वाले तुम्हें आवाज देकर बुला सकें। अगर आसपास खेलने की जगह नहीं है तो अपने पड़ोस के दोस्तों के साथ करीब की किसी जगह पर खेलने जा सकते हो, लेकिन रोज नहीं। और इस जगह के बारे में घर वालों को पता भी होना चाहिए।
- ऐसे दोस्तों के साथ खेलना शुरू करो, जिन्हें तुम पहचानते हो या जो तुम्हारे ही जैसे हों। बाहर खेलने का यह मतलब नहीं है कि तुम इनडोर गेम्स को पूरी तरह गुडबाय कह दो, क्योंकि एक तो इनसे भी तुम्हें काफी कुछ सीखने को मिलता है, दूसरे आउटडोर गेम्स रोज नहीं खेले जा सकते।
- ज्यादातर ऐसे गेम्स के लिए टीम की जरूरत पडम्ती है और कभी-कभी दोस्तों का बाहर आकर खेलने का मन नहीं होता। अगर इन सारी बातों का ध्यान रखोगे तो तुम्हें आडटडोर गेम्स के बहाने एक नई दुनिया देखने को मिलेगी। नए दोस्त बनेंगे, फिजिकल फिटनेस रहेगी और कई सारी नई बातें भी सीख सकोगे। तो फिर देर किस बात की है, तुम अपने आसपास के दोस्तों के साथ मिल कर गेम प्लान करो और खेलने के लिए तैयार हो जाओ।

# इन टिप्स को फॉलो करके बढ़ाएं अपना कॉन्फिडेंस

**आमतौर पर कई लोगों को दूसरे व्यक्ति से बात करने में काफी झिझक होती है। वे लोग सामने वाले व्यक्ति से बात करने के लिए काफी सोचते हैं कैसे बात करें। अगर आप भी इन्हीं में से हैं तो आप इन टिप्स को फॉलों करें।**

जब कॉन्फिडेंस की कमी हो तो आपकी पर्सनैलटी काफी कमजोर दिखाई देती है। अगर आप भी किसी दूसरे व्यक्ति से बात करने के दौरान झिझकतें है तो यह अच्छा नहीं है। वहीं किसी से बात करते समय झिझकना आपकी पर्सनैलिटी पर बुरा प्रभाव डल देता है। आज हम इस लेख में आपको बताएंगे कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं जिन्हें आप फॉलो करते अपनी व्यक्तित्व में निखार ला सकते हैं।

## सेल्फ टॉक करें

जब आप दूसरे से बात करते समय काफी झिझकते हैं, तो आप इसके लिए सेल्फ टॉक करने की आदत डालें। रोजाना शीशे में खुद से बात करें। ऐसा करने से आपको कॉन्फिडेंस बढ़ेगा और झिझक दूर होगी। कई बार होता है कि किसी से बात करें तो डरे नहीं और सहज रहने की कोशिश करें, क्योंकि डरने से हमारा कॉन्फिडेंस लेवल डाउन हो जाता है।

## ज्ञान रखना जरुरी

आप हमेशा याद रखें कि जितना ज्ञान होगा उतना ही जुबान चलती है। हो सके ज्ञान हासिल करने का प्रयास करें। क्योंकि इससे बोलने के अंदाज में निखार आता है और हम आसानी से अपनी बात सामने वाले के समाने रख पाते हैं।

# जर्मनी को बेस्ट एजुकेशन डेस्टिनेशन के तौर पर देख रहे हैं दुनिया भर के छात्र

**जर्मनी तेजी से दुनिया भर के छात्रों की पहली पसंद बनता जा रहा है। जर्मनी में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर दिया जाता है। इससे दुनिया भर के छात्र बेस्ट एजुकेशन डेस्टिनेशन के तौर पर जर्मनी को देख रहे हैं। साल दर साल के हिसाब से जर्मनी में भारतीय छात्रों की संख्या 7 फीसदी के हिसाब से बढ़ रही है। जर्मनी की ओर आकर्षित होने के कई कारण हैं जिनमें से कुछ हायर एजुकेशन की कम फीस, पढ़ने के बाद आसानी से वर्क परमिट मिलना आधि शामिल हैं। देश की नीति भी छात्रों के हित में रहती है। इससे जर्मनी पहुंचने वाले विदेशी छात्रों की संख्या में और बढ़ोतरी हुई है।**

## एचडब्ल्यूके फेलोशिप

एचडब्ल्यूके स्कॉलरशिप काफी योग्य वैज्ञानिकों को दी जाती है। फेलोशिप प्रॉजेक्ट के आधार पर जर्मनी में पढ़ने के लिए रेग्युलेर फेलोशिप और जूनियर फेलोशिप तीन और 10 महीने के लिए दी जाती है।

## मैनहीम यूनिवर्सिटी डॉचलैंड स्कॉलरशिप

यह स्कॉलरशिप मैनहीम यूनिवर्सिटी द्वारा शुरू की गई है। यह मेरिट आधारित स्कॉलरशिप है। ग्रैजुएशन, पोस्ट ग्रैजुएशन आदि की पढ़ाई करने वाले छात्र इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। करीब 24,000 रुपये हर महीने स्कॉलरशिप के तौर पर मिलते हैं।

## जीएसएलएस फेलोशिप, विर्जवर्ग यूनिवर्सिटी, जर्मनी

तीन सालों के लिए यह फेलोशिप विर्जवर्ग यूनिवर्सिटी, जर्मनी द्वारा पीएचडी फेलोज को दी जाती है। इस स्कॉलरशिप के लिए लाइफ साइंस के किसी भी विषय में डिग्री जरूरी होनी चाहिए। इस फेलोशिप में हर साल करीब 4 लाख रुपये रिसर्च के खर्च, यात्रा आदि पर खर्च के लिए दिए जाते हैं।

## साइंस और इंजिनियरिंग में डीएएडी इंटर्नशिप

इस इंटर्नशिप के साथ जर्मनी में मौजूदा रिसर्च परियोजनाओं के हिस्से के तौर पर डॉक्टोरल स्टूडेंट्स, साइंटिस्ट्स या प्रफेसरों के साथ काम करने का मौका मिलता है। मैथमेटिक्स, इंजिनियरिंग और साइंस के स्टूडेंट फाइनल इयर में या उससे पहले साल में इन इंटर्नशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसमें ट्रैवल अलाउंस के तौर पर हर महीने में करीब 50 हजार रुपये मिलता है।

## हमबोल्ड्ट रिसर्च ट्रैक स्कॉलरशिप

यह स्कॉलरशिप उन पीएचडी आवेदकों के लिए हैं जो जर्मनी में पढ़ना चाहते हैं। किसी भी डिसिप्लिन में मास्टर डिग्री धारक इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। इसमें 6 महीने तक करीब 63 हजार रुपये तक मिलते हैं। करीब 32 हजार रुपये हर महीने चुने हुए स्कॉलर के बच्चों के खर्च के लिए दिए जाते हैं।

## बोहरिंगर इंगेलहिम फोंड्स पीएचडी फेलोशिप

भारत के जूनियर साइंटिस्ट बायॉमेडिकल रिसर्च के लिए इस स्कॉलरशिप का फायदा उठा कते हैं। वे जर्मनी के हायर एजुकेशन इंस्टिट्यूट में पीएचडी कर सकते हैं। स्कॉलरशिप के तहत साइंटिफिक रिसर्च और लैब/फील्ड एक्सपेरिमेंट्स के लिए फंड दिया जाता है। इस स्कॉलरशिप के तहत करीब 1.20 लाख रुपये मासिक भत्ता, करीब 12 हजार रुपये अनुसंधान भर्ता और 24 महीने की अवधि के लिए पत्नी और बच्चों के अन्य भत्ते दिए जाते हैं।

## आइंस्टाइन फेलोशिप, जर्मनी

आइंस्टाइन फोरम और डैमर ऐंड बेंज फाउंडेशन भारत के ह्यूमैनिटीज, सोशल साइसेंज या नैचरल साइसेंज के छात्रों को ये फेलोशिप देता है। फेलोशिप के तहत छात्रों को मासिक भत्ता और रिसर्च फंड मिलता है। इस फेलोशिप के लिए छात्रों के पास पीएचडी डिग्री होना जरूरी नहीं है। इस फेलोशिप में करीब 8 लाख रुपये स्टाइपेंड एक ही बार दिया जाता है। इसके अलावा 5-6 महीनों के लिए यात्रा का रीइम्बर्समेंट और आवास की सुविधा मुहैया कराई जाती है।

# यूपीएससी के बेहतर विकल्प हो सकते हैं ये करियर

**यूपीएससी परीक्षा लगभग हर भारतीय छात्रों की पहली च्वॉइस होती है। हालांकि, इसमें सफलता पाना बहुत कठिन होता है। कई छात्र तैयारी तो करते हैं, लेकिन कुछ अंक से पीछे रह जाते हैं। यही नहीं, कुछ छात्र लगातार असफलता पाने के बाद इतने निराश हो जाते हैं कि वो डिप्रेशन का शिकार तक होने लगते हैं। हालांकि, ये जरूरी नहीं कि आप आईएस नहीं बन पा रहे हैं, तो आप कुछ भी नहीं कर सकते हैं।**

यूपीएससी की तैयारी करने वाले असफल हो रहे छात्र इसके अलावा भी करियर विकल्प को सिलेक्ट कर सकते हैं। अगर आप यूपीएससी की तैयारी कर रहे हैं और उसमें सक्सेस नहीं हो पा रहे हैं, तो आपके लिए नौकरियों के अन्य विकल्प भी हैं, जिनमें आप अपना करियर बना सकते हैं। यहां कुछ विकल्प दिए गए हैं, जो आपके लिए काम के हो सकते हैं।

## शिक्षा क्षेत्र में सरकारी या गैर सरकारी नौकरी

अगर आप यूपीएससी की परीक्षा में हर बार चुक जा रहे हैं, तो आपको निराश होने की जरूरत नहीं है। आप अपने करियर के लिए अन्य विकल्प भी चुन सकते हैं। आप एक शिक्षक भी बन सकते हैं। आप अपना कोचिंग सेंटर भी चला सकते हैं। आप चाहें तो ऑनलाइन क्लासेस भी ले सकते हैं।

## पुलिस सेवाएं

अगर आप यूपीएससी की परीक्षा में लगातार फेल हो रहे हैं, तो आपको निराश होने की जरूरत नहीं है। आप इसके अलावा पुलिस में भर्ती होकर भी देश की सेवा कर सकते हैं। परीक्षा के लिए आपको थोड़ा बहुत सेट प्रैक्टिस और जनरल नॉलेज से जुड़ी चीजों को पढ़ना होगा।

## आर्मी में भर्ती

यूपीएससी की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए आर्मी में नौकरी पाना थोड़ा आसान हो सकता है, क्योंकि इसके सिलेबस यूपीएससी की अपेक्षा थोड़े आसान होते हैं। ऐसे में, आप सेना में भर्ती होकर देश की सेवा कर सकते हैं।

## पत्रकारिता में करियर

अगर आप यूपीएससी की तैयारी करके अब हार मान चुके हैं, तो भी आपको बहुत ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप इसके बाद भी अपने करियर में नया मोड़ ला सकते हैं। चूंकि यूपीएससी की पढ़ाई करने वाले छात्रों के पास बहुत नॉलेज होती है। ऐसे में, आप पत्रकार बन सकते हैं। पत्रकार को हर तरह से नॉलेजबल होना जरूरी होता है। पत्रकारिता का कोर्स करके आप समाचार पत्रों या न्यूज़ चैनलों में काम कर सकते हैं।

# भारत में इंजीनियरिंग करने के बाद क्यों नहीं मिल रही नौकरी?

**हर साल हजारों की तादाद में छात्र इंजीनियरिंग की डिग्री लेकर कॉलेज से पास आउट होते हैं। इंजीनियरिंग की पढ़ाई कोई आसान नहीं होती। हालांकि, इतना कुछ करने के बाद भी कई लोग ऐसे हैं जिन्हें नौकरी नहीं मिलती हैं। चलिए जानते हैं आखिर क्यों भारत में इंजीनियरिंग करने वाले छात्रों को नौकरी के लिए भटकना पड़ रहा है।**

आंकड़ों के अनुसार 3.5 लाख से 4 लाख इंजीनियर प्रति वर्ष इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल करते हैं। ऑर्गनाइज्ड रिक्रूटमेंट के आंकड़े बताते हैं कि इनमें से लगभग 1.5 लाख को जॉब मिल जाता है वहीं बाकी के छात्रों को जॉब के लिए काफी भटकना पड़ता है। ऐसे में इन छात्रों को काफी दिक्कतों का सामना करना होता है। कई छात्र नौकरी ना मिलने पर अपनी फिल्ड भी चेंज कर लेते हैं। इस फिल्ड में आने वाले अधिकांश बच्चों के साथ ऐसा होता है। खासकर ज्यादा दिक्कत उन लोगों को आती हैं जिनके पास अनुभव नहीं होता है। कई छात्र को सालों तक इंटर्नशिप करना होता है। सालों तक इंटर्नशिप करने के बाद भी जरूरी नहीं की प्राइवेट कंपनी आपको नौकरी दे ही देगी। कम पद होने के कारण कंपनी अगर आपको हायर करती हैं तो वह काफी कम सैलरी देते हैं। कंपनी योग्यता से ज्यादा पैकेज देखती हैं जो व्यक्ति कम सैलरी पर राजी हो जाता है कंपनी उनको ही हायर करने का सोचती हैं। कई रिपोर्ट्स में कहा गया है कि- इंजीनियर की बाढ़ को देखते हुए अब कंपनी ने अपना रिक्रूटमेंट पैटर्न को बदल दिया है। इतना ही नहीं उनका यह भी कहना है कि आजकल के छात्र कम मेहनत में ज्यादा सैलरी चाहते हैं। जो कि बिलकुल भी संभव नहीं हैं। वहीं कई एचआर का कहना है कि कैंडिडेट इंटरव्यू तक क्लियर नहीं कर पाते हैं।

इंजीनियरिंग क्यों है नौकरी छोड़ने पर मजबूर बता दें कि एक जमाने में सभी छात्र इंजीनियरिंग करने की चाह रखते हैं। हालांकि, अब देखें तो इंजीनियरिंग के छात्र भी अपनी नौकरी छोड़कर दूसरे फिल्ड में जाने का सोच रहे हैं। ऐसे में कई बड़े कॉलेज को भी इससे असर हुआ है। एडमिशन ना होने को कारण कई कॉलेज पर ताला तक लग चुका है।

## इंजीनियर को नौकरी ना मिलने का कारण

- इंजीनियरों की अधिक आपूर्ति
- उद्योग-प्रासंगिक कौशल का अभाव
- सॉफ्ट स्किल का अभाव
- प्रतिकूल आर्थिक स्थितियां

ऐसे कई कारण हैं जिनकी वजह से भारत में इंजीनियरिंग छात्रों को बेरोजगारी का सामना करना पड़ रहा है। यहां जानिए कुछ सामान्य कारण -

- सरकारों को कौशल विकास कार्यक्रम प्रारंभ करना चाहिए।
- उद्यमिता को बढ़ावा देना जरूरी है।
- इंजीनियरिंग शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होना चाहिए।

# टाइगर ऑफ स्काई की गौरवपूर्ण विदाई

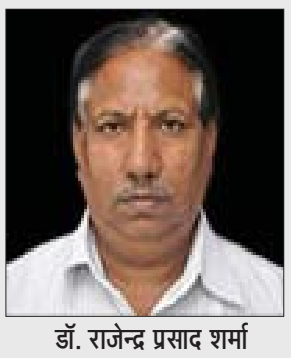

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

**मिग-21 सुपर सोनिक फाइटर विमान का निर्माण सोवियत रूस द्वारा 1950 के दशक के दौरान आरंभ किया और मिग की पहली उड़ान 1955 में हुई। 1962 के युद्ध के अनुभवों के कारण भारत को अपनी वायुसेना को मजबूत बनाने की आवश्यकता महसूस हुई।**

चण्डीगढ़ के एयरबेस से मिग-21 की आखरी उड़ान के साथ मिग की विदाई केवल एक सुपरसोनिक फाइटर की विदाई नहीं है अपितु भारतीय वायु सेना के फाइटर बेडे से मिग की गौरवशाली अतीत की विदाई है। अपनी गति, शक्ति और मारक क्षमता के कारण नाम से ही दुश्मनों में दहसत बनाने वाले मिग-21 अपनी यात्रा के 62 वर्ष पूरे कर विदा हो रहा है। 1962 के युद्ध के कटु अनुभवों के बाद भारत ने अन्य विकल्प होते हुए भी सोवियत रुस के मिग-21 को प्राथमिकता दी। 1963 में चण्डीगढ़ में ही मिग ने भारतीय वायु सेना में प्रवेश किया और 26 सितंबर, 2025 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व सेनाप्रमुखों के बीच औपचारिक विदाई ली है। स्क्वाड्रनलीडर प्रिया सिंह ने अंतिम उड़ान भर कर मिग-21 को शानदार-यादगार विदाई दी। मिग-21 का 1965, 1971, करगिल, बालाकोट और ऑपरेशन सिन्दूर तक गौरवशाली इतिहास रहा है। हालांकि मिग-21 के उड़ान के दौरान हुई दुर्घटनाओं ने इसे उड़ता ताबूत ही नहीं विडो मेकर तक कहा जाने लगा। दरअसल पाकिस्तान से युद्ध के दौरान अमेरिका के एफ-16 युद्धक विमान को गिरा कर सारी दुनिया को इसने आश्चर्य में ड़ाल दिया था। 1971 में ढ़ाका में गर्वनर हाउस पर बमबारी कर अपनी मारका क्षमता का लोहा मनवा चुका है। भारतीय वायु सेना में 800 से अधिक मिग का बेड़ा रहा है। इनमें से करीब 400 मिग के दुर्घटनाग्रस्त होने और करीब 200 पायलट और 50 नागरिकों की मौत के कारण गति, शक्ति और रफ्तार के बावजूद मिग-21 को उड़ता ताबूत कहा जाने लगा। यह दूसरी बात है कि कुछ दुर्घटनाएं मानवीय भूल के कारण हुई तो कुछ अन्य कारणों से।

मिग-21 सुपर सोनिक फाइटर विमान का निर्माण सोवियत रुस द्वारा 1950 के दशक के दौरान आरंभ किया और मिग की पहली उड़ान 1955 में हुई। 1962 के युद्ध के अनुभवों के कारण भारत को अपनी वायुसेना को मजबूत बनाने की आवश्यकता महसूस हुई। अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को एफ-16 विमानों की आपूर्ति के कारण भारत को भी अपनी

वायुसेना को वेल इक्विप्ड करने की आवश्यकता महसूस हुई और अमेरिका सहित अन्य देषों के फाइटर विमानों के विकल्प होने के बावजूद भारत ने सोवियत रुस के मिग फाइटर विमान खरीदने को पाथमिकता दी। हालांकि 1965 के युद्ध में मिग का सीमित योगदान रहा पर 1971 के युद्ध की तो भाषा ही मिग फाइटर ने बदल कर रख दी। अमेरिका के एफ-16 विमानों को मारगिराकर मिग विमानों ने ना केवल अपनी मारक क्षमता का प्रदर्शन किया अपितु दुनिया के देशों को दांतों तले अंगुली दबाने को मजबूर कर दिया। हालिया ऑपरेशन सिन्दुर में भी मिग विमानों ने महत्वूपर्ण भूमिका निभाई है।

मिग-21 अपनी उड़ान क्षमता, तेजी से आकाश में उंचाई पर जाने, ध्वनी से भी तेज गति से उड़ाने भरने और निशाने पर निशाना साधनें में सफल रहा है। दुश्मन देश तो मिग के नाम से दहशत खाने लगे थे। मिग-21 छोटे रनवे, कठिन हालातों में भी उड़ान भरने में सक्षम रहा है। अचानक हमले के हालातों में भी यह भरोसेमंद रहा है। सूई की नोक जैसे इस विमान में तापमान की समस्या के बावजूद इस विमान की उड़ान भरने में वायुसेना फाइटर गौरव महसूस करते रहे हैं। 2021 के बालाकोट के दौरान भी इसने अपने शौर्य का प्रदर्शन किया। इसमें कोई दो राय नहीं कि दुनिया के 60 से अधिक देशों में मिग ने अपने पराक्रम को दिखाया पर मिग के निमार्ता सोवियत रुस से ही मिग की विदाई सबसे पहले आरंभ हुई। रशिया ने 1990 से ही मिग की विदाई आरंभ कर दी। चीन, पौलेण्ड, बुल्गारिया, रोमानिया, चेकस्लोवाकिया, क्रोएशिया, हंगरी आदि इसे विदाई दे चुके हैं। हालांकि सीरिया, उत्तर कोरिया औद अफ्रिकी देशों में मिग सेना के हिस्से बने हुए हैं। भारत में मिग का लंबे समय का कार्यकाल रहा है।

फ्लाइंग काफिन जैसे नाम से बदनामी के बावजूद अपग्रेडेड मिग का भारतीय सेना में उपयोग होता रहा। निशाने पर लक्ष्य को साधने में सक्षम होने के बावजूद जिस तरह से इसके क्रेस होने की गति रही है उससे यह बदनामी का भी प्रमुख कारण रहा है। और यही कारण है कि मिग-21 की गौरवपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद अंततोगत्वा 62 साल की लंबी यात्रा के बाद इसे सम्मानपूर्वक विदाई दी गई है। देखा जाएं तो मिग ने भारतीय सेना में अपनी गौरवपूर्ण सेवाएं दी और भारतीय सैनिकों ने युद्ध के दौरान इसका जिस तरह से उपयोग किया वह भारतीय सेना के गौरव को बढ़ाने वाला रहा। यही कारण है कि मिग को गौरवपूर्ण समारोह में विदाई दी गई। जहां से इसकी शुरूआत हुई वहीं से इसको विदाई दी गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विदाई समारोह में कहा कि भारतीय वायु सेना के इतिहास में मिग की सेवाओं को स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। मिग को भारत और रुस के बीच संबंधों से भी जोड़ के देखा जाता रहा है। खासबात यह कि उड़ता ताबूत कहलाने के बावजूद भारतीय वायु सेना में मिग ने 60 वर्ष से भी अधिक समय तक अपने सामर्थ्य से देश के जरुरत के समय अपेक्षाओं पर खरा उतरा। युद्ध या यौद्धिक गतिविधियों के दौरान मिग गैम चैंजर सिद्ध हुआ है। यही कारण है कि मिग को रिटायरमेंट की गौरवपूर्ण विदाई दी गई। अब भारतीय वायु सेना में स्वदेशी फाइटर तेजस मिग का स्थान लेगा। सुखाई, राफेल और तेजस आदि की उपस्थिति से आज भारत की वायुसेना दुनिया की सबसे सक्षम और ताकतवर सेनाओं में से एक है। भले ही भारतीय वायु सेना के बेडे से मिग की विदाई हो गई है पर 1971 का युद्ध, करगिल, बालकोट, ऑपरेशन सिन्दुर और इसी तरह के अभियानों की चर्चा होगी तो मिग की गौरवपूर्ण सेवाओं को सम्मान के साथ याद किया जाएगा।

## संपादकीय

### जीएसटी और कर का बोझ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में सुधार जारी रहेंगे तथा अर्थव्यवस्था के और मजबूत होने पर नागरिकों पर कर का बोझ और कम होगा। ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का बृहस्पतिवार को उद्घाटन करने के बाद मोदी ने यह आस्ति दी। उन्होंने कहा कि देश में वर्तमान सुधारों के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति होने के साथ-साथ उसके पास लोकतांत्रिक और राजनीतिक स्थिरता भी है। जीएसटी में सुधार को लेकर विपक्षी दलों की आलोचना पर पलटवार करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए झूठ फैला रहे हैं। आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासनकाल में 'टैक्स की लूट' मची थी। लूटे हुए धन की भी लूट होती थी। देश के आम नागरिकों को कर की मार से निचोड़ा जा रहा था। आज कांग्रेस समेत कुछ राजनीतिक दल देश के लोगों को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि हकीकत

यह है कि नये जीएसटी रिफॉर्म से गरीब और मध्यम वर्ग, सभी की बचत हुई है। समूचे देश में बचत उत्सव चल रहा है, और बाजार मजबूत से मजबूत हुए जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ने कर को बड़े पैमाने पर कम किया है, और प्रयास किया है कि इसका लाभ आम जन तक पहुंचे और उसे महंगाई की मार से बचाया जाए। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने 2047 तक विकसित भारत के अपने लक्ष्य को भी दोहराया। नागरिकों के सबल और सक्षम होने से इस लक्ष्य को सहज ही पाया जा सकता है। इसके साथ ही तथ्य यह भी है कि भारत वैश्विक व्यवधानों और अनिश्चितता के बावजूद विकास की दृष्टि से आकषर्क देश बना हुआ है। कोई भी व्यवधान भारत को पथ विचलित नहीं कर पा रहा है, बल्कि नई दिशा दिखाने वाला ही साबित हो रहा है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त, 2025 को लाल किले के प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस पर जो अनेक घोषणाएं की थीं, उनमें देश के आर्थिक दृष्टिकोण से सबसे महत्त्वपूर्ण घोषणा जीएसटी में बड़े बदलाव को लेकर की गई घोषणा थी। कहा था कि जीएसटी में सुधारों के रूप में देशवासियों को दीपावली का तोहफा मिलने वाला है, जिससे करदाताओं और व्यवसाइयों के लिए कर-अनुपालन सरल बनेगा। साथ ही, आवश्यक वस्तुओं की कीमतें भी घटेंगी। बेशक, मोदी सरकार ने जीएसटी को आम जनता और व्यापारियों, दोनों के लिए सरल और पारदर्शी बनाने का जो प्रयास किया है, उससे अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

## चिंतन-मनन

### सतोगुण और तमोगुण का फर्क

सतोगुण में ज्ञान के विकास से मनुष्य यह जान सकता है कि कौन क्या है, लेकिन तमोगुण तो इसके सर्वधा विपरीत होता है. जो भी तमोगुण के फेर में पड़ता है, वह पागल हो जाता है और पागल पुरुष यह नहीं समझ पाता कि कौन क्या है! वह प्रगति करने के बजाय अधोगति को प्राप्त होता है। वैदिक साहित्य में तमोगुण की परिभाषा दी गई है कि अज्ञान के वशीभूत होने पर कोई मनुष्य किसी वस्तु को यथारूप नहीं समझ पाता। उदाहरणार्थ, प्रत्येक व्यक्ति जानता है कि मनुष्य मत्र्य है और मृत्यु ध्रुव है। फिर भी लोग पागल होकर धन संग्रह करते हैं और नित्य आत्मा की चिन्ता किये बिना अहर्निश कठोर श्रम करते हैं। अपने पागलपन में वे आध्यात्मिक ज्ञान में कोई उन्नति नहीं कर पाते। ऐसे लोग आलसी होते हैं। जब उन्हें आध्यात्मिक ज्ञान में सम्मिलित होने के लिए आमत्रित किया जाता है, तो वे अधिक रुचि नहीं दिखाते। वे रजोगुणी व्यक्ति की तरह भी सक्रिय नहीं रहते। तमोगुण में लिप्त व्यक्ति का एक अन्य गुण यह भी है कि वह आवश्यकता से अधिक सोता है। ऐसा व्यक्ति सदैव निराश प्रतीत होता है और भौतिक द्रव्यों तथा निद्रा के प्रति व्यसनी बन जाता है।

इसके विपरीत सतोगुणी पुरुष अपने कर्म या बौद्धिक वृत्ति से उसी तरह सन्तुष्ट रहता है, जिस प्रकार दार्शनिक, वैज्ञानिक या शिक्षक अपनी-अपनी विधाओं में निरत रहकर सन्तुष्ट रहते हैं। रजोगुणी व्यक्ति सकाम कर्म में लग सकता है। वह यथासंभव धन प्राप्त करके उसे उत्तम कार्य में व्यय करता है। कभी-कभी वह अस्पताल खोलता है और धर्मार्थ संस्थाओं को दान देता है। लेकिन तमोगुणी तो अपने ज्ञान को ढक लेता है। तमोगुण में रहकर मनुष्य जो भी करता है, वह न तो उसके लिए, न किसी अन्य के लिए हितकर होता है। जब तमोगुण प्रधान होता है तो रजो तथा सतोगुण परास्त हो जाते हैं। यह प्रतियोगियता निरन्तर चलती रहती है। अतएव जो कृष्णभावनामृत में वास्तव में उन्नति करने का इच्छुक है, उसे इन तीनों गुणों को लांघना पड़ता है।

# विश्व नदी दिवसः भारतीय संस्कृति का धरोहर है नदियों का जल

संजय गोस्वामी

प्राचीन भारतीय संस्कृति में माना गया है कि ब्रह्मण्ड में जितने भी प्रकार का जल है उसका हमें संरक्षण करना चाहिए। नदियों के जल को सर्वाध्कि संरक्षणीय माना गया है क्योंकि वे कृषि क्षेत्र को सींचती है जिससे प्राणिमात्रा का जीवन चलता है।, वेदों में गंगा नदी और उसके जल का उल्लेख है, विशेष रूप से ऋग्वेद में नदियों के स्तुति सूक्त (नदीस्तुति) में इसका उल्लेख मिलता है। इसके अतिरिक्त, अन्य वेदों और धार्मिक ग्रंथों जैसे महाभारत और पुराणों में भी गंगा को एक पवित्र नदी और देवी के समान माना गया है, जिसके जल को अमृततुल्य, पवित्र और पापों का नाश करने वाला बताया गया है। वेदों में गंगा का उल्लेख ऋग्वेदः ऋग्वेद (10.75) में पूर्व से पश्चिम की ओर बहने वाली नदियों के वर्णन में गंगा नदी का भी उल्लेख है। कुछ अन्य श्लोकों में भी इसका उल्लेख मिलता है, हालांकि यह विवादित है कि वह सीधे तौर पर नदी को संदर्भित करता है या नहीं। अन्य धार्मिक ग्रंथ और मान्यताओं में गंगा महाभारतः महाभारत के अनुसार, गंगाजल में हजारों चांद्रायण व्रत के समान पुण्यफल प्रदान करने की शक्ति है। पुराणः पुराणों में गंगा के प्रकट होने की कथा का वर्णन है, जिसमें राजा सगर के पुत्रों को मुक्ति दिलाने में गंगाजल की भूमिका बताई गई है। भगवद गीताः भगवद गीता में भी गंगा के गुणों का उल्लेख मिलता है और इसके जल में स्नान करने से शुद्ध होने पर जोर दिया गया है। हिंदू धर्म की मान्यताएंः गंगा नदी को सभी नदियों में श्रेष्ठ और तीर्थमयी माना जाता है। इसके दर्शन मात्र से ही पापों का क्षय होता है और पुण्य की प्राप्ति होती है। गंगाजल सभी प्रकार की कामनाओं को पूरा करने वाला और औषधियों से युक्त माना जाता है। गंगाजल को अमृततुल्य माना जाता है और इसका उपयोग सभी धार्मिक अनुष्ठानों में पवित्रता के लिए किया जाता है ऋग्वेद और अथर्ववेद में अनेक नदियों का उल्लेख है। दोनों में 'सप्त सिंधवः' अर्थात साथ नदियों का अनेक बार उल्लेख है। अथर्ववेद में तो कहा गया है कि सात नदियाँ हिमालय से निकलती हैं और सिंधु में मिलती है। इन्हें सिंधु की पत्नी और सिंधु की रानी भी कहा गया है। इन सात नदियों में पाँच तो पंजाब की ही है- शुतुद्री, विपाशा, इरावती, चन्द्रभागा तथा बितस्ता, जिन्हें आज क्रमशः सतलज, व्यास, रावी, चिनाब और झेलम कहा जाता है। इनके अतिरिक्त दो और हैं- सिंधु और सरस्वती। ये सातों मिलकर 'सप्तसिंधु' कही जाती हैं। सरस्वतीऋग्वेद में कहा गया है कि यह नदी पर्वत से निकलती है और समुद्र में मिलती है। अथर्ववेद में उल्लेख है कि देवों ने सरस्वती नदी के किनारे जौ की खेती की। वहाँ की भूमि अत्यन्त उर्वर थी। ऋग्वेद में इसकी बड़ी महिमा गाई गयी है। इसे सर्वोपरि देवी और सर्वोत्तम माता के तुल्य पूज्य बताया गया है। ब्राह्मणग्रंथों के अनुसार सरस्वती 'प्लक्ष प्रास्त्रवण' नामक स्थान से प्रस्त्रावित हुई और 'विनशन' नामक स्थान पर लुप्त हुईं हैं। विनशन वर्तमान में कुरुक्षेत्र का सिरसा नामक स्थान है। यह थानेस्वर के पश्चिम में बहने वाली और भटमेर में रेगिस्तान में विलीन हो जाने वाली 'सरसुति' नदी हो सकती हैं, जिसमें पटियाला के समीप घग्घर नदी आ मिलती है। वहाँ से सिन्धु तक एक सूखी नदी का मार्ग या घग्घर नदी का निशान अब भी विद्यमान है। कुछ विद्वानों का मत है कि घग्घर नदी ही सरस्वती नदी कही जाती थी सरस्वती सतलज जैसी विशाल नदी थी और वह समुद्र तक पहुँचती थी।1 'सरस्वती, जो बड़ी भारी नदी है, वोधन (केतु) के द्वारा हमें ज्ञान के प्रति जागृत करती है और हमारे सब विचारों में प्रकाशित होती है।' यदि हम यहाँ 'बड़ी भारी नदी' इस मुहावरे को भौतिक अर्थ में लें और इससे पंजाब की भौतिक नदी समझें, जैसा कि सायण समझता है तो यहाँ हमें विचार और शब्द प्रयोग की एक बड़ी असंगति दिखाई पड़ने लगेगी। वस्तुतः इसका अभिप्राय है- अंतःप्रेरणा का भारी प्रवाह या समुद्र। सरस्वती सत्य की वह अंतःशक्ति है, जिसे हम अंतःप्रेरणा कहते हैं। सत्य से आने वाली यह अंतःप्रेरणा हमें संपूर्ण मिथ्यात्व से छुड़ाकर पवित्र कर देती है। इस प्राकर श्री अरविंद उक्त मंत्र का आध्यात्मिक अभिप्राय लेते हैं। वे उक्त मंत्र का अर्थ करते हैं- 'सरस्वती अन्तः प्रेरणा, प्रकाशमय समृद्धताओं से भरपूर है (वाजेभिर्वा जिनीवती)'। वह यज्ञ को धारण करती है। देव के प्रति दी गई मर्त्य जीव की क्रियाओं की छवि को धारण करती है। एक तो इस प्रकार कि वह मनुष्य की चेतना को जागृत करती है, (चेतन्ती सुमतीनाम्) जिससे वह चेतना या भावना की समुचित अवस्थाओं को और विचार की समुचित गतियों को पा लेती है, जो अवस्थाएँ और गतियाँ उस सत्य के अनुरूप होती हैं। जहाँ से सरस्वती अपने प्रकाश को ऊँड़ेला करती हैं और दूसरे इस प्रकार कि वह मनुष्य की उस चेतना के अन्दर उन सत्यों के उदय होने को प्रेरित करती हैं। (चोदयित्री सूनतानाम्) जो सत्य की वैदिक ऋषियों के अनुसार जीवन और सत्ता को असत्य, निर्बलता और सीमा से छुड़ा देते हैं और उसके लिए परमसुखद द्वारों को खोल देते हैं। इस सतत जागरण और प्रेरणा (चेतना और चोदन) के द्वारा जो केतु (वोधन) इस एक शब्द में संगृहीत है जिस केतु की वस्तुओं के मिथ्या मर्त्य दर्शन से भेद करने के लिए 'दैव्यकेतु' (दिव्य वोधन) करके प्रायः कहा गया है- सरस्वती मनुष्य की क्रियाशील चेतना के अंदर बड़ी भारी बाढ़ को या महान् गति को स्वयं सत्य चेतना को ही ला देती है, और इससे वह हमारे सब विचारों को प्रकाशमान कर देती है। (तीसरा मंत्र)। यह स्मरणीय है कि यह सत्य चेतना, वैदिक ऋषियों की यह सत्य चेतना एक अतिमानस स्तर है (मन से परे मनसतीत)। जीवन की पहाड़ी की सतह पर है- अद्रेः सानु। जो हमारी सामान्य पहुँच से परे है और जिस पर हमें बड़ी कठिनता से चढ़कर पहुँचना होता है। यह हमारी जागृति सत्ता का भाग नहीं है। यह हमसे छिपा हुआ अतिचेतन की निद्रा में रहता है। अब यह स्पष्ट हो गया कि इस ऋचा का क्या आशय है। यहाँ स्पष्ट कहा गया है कि सरस्वती अन्तःप्रेरणा की सतत क्रिया के द्वारा सत्य को हमारे विचारों में चेतना के प्रति जाग्रत कर देती है। इस प्रकार चाहे हम यह समझें कि यह बड़ा भारी प्रवाह 'महो अर्णः' स्वयं सरस्वती ही हैं और चाहे हम इसे सत्य का समुद्र समझें- यह एक निश्चयात्मक तथ्य है जो इस संदर्भ के द्वारा असंदिग्ध रूप से स्थापित हो जाता है कि वैदिक ऋषि जल के, नदी के या समुद्र के रूपक को आलंकारिक अर्थ में और एक आध्यात्मिक प्रतीक के रूप में प्रयुक्त करते थे। सारी ब्राह्मण परम्परा में सत्ता को स्वयंम् एक समुद्र के रूप में वर्णित किया गया है। वेद दो समुद्रों का वर्णन करता है- उपरले जल और निचले जल, ये समुद्र हैं- एक तो अवचेतन का जो अंधकार मय और अभिव्यक्ति रहित है और दूसरा अतिचेतन का, जो प्रकाशमय है और नित्य अभिव्यक्त है- पर मानव मन से परे। अतिचेतन और अवचेतन का समुद्र तथा इन दोनों के मध्य में प्राणी का जीवन -ये तीनों मिलकर सत्ता का रूप निरूपित करते हैं। सत्ता का यही है- वैदिक विचार। सरस्वती, जो सात नदियों में से एक है- अन्तःप्रेरणा की नदी है, जो सत्य चेतना से निकलकर बहती है। फिर यह भी स्पष्ट है कि शेष छह नदियाँ भी आध्यात्मिक प्रतीक हैं। इन नदियों के जो विशेषण हैं- वे भौतिक नदी में घटित नहीं होते। 'शवपवित्राः'- इस विशेषण के द्वारा और स्पष्ट हो जाता है। वामदेव द्वारा प्रयुक्त 'मधुमान ऊर्मि'- मधुमय लहर इन्द्र द्वारा उन नदियों में से बहाकर लाई गई है जबकि इसका मार्ग पर्वतों पर वज्र द्वारा वृत्र का वध करके काटकर निकाला गया है। फिर यह स्पष्ट कर दिया गया है कि जल सात नदियाँ हैं जो इन्द्र द्वारा वृत्र के अवरोधक के आच्छादक के पंजे से छुड़ाकर लाई गई हैं और नीचे को बहाकर पृथ्वी की और भेजी गई हैं। क्या ये पंजाब की नदियाँ हैं स्पष्ट ही ये सत्य और सुख के जल हैं जो उच्च परम समुद्र से प्रवाहित हैं। ये जल सत्य के सप्तविध जल हैं, दिव्यजल हैं जो हमारी सत्ता के उच्चतम शिखरों से इन्द्र द्वारा नीचे लाए गये हैं। ये सप्तविध जल ऊपर उठकर विशुद्ध मानसिक क्रियाएँ, द्युलोक की शक्तिशाली नदियाँ (दिवः यह्वीः) बन जाते हैं, औ? दिव्य मन की सात वाणियों के रूप में अपने को प्रकट करती हैं (सप्त वाणीः) यद्यपि ये भिन्न धाराएँ हैं- पर निकली एक ही उद्गम से हैं। वेद की सात नदियों को, जलों को, आपः को वेद की अलंकारिक भाषा में अधिकतर सात माताएँ या सात पोसक गौएँ 'सप्तधेनवः' कहकर भी प्रकट किया गया है। स्वयम् 'आपः' शब्द में ही दो अर्थ गूढ़ रूप से पड़े हुए हैं। अप धातु के मूल में केवल बहना अर्थ ही नहीं है जिससे बहुत सम्भवतः जलों का भाव लिया गया है किन्तु इसका एक और अर्थ 'जन्म होना' 'जन्म देना' भी है। सन्तान वाचक अपत्य शब्द में और दक्षिण भारत पिता अर्थ में प्रयुक्त 'अप्पा' शब्द में हम यही भाव देखते हैं। सात जल सत्ता के जल हैं। ये वे माताएँ हैं जिनसे सत्ता के सब रूप पैदा होते हैं। 'सप्त गावः' 'सप्तगुः' सात गौएँ या सात ज्योतियाँ का अर्थ देती हुई उक्त तथ्य का पोषण करतीं हैं। वेद में जिन नदियों का उल्लेख है, वे हैं- गंगा, यमुना, सरस्वती, शतुद्रि, परुष्णी, असिक्नी, मरुद्वृधा (चेनाव की एक सहायक नदी), वितस्ता, आर्जिकीया, सुषोमा। नदी सूक्त के ही अगले मंत्र में (10।75।6) सिन्धु की पश्चिमी सहायक नदियों का उल्लेख है- अथर्ववेद और ऋग्वेद में 90 और 99 नदियों का उल्लेख है। ऋग्वेद से ज्ञात होता है कि सप्त सिंधुओं में मिलने वाली छोटी पहाड़ी नदियाँ भी हैं। अथर्ववेद और ऋग्वेद में इनको 'नाव्याः' अर्थात् नौका से तरण योग्य बताया है। ऋग्वेद और अथर्ववेद में कहीं दो, कहीं तीन और कहीं चार समुद्रों का उल्लेख मिलती है।

# निवेश का आकर्षण- व्यापार में सुगमता जरूरी

डॉ. सौम्य कांति घोष

हाल में वैश्विक रेटिंग एजेंसियों ने भारत पर भरोसा दोहराया है। यह भरोसा भारत की अर्थव्यवस्था की उस मजबूत संरचना को साबित करता है, जो पिछले कुछ वर्षों में कठिन मेहनत से तैयार की गई है। इससे व्यापार को लेकर उठने वाला संदेह और शोर-शराबा भी शांत हुआ है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि संपत्ति का बराबर बंटवारा हो और सभी को समान अवसर मिलें, सरकार ने 'बारबेल रणनीति' अपनाई है। इसके तहत नीतियों और नियमों में कई तरह के सुधार किए जा रहे हैं ताकि ईज ऑफ बिजनेस के अलग-अलग स्तंभ मजबूत हों। साथ ही, बड़े पैमाने पर औपचारिकीकरण, वित्तीयकरण और तकनीकी एकीकरण को जरूरी बनाया गया है।

यह निवेश आकर्षित करने और अन्य देशों से कड़ी प्रतिस्पर्धा में आगे निकलने के लिए अनिवार्य है। महामारी के बाद भू-राजनीतिक हालात ने मैन्युफैक्चरिंग के तरीके बदलने की जरूरत पैदा कर दी। इसी के चलते भारत ने एक नई राह पकड़ी है, जहां 'ईज ऑफ एग्जिट' यानी व्यापार से बाहर निकलने की आसानी पर जोर दिया जा रहा है। यह निवेशकों के लिए अहम है क्योंकि वे पूंजी लगाते समय इस सुविधा को देखते हैं। साल 2000 से अब तक भारत में 1 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा का एफडीआई आया है, जिसमें सेवाएं, तकनीक और टेलीकॉम जैसे क्षेत्र सबसे ज्यादा लाभान्वित हुए हैं (वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही तक ही लगभग 25 अरब डॉलर निवेश आया है)। जब सेबी विश्वसनीय विदेशी निवेशकों के लिए एकल खिड़की स्वचालित एवं सामान्यीकृत पहुंच (स्वागत-एफआई) लागू करता है, कम जोखिम वाले माने जाने वाले प्रमुख विदेशी निवेशकों के लिए पहुंच को सरल बनाता है, या आरबीआई फेमा दिशा-निदेर्शों में बहुप्रतीक्षित बदलाव लाता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार में रुपये का उपयोग बढ़ता है, तो अटलांटिक पार से आने वाली हलचलें अविस्मरणीय होती हैं। संस्थागत सुधारों की सफलता आईबीसी, संपत्ति पुनर्निर्माण, इंख फाइनेंसिंग और बैंकिंग, बीमा व वित्तीय सेवाओं में 'प्लग-एंड-प्ले' मॉडल के रूप में दिखती है। इन क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का तेजी से बढ़ता इस्तेमाल इसे और मजबूत बना रहा है। जनसंख्या के पैमाने पर कई नीतिगत कदम उठाए गए हैं, जैसे पीएमएवाई (3.2 करोड़ घरों को मंजूरी), मुद्रा (कुल 52 करोड़ से अधिक खातों में 33.65 लाख करोड़ रुपये मंजूर किए गए जिसमें 68प्र. महिला उद्यमी हैं), पीएम-स्वनिधि (96 लाख से अधिक ऋण खातों के माध्यम से 68 लाख से अधिक स्ट्रीट वेंडरों को कवर किया गया), उद्यम (उद्यम सहायता पोर्टल की गणना करते हुए 6.86 करोड़ से अधिक एमएसएमई पंजीकरण), श्रम सुविधा (2018 से 6.63 लाख ईएसआईसी पंजीकरण, 6.49 लाख ईपीएफओ पंजीकरण और फर्मों द्वारा 1.29 लाख अनुबंध श्रमिक पंजीकरण के साथ श्रम और रोजगार पोर्टल का अनुपालन), स्वामित्व (ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एकीकृत आवासीय संपत्ति स्वामित्व समाधान जिसमें 93.20 लाख गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा हो चुका है), नक्शा (प्रारंभ में 150 शहरों में पायलट कार्यक्रम के साथ शहरी भूमि पार्सल का व्यापक, जीआईएस-एकीकृत डेटाबेस, जिसे पूरे भारत में 4,912 शहरी स्थानीय निकायों तक विस्तारित किया जाएगा), एसएएससीआई (केंद्र से राज्यों को पूंजीगत व्यय के लिए 50-वर्षीय ब्याज-मुक्त ऋण) और औपचारिकीकरण भी लगातार बढ़ रहा है।

इन सारी योजनाओं ने मिल कर भारत की मेहनत और लचीलापन, दोनों को नई ताकत दी है। इससे पहले शुरू की गई कई योजनाओं को मजबूती मिली है, स्मार्ट सिटी मिशन से लेकर हर घर जल, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेवाई), पीएम किसान सम्मान निधि से लेकर आयुष्मान भारत योजना तक। इन योजनाओं का असर सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि नये निवेश को आगे बढ़ाने और सहारा देने में भी दिख रहा है। 2014-15 से अब तक मुख्य बोर्ड पर 764 सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ, एफपीओ, ओएफएस आदि) और एसएमई प्लेटफॉर्म पर 1200 से ज्यादा निर्गम (इस साल तक) हुए हैं। इसने साबित किया है कि पूंजी बाजार निवेशकों को आसानी से 'एग्जिट' का रास्ता देने में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। पूंजी के इस चक्रीय प्रवाह और उसके गुणक प्रभाव से सुनिश्चित होता है कि नई और छोटी कंपनियां भी फंडिंग तक पहुंच बना सकें। भारत को वैश्विक बॉन्ड सूचकांकों (उभरते बाजारों के सूचकांकों से महत्वपूर्ण क्षण) में शामिल करने पर विचार किया जा रहा है, जिसके लिए हमारे ऋण बाजार को नये सिरे से संतुलित करना जरूरी होगा होगा। बहुआयामी ढांचे (एनआईपी, एनएमपी, पीएम गति शक्ति) के लिए बड़े स्तर पर फंडिंग की आवश्यकता होगी। इसलिए भारतीय कंपनियों को वैश्विक सोच अपनानी होगी। भारतीय प्रवासी समुदाय को साथ जोड़कर साझी प्रगति की दिशा में बढ़ना होगा।

(लेखक भारतीय स्टेट बैंक के ग्रुप चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर हैं। लेख में विचार निजी हैं)

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

# डू यू वाना पार्टनर में अपने किरदार को लेकर नकुल मेहता की राय

टेलीविजन अभिनेता नकुल मेहता ने डू यू वाना पार्टनर में बॉबी बग्गा की भूमिका निभाई है। इस सीरीज में अपने किरदार को लेकर नकुल क्या सोचते हैं। इस बात को उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया। नकुल ने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरों के साथ एक लंबा और भावुक पोस्ट लिखा, जिसमें बताया कि इस किरदार को निभाना उनके लिए एक खास अनुभव था। नकुल ने अपनी नई सीरीज डू यू वाना पार्टनर में बॉबी बग्गा के किरदार के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी भूमिका है, जो अब तक उनके द्वारा निभाई गई किसी भी प्रयास से अलग है।

## नया अनुभव और चुनौतियां

नकुल ने लिखा, इस प्रोजेक्ट (डू यू वाना पार्टनर) ने उन्हें एक नए तरह का किरदार निभाने का मौका दिया। बॉबी बग्गा का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत खास था। यह मेरे अब तक के किसी भी किरदार से अलग था। धर्माटिक और प्राइम वीडियो के साथ पहली बार काम करना शानदार रहा। पूरी टीम बहुत अच्छी थी। यह सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर है, जिसे अर्चित कुमार और कॉलिन डीकुन्हा ने निर्देशित किया है। इसमें तमन्ना भाटिया, डायना पेंटी, जावेद जाफरी, श्वेता तिवारी और रणविजय सिंघा जैसे सितारे भी हैं।

## निर्देशकों और टीम की तारीफ

नकुल ने निर्देशक अर्चित कुमार की तारीफ की और कहा कि उनके साथ काम करके उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला। कॉलिन डीकुन्हा ने सेट पर अच्छा माहौल बनाया, जिससे काम करना आसान और मजेदार रहा। नकुल ने कास्टिंग डायरेक्टर और पूरी टीम का भी शुक्रिया अदा किया।

## खास लोगों को धन्यवाद

नकुल ने अपनी पोस्ट में कई लोगों का जिक्र किया। उन्होंने प्रोडक्शन डिजाइनर लिपक्षी एलावादी, उविचार, साहिल आनंद अरोड़ा और मुश्ताक खान का धन्यवाद किया। उन्होंने बताया कि उनके विचारों ने उन्हें दिल्ली की संस्कृति समझने में मदद की और साहिल ने मेकअप में शानदार काम किया। नकुल ने यह भी कहा कि उनके दोस्त प्रतीक ने उन्हें बॉबी बग्गा का किरदार समझने में मदद की।

# 'अल्फा' को बताया पहली एक्शन फिल्म तो ट्रोल हुईं आलिया

अभिनेत्री आलिया भट्ट इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'अल्फा' को लेकर चर्चाओं में हैं। यशराज के स्पाई यूनिवर्स की ये फिल्म इस साल दिसंबर में रिलीज होनी है। अब आलिया का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो 'अल्फा' को अपनी पहली एक्शन फिल्म बता रही हैं। आलिया के ऐसा बताने पर सोशल मीडिया पर यूजर्स ने एक्ट्रेस को ट्रोल कर दिया है। वहीं आलिया के लुक को लेकर भी उन्हें निशाने पर लिया गया और दीपिका को कॉपी करने की बात कही।

## आलिया ने 'अल्फा' को कहा अपनी पहली एक्शन फिल्म

मिलान फैशन वीक में गुच्ची स्प्रिंग/समर 2026 फैशन शो के दौरान आलिया ने मीडिया से बात करते हुए आलिया ने 'अल्फा' को लेकर अपना उत्साह जताया। इसी दौरान अभिनेत्री ने 'अल्फा' को अपनी पहली एक्शन फिल्म कहकर संबोधित किया। फिल्म को लेकर अपनी खुशी जताते हुए एक्ट्रेस ने कहा, 'यह रिलीज के काफी करीब है। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है, क्योंकि यह मेरी पहली एक्शन फिल्म है, और मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि दर्शक इससे कैसे जुड़ते हैं।'

## यूजर्स ने 'जिगरा' और 'कलंक' की दिलाई याद

अब आलिया के 'अल्फा' को अपनी पहली फिल्म बताने पर नेटिजेंस ने एक्ट्रेस को ट्रोल करना शुरू कर दिया। ऐसा इसलिए क्योंकि आलिया इससे पहले 'जिगरा' और 'हार्ट ऑफ स्टोन' जैसी एक्शन फिल्में कर चुकी हैं। तो वहीं कुछ यूजर्स ने कहा कि आलिया ने अपनी फिल्मोग्राफी से 'सड़क 2' और 'कलंक' जैसी फिल्में हटा ही दी हैं। नेटिजेंस का कहना है कि क्या अभिनेत्री अपनी पिछली एक्शन फिल्मों, खासकर जिगरा को नजरअंदाज कर रही हैं। एक यूजर ने लिखा, 'आलिया यह एक एक्शन फिल्म थी। दोनों ही बुरी तरह फ्लॉप हुईं।' जबकि एक अन्य ने लिखा, 'आलिया ने अपनी फिल्मों से शानदार, सड़क, कलंक, जिगरा और हार्ट ऑफ स्टोन हटा दी हैं।' एक यूजर ने लिखा, 'शश्श, हम कभी सड़क, कलंक, हार्ट ऑफ स्टोन या जिगरा के बारे में बात नहीं करते।'

## दिसंबर में रिलीज होगी अल्फा

आलिया भट्ट और शरवरी वाघ स्टारर अल्फा इसी साल 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। यह यशराज के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है। फिल्म में बॉबी देओल भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा आलिया पति रणबीर कपूर और अभिनेता विक्की कौशल के साथ संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर की भी शूटिंग कर रही हैं। यह फिल्म अगले साल 2026 में रिलीज होनी है।

## सीनियर्स को सम्मान मिलता देख अच्छा लगता है

हाल ही में आयोजित हुए 71वें नेशनल फिल्म पुरस्कार समारोह में मलयालम अभिनेता मोहनलाल को दादासाहेब फाल्के पुरस्कार दिया गया। इस मौके पर उन्हें देश की कई बड़ी हस्तियों ने शुभकामनाएं दीं। ऐसे में बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने भी उन्हें बधाई दी और उन्हें सुपरस्टार बताया। कंगना रनौत ने बातचीत में कहा जब कलाकारों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलती है तो यह उनके लिए अच्छी बात होती है। मोहनलाल एक सुपरस्टार हैं। भारत में उनका नाम है। राष्ट्रीय स्तर पर उनके काम को सम्मान मिलना अच्छा लगता है। सीनियर्स को सम्मान मिलता देख हमें भी अच्छा लगता है। इस तरह के आयोजन कलाकारों के प्रति सरकार के समर्थन को दर्शाते हैं।

## अपने लुक को लेकर भी ट्रोल हुई आलिया

इसके अलावा आलिया को मिलान फैशन वीक में उनके लुक को लेकर भी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। यहां लोगों ने उनके लुक की तुलना दीपिका पादुकोण के लुक से कर दी। इसके बाद नेटिजेंस ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया। कुछ ने लिखा, 'आलिया दीपिका को कॉपी करने का प्रयास कर रही हैं।' तो वहीं कई ने आलिया को सस्ती दीपिका करार दिया।

# सबा आजाद ने बताया शादी को लेकर क्या है उनकी प्लानिंग

सबा आजाद बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में शामिल हैं, जिन्होंने अपने अब तक के करियर में अलग तरह के किरदार निभाए हैं। उनका मानना है कि उन्हें उस तरह के किरदार पसंद हैं, जहां उन्हें पूरी तरह से ढलना पड़े।

## शादी के लिए माता-पिता ने नहीं डाला दबाव

सबा पिछले काफी वक्त से अभिनेता ऋतिक रोशन के साथ रिलेशनशिप में हैं। अक्सर दोनों की शादी को लेकर भी सवाल उठते रहते हैं। अब अपनी व्यक्तिगत जिंदगी और शादी की प्लानिंग पर सबे ने कहा कि मैं एक ऐसे परिवार में पली-बढ़ी हूं जहां शादी कभी भी सब कुछ नहीं रही। छह साल की उम्र में, मेरे माता-पिता ने मुझसे कहा कि बेटा, अगर तुम नहीं चाहती तो तुम्हें शादी करने की जरूरत नहीं है। इसलिए मुझे अपने परिवार से कभी भी इस बात का कोई दबाव महसूस नहीं हुआ कि मुझे अपनी जिंदगी कैसे जीनी है।

## टाइपकास्ट होना इंडस्ट्री में हमेशा से संघर्ष रहा

अभिनेत्री ने टाइपकास्ट होने पर भी बात की। उन्होंने कहा कि मुझे अक्सर शहरी किरदारों में बांध दिया जाता है। लोग मुझसे पूछते हैं, क्या तुम हिंदी भी बोल सकती हो? और मैं कहती हूं, बिल्कुल बोल सकती हूं। रूढ़िवादिता से बाहर निकलना हमेशा एक चुनौती होती है। इसलिए जब कोई निर्देशक कुछ अलग तरह से सोचता है तो यह एक तोहफा होता है। टाइपकास्टिंग के खिलाफ संघर्ष एक ऐसा संघर्ष है जिसका सामना ज्यादातर कलाकार करते हैं। आप किसी खास भूमिका में खुद के बारे में सोचने के लिए किसी पर निर्भर होते हैं, और कभी-कभी आपको मनचाहा काम नहीं मिलता।

# 'कांतारा 2' का ट्रेलर देख किच्चा सुदीप ने ऋषभ शेट्टी की तारीफ की

बीते सोमवार को कांतारा चैप्टर 1 का ट्रेलर रिलीज हुआ, जिसमे ऋषभ शेट्टी की एक्टिंग दर्शकों को पसंद आ रही है। अब इसने लोगों में फिल्म को लेकर बेसब्री बढ़ा दी है। कन्नड़ सुपरस्टार किच्चा सुदीप ने अपने एक्स अकाउंट पर कांतारा 2 का ट्रेलर देखने के बाद प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ऋषभ की मेहनत की तारीफ करते हुए ट्रेलर को शानदार बताया है।

कन्नड़ अभिनेता किच्चा सुदीप ने एक्स अकाउंट पर एक ट्वीट किया। इसमें उन्होंने लिखा, 'कांतारा चैप्टर 1 फिल्म का ट्रेलर देखा, ढेर सारा प्यार मेरे दोस्त ऋषभ शेट्टी। आपकी कड़ी मेहनत और प्रयास हर फ्रेम में साफ दिखाई दे रहे हैं। आपने और आपकी टीम ने जो बनाया है, वह अद्भुत है। मुझे गर्व है। आपको और आपकी पूरी टीम को मेरी तरफ से शुभकामनाएं।'

ऋषभ शेट्टी द्वारा निर्देशित 'कंतारा: चैप्टर 1' होम्बले फिल्म्स की सबसे बड़े प्रोजेक्ट में से एक है। इस फिल्म की क्रिएटिव टीम में म्यूजिक डायरेक्टर बी. अजनीश लोकनाथ, सिनेमैटोग्राफर अरविंद कश्यप और प्रोडक्शन डिज़ाइनर विनेश बंग्लान शामिल हैं, जिन्होंने मिलकर फिल्म की दमदार विजुअल और इमोशनल कहानी को आकार दिया है।

## कब रिलीज होगी फिल्म?

'कांतारा चैप्टर 1' को लेकर फैंस का उत्साहित हैं और वो फिल्म का बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म 2 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा इस फिल्म को कन्नड़ के अलावा हिंदी, तेलुगु, मलयालम, तमिल, बंगाली और अंग्रेजी भाषाओं में भी रिलीज किया जाएगा।

# अगर एआई मेरी आवाज के गाने बनाएगा, तो मैं केस कर दूंगा

**तकरीबन 25 सालों से सिंगिंग के क्षेत्र में एक्टिव रहे गायक शान को अपने चाहने वालों का बेहद प्यार मिला है। तनहा दिल, चांद सिफारिश, मुसु मुसु हासी, हे शोना, बहती हवा सा था वो, बम बम बोले मस्ती में डोले जैसे लोकप्रिय और सुपरहिट गाने देने वाले शान इन दिनों चर्चा में हैं फॉरएवर किशोर शान से जैसे लाइव कॉन्सर्ट से।**

**आपके पिता संगीतकार थे और अब आपकी गायकी के बाद आपके बेटे माही और सोहम भी आपकी संगीत की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं?**

मेरे दादाजी भी संगीतकार थे, तो यही कहूंगा, मिले जो कड़ी कड़ी, एक जंजीर बने हमारी चार पीढ़ियों तक तो संगीत की विरासत कायम है और चाहता हूं ये हमेशा बनी रहे। सच कहूं, तो ये प्लानिंग तो कत्तई थी ही नहीं। मैं जब छोटा था, तब मैं नहीं चाहता था कि मैं म्यूजिक के क्षेत्र में आऊं, क्योंकि मेरे दादाजी के बाद पिताजी की भी भी काफी स्ट्रगल रही, तो मैं नहीं चाहता था कि मैं भी उसी स्ट्रगल में खत्म हो जाऊं। मैंने बच्चों पर कभी भी म्यूजिक को प्रोफेशन बनाने का दबाव नहीं डाला, मगर बच्चों को इसी फील्ड में आना था और आज मेरा बेटा माही जहां सिंगर बन गया है, वहीं दूसरा बेटा सोहम संगीत की दुनिया से जुड़ा है।

**अपने करियर में आपने मुश्किल दौर क्या झेला?**

पिछले 6-7 साल से मेरा करियर मुश्किल दौर से गुजर रहा है। गाने रिकॉर्ड तो करता हूं, लेकिन या तो फिल्म रुक जाती है या सिचुएशन बदल जाती है और गाने का कुछ होता ही नहीं। एक ज्योतिषी ने भी कहा था कि मेरा सिंगिंग का संयोग खत्म हो गया है और शोज करने चाहिए। शानू दा (कुमार शानू) ने समझाया कि ऐसी बातों पर ध्यान न दूं। अब मैं हर उस दरवाजे पर खटखटा रहा हूं जो खुलता नहीं, लेकिन जहां मौका मिलता है, वहां गा रहा हूं—छोटी फिल्मों, चैनलों, दुर्गा पूजा जैसे उत्सवों और शोज में। बड़े कंपोज़र्स और प्रोड्यूसर्स क्या सोचते हैं, ये पता नहीं, लेकिन मेरा मानना है, रुक जाना नहीं तू कभी हार के।

**हाल ही में हमने सैयारा के गाने को एआई के जरिए किशोर दा की आवाज में सुना, आप एआई को निकट भविष्य में खतरा मानते हैं?**

मुझे इसी बात का अफसोस है। जिन लोगों ने भी ये किया, उन्होंने बहुत ही चतुराई से उसे ब्लैक एंड वाइट में किया, उन्हें तो व्यूज भी मिल गए। कई बच्चों को ये भी लग रहा है कि ये तो किशोर दा का गाया हुआ पुराना गाना है। मैंने तो ऐसे भी कमेंट्स पढ़े कि उन्हें ये गाना ओरिजिनल से ज्यादा अच्छा लग रहा है। देखिए, आप आवाज को ऑटोट्यून करके बदल सकते हैं। मुझे ये खतरे से ज्यादा लीगल मुद्दा लगता है।अगर कल को मुझे अपने जैसी आवाज में कोई ऐसा गाना मिले, जो मैंने गाया नहीं है, तो मैं उन पर केस कर सकता हूं। चूंकि एक गाने से म्यूजिक कंपनीज भी जुड़ी रहती हैं, तो एआई के जरिए आप गाने क्रिएट कर रहे हो, तो समस्या में पड़ सकते हो।

**आपकी पत्नी राधिका किस तरह से आपकी जिंदगी का आधार स्तंभ हैं?**

मैं यही कहूंगा कि मैं वो पतंग हूं, जिसकी डोर राधिका के हाथों में है। उसे पता है, कहां ढील देनी है और कहां पकड़ना है? वो मुझसे 6 साल छोटी हैं, तो जब हमारी शादी हुई थी, तब मुझे लगता था कि मैंने दुनिया ज्यादा देखी है, मगर जल्दी समझ में आ गया कि उनकी सिक्स्थ सेन्स ज्यादा प्रबल होती है। वो मेरे बारे में मुझसे ज्यादा सोचती हैं, तो मुझे उनकी सोच पर पूरा भरोसा है।

## फॉरएवर किशोर शान जैसे शो से जुड़ने को क्यों प्रेरित हुए

मैंने देखा है कि पिछले 3-4 सालों में रब्बानी और नमिता, जो मेरे गुरु गुलाम मुस्तफा खान साहब के बहू-बेटे हैं, ने कई बड़े शोज क्यूरेट किए हैं। उन्होंने मुझे इस लाइव कॉन्सर्ट से जुड़ने का प्रस्ताव दिया, तो मुझे लगा कि किशोर दा को ट्रिब्यूट देते हुए एक ऐसा संगीतमय गुलदस्ता पेश करूं, जो यादगार बन जाए। मैंने उन गानों को नॉस्टैल्जिक और आर्केस्ट्रा वाला फील न देकर आज के यूथ से जोड़ना चाहता हूं। मेरे पिता म्यूजिक कंपोजर हुआ करते थे, तो किशोर दा ने पिताजी के लिए गाना गाया था। मैंने उन्हें लाइव गाते हुए देखा है। मैं उस वक्त 12 साल का रहा होऊंगा। वो मेरे पिताजी की आखिरी रिकॉर्डिंग थी। मैं बहुत ही भाग्यवान मानता हूं खुद को कि मैंने रफ़ी साहब (मोहम्मद रफी) को भी लाइव गाते हुए देखा है। किशोर दा के साथ प्यारी याद यही थी कि मेहबूब स्टूडियो में गाने की रिकॉर्डिंग थी। बंगाली गाना था, काले सिल्क की लुंगी और कुर्ता पहना था उन्होंने। बारिश हो रही थी और मेरे पिताजी और किशोर दा एक ही छाते में चलते हुए जा रहे थे।

## संक्षिप्त समाचार

### अमेरिका के शिकागो में इमिग्रेशन दफ्तर के बाहर प्रदर्शन, फेडरल एजेंट्स ने आंसू गैस और पेपर बॉल्स दागे

**शिकागो, एजेंसी।** अमेरिका के शिकागो में शुक्रवार को इमिग्रेशन एंड कस्टम्स इन्फोर्समेंट ऑफिस के बाहर हिंसक झड़प हुई। करीब 100 लोग हिरासत केंद्र की खराब हालत के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। कुछ प्रदर्शनकारियों ने रास्ता रोक दिया, जिससे फेडरल एजेंट्स ने आंसू गैस और पेपर बॉल्स चलाए। कई लोग घायल हुए और एक-दूसरे की आंखों में पानी डालकर मदद करते दिखे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि हिरासत में रहने वालों को खाने-पीने और दवाइयों की कमी है। आईसीआई ने कहा कि प्रदर्शनकारी गेट ब्लॉक कर रहे थे और एक के पास हथियार मिला।

### ओबामा-क्लिंटन के वकील बार्नेट का निधन

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका में बराक ओबामा और मिशेल ओबामा, हिलेरी क्लिंटन समेत दर्जनों नेताओं का प्रतिनिधित्व कर चुके वाशिंगटन के एक प्रभावशाली वकील रॉबर्ट बी. बार्नेट का 79 वर्ष की आयु में निधन हो गया। बार्नेट की कार्यकारी सहायक एश्ले डफी ने बताया कि बृहस्पतिवार की रात उनका निधन हो गया। बार्नेट उच्चस्तरीय लॉ फर्म विलियम्स एंड कोनोली में साझेदार थे और 20 से अधिक वर्षों तक वाशिंगटन के अभिजात वर्ग और न्यूयॉर्क के प्रकाशकों के बीच मध्यस्थ के रूप में उनकी हैसियत के आसपास भी कोई नहीं पहुंचा। 1990 के दशक की शुरुआत से ओबामा प्रशासन के अंत तक, 2017 में बार्नेट ने लगातार तीन राष्ट्रपतियों और प्रथम महिलाओं - क्लिंटन, जॉर्ज डब्ल्यू और लॉरा बुश और ओबामा और शेष ए-सूची के अधिकांश राजनीतिक खिलाड़ियों का प्रतिनिधित्व किया।

### खैबर पख्तूनख्वा में दुर्घटना, एक ही परिवार के 11 लोगों की मौत

**क्वेटा, एजेंसी।** बचाव अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में एक सड़क हादसे में एक ही परिवार के 11 सदस्यों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। यह हादसा डेरा इस्माइल खान जिले में एक वाहन के ब्रेक फेल हो जाने से हुआ। वाहन झोब जिले से डेरा इस्माइल खान जा रहा था। घटनास्थल से सात शव बरामद हुए हैं, जिनमें पांच महिलाएं, एक पुरुष और एक बच्चा शामिल है। तीन घायल अस्पताल भेजे गए।

### माइक्रोसॉफ्ट ने इस्राइल में घटाई क्लाउड और एआई उत्पादों की सेवा

**येरूशलम, एजेंसी।** माइक्रोसॉफ्ट ने इस्राइली सेना की एक यूनिट को अपनी कुछ सेवाएं देनी बंद कर दी हैं। कंपनी ने दावा किया है कि इस्राली सेना उसकी क्लाउड कंप्यूटिंग और एआई का इस्तेमाल गाजा में फलस्तीनियों के सर्विलांस के लिए कर कर रहा था। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा, इस्राइल गाजा में कई बार हमले करने के लिए उसकी तकनीक का इस्तेमाल करता है ऐसे में इन सेवाओं पर रोक लगा देना जरूरी है। अध्यक्ष ब्रैड स्मिथ ने कहा, सेवाओं के नियमों के लिए ही यह कदम उठाया गया है।

### नेपाल में सुरक्षाबलों की गोलियों से मारे गए थे 33 लोग

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल में इस महीने हुए भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शनों पर बड़ा खुलासा हुआ है। त्रिभुवन विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिन की फॉरेंसिक रिपोर्ट में पता चला कि 33 प्रदर्शनकारियों की मौत गोली लगने से हुई थी, जो घातक हथियारों से चलाई गई थीं। यह पहला आधिकारिक प्रमाण है कि सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों पर असली गोलियों का इस्तेमाल किया था। संस्थान के महाराजगंज मेडिकल कैंपस में 47 शवों का पोस्टमार्टम हुआ। फॉरेंसिक विभाग के सदस्य ने बताया कि 34 शवों में गोलियों के जख्म पाए गए। इनमें 10 को सिर में, 18 को सीने में, चार को पेट में और दो को गले में गोली लगी थी। केवल एक व्यक्ति को रबर बुलेट लगी थी। हिंसक प्रदर्शनों में 74 लोगों की मौत हुई थी।

# रूस ने डीजल और पेट्रोल के निर्यात पर लगाया आंशिक प्रतिबंध

### यूक्रेनी ड्रोन हमलों के बाद लिया फैसला

**यूक्रेन, एजेंसी।** यूक्रेन के ड्रोन हमलों के कारण रूस की तेल शोधन (रिफाइनिंग) क्षमता में भारी गिरावट आई है। कुछ दिनों में ही यह गिरावट लगभगत पांचवां हिस्सा तक पहुंच गई, जिससे रूस के प्रमुख बंदरगाहों से ईंधन का निर्यात भी प्रभावित हुआ है। इन हालात के बीच रूस ने डीजल और पेट्रोल के निर्यात पर आंशिक प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है, जो साल के अंत तक लागू रहेगा। उप प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने गुरुवार को यह घोषणा की। नोवाक ने कहा, हम पेट्रोल निर्यात पर प्रतिबंध को साल के अंत तक बढ़ाएंगे और डीजल ईंधन के गैर-उत्पादकों के लिए निर्यात पर भी प्रतिबंध लगाया जाएगा। इससे घरेलू बाजार में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति बढ़ेगी। उन्होंने यह भी बताया कि देश में तेल उत्पादों की थोड़ी कमी है, लेकिन मौजूदा भंडार से मांग पूरी नहीं की जा सकती है।

इस बीच, रूस के नियंत्र वाले क्रीमिया के प्रमुख सर्गेई अक्स्योनोव ने बताया कि ईंधन की आपूर्ति में बाधा रिफाइनरियों के बंद होने के कारण आ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, डीजल निर्यात पर लगा नया प्रतिबंध मुख्य रूप से बिचौलियों पर लागू होता है, न कि उत्पादकों पर। लेकिन रूस से डीजल का बड़ा हिस्सा सीधे उत्पादकों द्वारा उत्तरी और दक्षिण पाइपलाइनों के जरिये बाल्टिक और काला सागर के बंदरगाहों तक पहुंचाया जाता है।

2024 में रूस ने लगभग 86 मिलियन मीट्रिक टन डीजल का उत्पादन किया, जिसमें से करीब 31 मिलियन टन का निर्यात हुआ। समुद्री मार्ग से डीजल निर्यात करने वाले देशों में रूस और अमेरिका शीर्ष पर रहे हैं। वहीं, पेट्रोल के निर्यात पर लगा प्रतिबंध उत्पादकों और बिचौलियों दोनों पर लागू होगा। हालांकि, यह प्रतिबंध अन्य देशों के साथ रूस के अंतर-सरकारी समझौतों पर लागू नहीं होगा।

रूस में ईंधन की कमी तेजी से बढ़ रही है। स्थानीय रिपोर्ट के मुताबिक, देश की दूसरी सबसे बड़ी तेल कंपनी लुकोइल ने मॉस्को के कुछ पेट्रोल पंपों पर जैरी कैन (डिब्बे) में पेट्रोल बेचने पर रोक लगा दी है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूसी तेल की खरीद पर आपत्ति जता रहे हैं।

# भारत की वसुधैव कुटुंबकम की सोच वैश्विक चुनौतियों का हल

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** भारत में संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर, शॉम्बी शार्प ने भारत की वैश्विक मंच पर बढ़ती ताकत की खुलकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया में भू-राजनीति, विकास और शांति स्थापना में अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने वसुधैव कुटुंबकम यानी दुनिया एक परिवार है की भारतीय सोच को आज की वैश्विक चुनौतियों का हल बताया। उन्होंने कहा, भारत अब वैश्विक स्तर पर बेहद अहम भूमिका निभा रहा है। हमें भारत जैसे नेतृत्व और वसुधैव कुटुंबकम की भावना की जरूरत है।

**गरीबी उन्मूलन से लेकर चांद तक की उड़ान:** शॉम्बी शार्प ने भारत की ताकत का जिक्र करते हुए कहा कि यह देश एक ओर चांद पर पहुंच रहा है और दूसरी ओर करोड़ों लोगों को गरीबी से बाहर निकालने के लिए नए रास्ते खोज रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के ये अनुभव खासकर ग्लोबल साउथ यानी विकासशील देशों के लिए बेहद उपयोगी हैं।

**भारत नवाचार में भी अग्रणी- शॉम्बी शार्प :** उन्होंने बताया कि भारत नवीकरणीय ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में तेजी से काम कर रहा है। उन्होंने कहा, भारत नवीकरणीय ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में अद्भुत गति से निवेश और नवाचार कर रहा है। यह दुनिया के लिए एक बड़ा उदाहरण है।

**आतंकवाद और शांति स्थापना में भारत की अहम भूमिका:** शॉम्बी शार्प ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत और संयुक्त राष्ट्र के मजबूत सहयोग पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, भारत और संयुक्त राष्ट्र ने आतंकवाद विरोधी उपायों पर मिलकर नजदीकी से काम किया है। भारत की शांति स्थापना में भूमिका पर उन्होंने पीएम मोदी के उस बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने भारत को शांति का पक्षधर बताया था। उन्होंने कहा कि भारत शुरू से ही यूएन शांति सेना में सबसे ज्यादा सैनिक और नागरिक कर्मी भेजने वाला देश है। इस दौरान शॉम्बी शार्प ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के जी-20 बैठक में दिए गए भाषण की सराहना की। जयशंकर ने कहा था कि शांति और विकास एक-दूसरे से जुड़े हैं, न शांति के बिना विकास संभव है और न विकास के बिना शांति।

# मस्क का अरबपति अय्याशों की लिस्ट में आया नाम

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।**
टेस्ला और एक्स (पूर्व ट्विटर) के सीइओ एलन मस्क का नाम हाल ही में सार्वजनिक हुई सेक्स ट्रैफिकिंग रिंग की जेफ्री एपस्टीन फाइल्स में आया है। इन दस्तावेज़ों में कथित तौर पर मस्क और एपस्टीन के बीच संपर्क का जिक्र है। दस्तावेज़ों की नई खेप के बाद अमेरिकी राजनीति में हलचल मची है, लेकिन मस्क ने इस मामले पर स्पष्ट खंडन किया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी हाउस ओवरसाइट कमेटी को सौंपे गए दस्तावेज़ों में दिसंबर 2014 का जिक्र है, जिसमें कहा गया कि मस्क को एपस्टीन के निजी आइलैंड पर बुलाया गया था। दस्तावेज़ों में एक हाथ से लिखा नोट भी शामिल है- क्या यह अब भी होने वाला है? एलन मस्क ने इस पूरे मामले पर सोशल मीडिया पर जवाब देते हुए लिखा ये झूठ है। उन्होंने इसके अलावा कोई टिप्पणी नहीं की। सोशल मीडिया पर इस खबर को लेकर बहस और प्रतिक्रियाएँ तेजी से फैल रही हैं।एक्स (पूर्व ट्विटर) पर कई यूजर्स ने आरोप लगाया कि मीडिया बार-बार मस्क को निशाना बना रही है। कुछ ने कहा कि डेमोक्रेटिक पार्टी और उससे जुड़े मीडिया समूह मस्क को खतरा मानते हैं क्योंकि वह भ्रष्टाचार और प्रचारित नैरेटिव को उजागर करते हैं। इस अंतरराष्ट्रीय सेक्स ट्रैफिकिंग रिंग में केवल एलन मस्क ही नहीं, बल्कि अन्य बड़े नाम भी जुड़े हैं जिनमें ट्रंप के समर्थक पीटर थेल सिलिकॉन वैली के चर्चित कारोबारी और निवेशक, PayPal और Palantir के को-फाउंडर, स्टीव बेनन पूर्व व्हाइट हाउस चीफ स्ट्रैटेजिस्ट और Breitbart News के प्रमुख भी शामिल हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि यह फाइल्स अमेरिकी राजनीति और टेक इंडस्ट्री के बड़े नामों के लिए नए सवाल और आलोचनाओं का द्वार खोल सकती हैं।

# हाइब्रिड मॉडल से चल रहा है पाकिस्तान

### सेना और सरकार मिलकर करते हैं शासन, ख्वाजा आसिफ का कबूलनामा

**इस्लामाबाद / वॉशिंगटन , एजेंसी।**
पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने खुले तौर पर स्वीकार किया है कि देश में शासन का संचालन हाइब्रिड मॉडल के तहत होता है, जहां सेना और नागरिक सरकार मिलकर फैसले लेती है। आसिफ ने यह बयान एक पत्रकार को दिए एक साक्षात्कार में दिया है। उन्होंने साफ कहा कि पाकिस्तान की सत्ता में सेना का दखल है और निर्णय सहमति से लिए जाते हैं।

**पाकिस्तान में सेना प्रमुख का प्रभाव इतना ज्यादा क्यों?:** जब ख्वाजा आसिफ से पूछा गया कि पाकिस्तान में सेना प्रमुख का प्रभाव इतना ज्यादा क्यों है कि रक्षा मंत्री भी उसके अधीन दिखाई देते हैं। इस पर आसिफ ने कहा, यह पूरी तरह समान नहीं है, लेकिन फैसले सहमति से लिए जाते हैं। हम असहमत हो सकते हैं, लेकिन अंत में सामूहिक निर्णय ही लागू होता है। जब उनसे तुलना की गई कि अमेरिका में रक्षा मंत्री के पास जनरलों को बर्खास्त करने का अधिकार होता है, जबकि पाकिस्तान में



ऐसा नहीं है, तो आसिफ ने अमेरिका की व्यवस्था को डीप स्टेट कहकर टाल दिया।

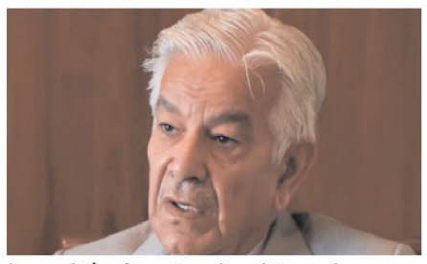

### पहले भी हाइब्रिड शासन की तारीफ कर चुके हैं आसिफ

पाकिस्तानी अखबार के मुताबिक, आसिफ ने पहले भी इस हाइब्रिड शासन प्रणाली की तारीफ करते हुए इसे पाकिस्तान की आर्थिक और प्रशासनिक समस्याओं को हल करने के लिए व्यावहारिक आवश्यकता बताया था। उनका कहना था कि यह आदर्श लोकतंत्र नहीं है, लेकिन मौजूदा हालात में यही व्यवस्था देश के लिए बेहतरीन काम कर रही है।

इस दौरान ख्वाजा आसिफ से पाकिस्तान के अमेरिका और चीन के बीच संतुलन पर भी सवाल पूछा गया। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की मेजबानी की थी। इस पर पूछा गया कि क्या अमेरिका से बढ़ते संबंध चीन के साथ पाकिस्तान की दोस्ती को प्रभावित करेंगे।

आसिफ ने कहा कि चीन को इस बात की कोई चिंता नहीं है। हमारा चीन के साथ संबंध दशकों पुराना और भरोसेमंद है। चीन हमारे हथियारों का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। हमारी वायुसेना, पनडुब्बियां और कई बड़े रक्षा उपकरण वहीं से आते हैं। अमेरिका जैसे देशों की अविश्वसनीयता की वजह से चीन के साथ हमारा सहयोग और भी मजबूत हुआ है। उन्होंने साफ कहा कि पाकिस्तान का रणनीतिक भविष्य चीन के साथ ही जुड़ा हुआ है, हालांकि अमेरिका के साथ संबंध लेन-देन वाले और थोड़े चोचलेबाजी जैसे रहे हैं। आसिफ ने सऊदी अरब के साथ हाल ही में हुए समझौते पर भी बात की। इस समझौते के तहत किसी एक देश पर हमले को दोनों पर हमला माना जाएगा। हालांकि जब उनसे पूछा गया कि क्या पाकिस्तान की परमाणु सुरक्षा छत्रछाया सऊदी अरब को भी कवर करेगी, तो उन्होंने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

# सुप्रीम कोर्ट से ट्रंप को राहत, फंडिंग पर रोक का फैसला बरकरार रखा, अरबों डॉलर की विदेशी मदद पर संकट

**वाशिंगटन, एजेंसी।**
अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को राहत मिली है। अदालत ने ट्रंप प्रशासन को लगभग 5 अरब डॉलर की विदेशी सहायता पर रोक लगाने के आदेश को आगे बढ़ा दिया है। यह कदम राष्ट्रपति पद के अधिकारों को लेकर चल रहे विवाद में ट्रंप को एक और बड़ी जीत दिलाता है।

अदालत के रूढ़िवादी बहुमत ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को कांग्रेस द्वारा स्वीकृत अरबों डॉलर की सहायता से जुड़े एक मामले में रिपब्लिकन प्रशासन की आपातकालीन अपील को स्वीकार कर लिया। हालांकि, तीन उदारवादी न्यायाधीशों ने इसका विरोध किया। ट्रंप ने पिछले महीने कहा था कि वह यह पैसा खर्च नहीं करेंगे। उन्होंने करीब 50 साल पहले इस्तेमाल की गई विवादित सांविधानिक शक्ति का हवाला दिया।

**निचली अदालत ने ट्रंप के फैसले को अवैध करार दिया था:** अमेरिकी जिला न्यायाधीश आमिर अली ने ट्रंप के फैसले को अवैध करार दिया था और कहा था कि फंडिंग रोकने के लिए कांग्रेस की मंजूरी जरूरी है। इस न्याय विभाग ने उच्च न्यायालय से हस्तक्षेप की मांग की। हालांकि, वाशिंगटन स्थित संघीय अपील अदालत ने भी न्यायाधीश अली के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। लेकिन मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने 9 सितंबर को आदेश पर अस्थायी रोक लगा दी, जिसे अब पूर्ण न्यायालय ने अनिश्चितकाल तक बढ़ा दिया है।

**पहली भी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप को दी है राहत :** यह पहली बार नहीं है जब सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप को राहत दी है। पहले भी कोर्ट ने आपातकालीन अपीलों पर ही प्रवासियों की सुरक्षा खत्म करने, हजारों संघीय कर्मचारियों को हटाने, ट्रांसजेंडर सैनिकों को सेना से निकालने और स्वतंत्र सरकारी एजेंसियों के प्रमुखों को हटाने की अनुमति दी थी। हालांकि ये सभी कानूनी जीतें अंतिम फैसला नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने 28 अगस्त को हाउस स्पीकर माइक जॉनसन को पत्र लिखकर कहा था कि वह 4.9 अरब डॉलर की कांग्रेस से मंजूर विदेशी मदद खर्च नहीं करेंगे। इसके लिए उन्होंने पॉकेट रिसीशन (अधिनियम रद्दीकरण) नाम की दुर्लभ प्रक्रिया अपनाई। इसके तहत राष्ट्रपति बजट वर्ष के आखिर में कांग्रेस से अनुरोध कर सकता है कि स्वीकृत पैसा खर्च न किया जाए। लेकिन बजट वर्ष खत्म होने से पहले 45 दिन की मंजूरी की अवधि पूरी नहीं होती, जिससे व्हाइट हाउस का दावा है कि पैसे खर्च न करने का अधिकार मिल जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि विदेश नीति पर राष्ट्रपति की शक्तियां इस मामले में अहम हैं। हालांकि अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यह अंतिम फैसला नहीं है। जज एलेना कागन ने असहमति जताते हुए कहा, इस फैसले का असर यह होगा कि पैसा अपने असली लाभार्थियों तक कभी नहीं पहुंचेगा, क्योंकि बजट वर्ष खत्म होते ही यह फंड हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा। उनके साथ जज सोनिया सोटोमेयर और केतनजी ब्राउन जैक्सन भी शामिल हुईं।

# 9 महीने में 28 हजार से ज्यादा भूकंप के झटके

**सेंटोरिनी, एजेंसी।** ग्रीस का प्रसिद्ध सेंटोरिनी द्वीप इस साल लगातार भूकंपों की झलकियों से हिल उठा। सिर्फ 9 महीनों में 28,000 से ज्यादा भूकंप दर्ज किए गए, जिससे द्वीपवासी और पर्यटक दोनों ही डर और आश्चर्य में थे। वैज्ञानिकों ने अब इस असामान्य गतिविधि का रहस्य सुलझा लिया है। उनका कहना है कि इन भूकंपों की मुख्य वजह पृथ्वी की गहराई से ऊपर उठता मैग्मा है। यह मैग्मा चट्टानों को तोड़ता है और रास्ते बनाता है, जिससे तेज झटके महसूस होते हैं।

वैज्ञानिकों ने सेंटोरिनी और इसके सात किलोमीटर दूर स्थित कोलुम्बो अंडरवाटर ज्वालामुखी में लगाए गए उपकरणों से डेटा इकट्ठा किया। इस डेटा का विश्लेषण करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल किया गया। इसके माध्यम से भूकंपों की गति और पैटर्न को समझा गया। तर्स्न के जियोफिजिस्ट डॉ. मारियस इस्केन ने बताया कि मैग्मा ऊपर उठते समय चट्टानों को तोड़ता है और इससे भूकंप के तेज झटके महसूस होते हैं। उनका विश्लेषण बताता है कि मैग्मा का रास्ता और गति अब वैज्ञानिकों के लिए पहले से कहीं अधिक स्पष्ट हो गई है।

सेंटोरिनी क्षेत्र सक्रिय भूगर्भीय दरारों से होकर गुजरता है। भूमध्यसागर के नीचे मौजूद माइक्रोप्लेट्स खिसकते हैं, जिससे धरती की सतह टूटती है। प्लेटों के धंसने और पिघलने के कारण ज्वालामुखी गतिविधि भी होती है। सेंटोरिनी पहले भी कई बार ज्वालामुखी विस्फोटों का गवाह रहा है। 1956 में यहाँ दो बड़े भूकंप आए थे, जिनकी तीव्रता क्रमशः 7.4 और 7.2 रिक्टर थी, और इसके चलते सुनामी भी आई थी।

### 2025 के भूकंप और मैग्मा की गतिविधि

जुलाई 2024 में मैग्मा सेंटोरिनी के नीचे उथले हिस्से तक पहुंचा और कुछ सेंटीमीटर ऊपर उठ गया। जनवरी 2025 में यह और ऊपर उठने लगा, जिससे लगातार भूकंप शुरू हो गए। वैज्ञानिकों ने बताया कि लगातार भूकंपों की वजह से मैग्मा का केंद्र 18 किलोमीटर गहराई से ऊपर उठकर केवल 3 किलोमीटर नीचे तक आ गया। यही प्रक्रिया इस साल रिकॉर्ड किए गए 28,000+ भूकंपों की मुख्य वजह बनी।

### वैज्ञानिकों की बड़ी खोज

इस रिसर्च ने सेंटोरिनी के भूगर्भीय रहस्य को सुलझाने में मदद की है। अब यह स्पष्ट हो गया है कि भूकंप केवल प्लेट मूवमेंट या प्राकृतिक विस्फोटों की वजह से नहीं, बल्कि नीचे से उठते हुए मैग्मा की वजह से भी हो सकते हैं। इस जानकारी से भविष्य में भूकंप चेतावनी और ज्वालामुखी निगरानी प्रणाली को और सटीक बनाने में मदद मिलेगी। डॉ. इस्केन ने यह भी बताया कि मैग्मा की गति और रास्ते को समझने से वैज्ञानिक अब यह अनुमान लगा सकते हैं कि किस इलाके में भूकंप या ज्वालामुखी गतिविधि तेज हो सकती है। यह जानकारी स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। हालांकि सेंटोरिनी एक खूबसूरत द्वीप है, यह भूगर्भीय गतिविधियों की वजह से हमेशा संवेदनशील रहा है। लगातार भूकंप और ज्वालामुखी खतरे के बीच, वैज्ञानिक और प्रशासन मिलकर यहां की सुरक्षा और

# विवादित समुद्री सीमा में घुसा उत्तर कोरियाई जहाज

### दक्षिण कोरिया ने की गोलियों की बौछार तो लौटा वापस

**सियोल, एजेंसी।**
दक्षिण कोरिया की सेना ने शुक्रवार तड़के चेतावनी गोलियां चलाकर एक उत्तर कोरियाई व्यापारी जहाज को खदेड़ दिया, जो दोनों देशों के बीच विवादित पश्चिमी समुद्री सीमा को पार कर गया था। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 5 बजे बैंगनयोंग द्वीप के पास हुई। सेना ने पहले जहाज को ऑडियो संदेश के जरिए चेतावनी दी और फिर चेतावनी गोलियां चलाईं, जिसके बाद जहाज तुरंत लौट गया।

**समुद्री सीमा की सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार- दक्षिण कोरिया:** अभी तक यह जानकारी नहीं मिली है कि उत्तर कोरिया ने गोलीबारी का जवाब दिया या किसी तरह की ताकत का इस्तेमाल किया। वहीं दक्षिण कोरिया ने कहा कि यह कार्रवाई तय सैन्य प्रक्रिया के तहत की गई और सेना अपनी समुद्री सीमा की सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है।

**नॉर्दर्न लिमिट लाइन है विवाद की वजह:** दोनों देशों के बीच यह समुद्री सीमा, जिसे नॉर्दर्न लिमिट लाइन (एनएलएल) कहा जाता है, ठीक से चिह्नित नहीं है। इस वजह से यहां अक्सर टकराव की घटनाएं होती रहती हैं। 2010 में उत्तर कोरिया ने एक दक्षिण कोरियाई द्वीप पर गोलाबारी की थी और एक नौसैनिक जहाज पर कथित तौर पर टॉरपीडो हमला किया था, जिनमें 50 दक्षिण कोरियाई नागरिक मारे गए थे। बता दें कि, उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने जनवरी 2024 में कहा था कि उनका देश इस सीमा को मान्यता नहीं देता। उनका दावा है कि वास्तविक सीमा और आगे दक्षिण कोरिया के नियंत्रण वाले समुद्री क्षेत्र में आती है।

इससे पहले 2022 में भी दोनों देशों ने चेतावनी गोलियां चलाई थीं, जब एक उत्तर कोरियाई व्यापारी जहाज ने इसी समुद्री सीमा को पार किया था। फिलहाल, कोरियाई प्रायद्वीप पर तनाव लगातार बढ़ रहा है। उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया की बातचीत फिर से शुरू करने की अपील को नजरअंदाज कर रहा है और किम जोंग उन लगातार अपने हथियार कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहे हैं। इसके साथ ही, फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से उत्तर कोरिया और रूस के बीच संबंध भी और गहरे हो गए हैं।

### फिर लौट आया कोरोना... इस देश में फैल रहा वायरस का नया वेरिएंट

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** पिछले कुछ सालों में कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को मौत के मुंह में डाल दिया था। हालांकि वैक्सीन और इलाज ने लोगों को राहत दी, लेकिन वायरस के नए वेरिएंट चिंता का कारण बने हुए हैं। हाल ही में कोरोना का नया वेरिएंट ङ्कस्नत्न या स्ट्रेटस सामने आया है, जो इस साल जनवरी में सबसे पहले दक्षिण-पूर्व एशिया में पाया गया था और अब कई देशों में फैल चुका है। विशेषज्ञों के अनुसार इसके मामले लगातार बढ़ रहे हैं और सतर्कता बरतना जरूरी है। स्ट्रेटस वेरिएंट जनवरी 2025 में दक्षिण-पूर्व एशिया में पाया गया।

## एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक टी20 जीत के मामले में दूसरे पायदान पर पहुंचा भारत

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत ने एशिया कप 2025 में सुपर-4 राउंड के आखिरी मैच में श्रीलंका को सुपर ओवर में हराया। इसी के साथ टीम इंडिया किसी एक टीम के विरुद्ध सर्वाधिक टी20 मुकाबले जीतने के मामले में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गई। रोचक बात यह है कि भारत और श्रीलंका के बीच पिछले 2 टी20 मैच टाई रहे हैं, जिन्हें भारत ने सुपर ओवर में जीता।

किसी एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक जीत के मामले में पाकिस्तान शीर्ष पर है, जिसने न्यूजीलैंड के विरुद्ध 49 टी20 मुकाबलों में 24 जीत दर्ज की है। वहीं, इंग्लैंड की टीम पाकिस्तान के विरुद्ध 31 टी20 मुकाबलों में 21 मैच जीत चुकी है। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 5 विकेट खोकर 202 रन बनाए। भारतीय टीम 15 के स्कोर पर शुभमन गिल (4) का विकेट गंवा चुकी थी। यहां से कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अभिषेक शर्मा के साथ 59 रन की साझेदारी की, जिसने भारत को संभाला। सूर्या 13 गेंदों में 12 रन बनाकर आउट हुए, जबकि अभिषेक शर्मा ने 31 गेंदों में 2 छक्कों और 8 चौकों की मदद से 61 रन की पारी खेली। भारतीय टीम 92 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा चुकी थी। यहां से तिलक वर्मा ने संजू सैमसन के साथ 66 रन जुटाते हुए टीम को 150 के पार पहुंचाया। तिलक वर्मा 34 गेंदों में 49 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि सैमसन ने 39 रन की पारी खेली। विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम ने भी 20 ओवरों के खेल तक 5 विकेट खोकर 202 रन बनाए। पथुम निसांका ने 107 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि कुसल परेरा ने 58 रन टीम के खाते में जोड़े। इसके बाद खेल सुपर ओवर तक पहुंचा, जिसमें भारत ने आसान जीत दर्ज कर ली।

## बिग बैश लीग में खेलेंगे रविचंद्रन अश्विन, इस टीम ने कर लिया साइन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पूर्व भारतीय दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अब बिग बैश लीग में खेलते दिखेंगे. बीबीएल टीम सिडनी थंडर ने अश्विन को साइन कर लिया है. अश्विन ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में खेले वाले पहले भारतीय क्रिकेट होंगे. वह बीबीएल में डेविड वॉर्नर की सिडनी थंडर के लिए खेलते दिखेंगे.

इसी साल इंटरनेशनल क्रिकेट और आईपीएल से संन्यास लेने वाले 39 साल के रविचंद्रन अश्विन 14 दिसंबर से 25 जनवरी तक होने वाले बीबीएल के दूसरे हाफ में उपलब्ध होंगे. यानी वह पूरे टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे. अश्विन टूर्नामेंट के बीच में सिडनी थंडर से जुड़ेंगे. अश्विन के हवाले से कहा, सिडनी थंडर मेरे इस्तेमाल के बारे में स्पष्ट थे. उनके साथ मेरी बातचीत बहुत अच्छी रही और हम मेरी भूमिका को लेकर पूरी तरह सहमत हैं. मुझे डेव (डेविड) वॉर्नर का खेल बहुत पसंद है. मैं टीम के लिए प्रदर्शन करने के लिए बेताब हूं. सिडनी थंडर के महाप्रबंधक ट्रेंट कोपलैंड ने इसे बीबीएल के इतिहास में सबसे बड़ा करार बताया. कोपलैंड ने कहा, मुझे लगता है कि यह बीबीएल के इतिहास में यकीनन सबसे बड़ा करार है. पहला महान भारतीय और खेल का आइकॉन. वह बहुत प्रतिस्पर्धी खिलाड़ी है. अश्विन बीबीएल में खेलने वाले पहले भारतीय पुरुष क्रिकेटर होंगे. भारत में जन्में उन्मुक्त चंद और निखिल चौधरी विदेश में शिफ्ट होने के बाद बीबीएल में खेले थे. अश्विन बिग बैश लीग से पहले एक अन्य विदेशी लीग में भी खेलते दिख सकते हैं. रवि अश्विन आईएलटी 20 नीलामी में शामिल हुए हैं. 04 जनवरी को लीग के खत्म होने के बाद वह बीबीएल के दूसरे हाफ में थंडर से जुड़ेंगे.

**एशिया कप फाईनल:**

# भारत-पाकिस्तान की ऐतिहासिक टक्कर आज

**नई दिल्ली, एजेंसी।** एशिया कप 2025 अब अपने रोमांचक फाइनल मुकाम पर पहुंच चुका है और अब क्रिकेट फैन्स को मिलेगा वह मुकाबला, जो इस टूर्नामेंट का सबसे ज्यादा रोमांचक होने वाला है. भारत बनाम पाकिस्तान एशिया कप 2025 का फाइनल रविवार, 28 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा. यह पहला मौका होगा जब भारत और पाकिस्तान एशिया कप के फाइनल में भिड़ेंगे. ऐसे में यह मैच सिर्फ एक ट्रॉफी के लिए नहीं, बल्कि गर्व और प्रतिष्ठा के लिए भी होगा.

भारत और पाकिस्तान का सफर

टीम इंडिया पूरे टूर्नामेंट में अब तक अजेय रही है. सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम ने दमदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों से प्रभावित किया है. दूसरी ओर, पाकिस्तान ने सुपर-4 में बांग्लादेश को हराकर फाइनल का टिकट पक्का किया था. सलमान अली आगा की

कप्तानी वाली टीम फाइनल में अपनी कमजोरियों को पीछे छोड़कर नया इतिहास रचने उतरेगी.

### फाइनल का रोमांच, दुबई की पिच

40 साल से ज्यादा पुराने एशिया कप इतिहास में यह पहला भारत-पाक फाइनल है. दुबई की पिच पर बल्लेबाजों और गेंदबाजों, दोनों को मदद मिल सकती है.

फैन्स उम्मीद कर रहे हैं कि अभिषेक शर्मा, सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह और शाहीन अफरीदी जैसे स्टार खिलाड़ी मैदान पर अपनी छाप छोड़ेंगे.

### दोनो टीमों की संभावित प्लेइंग 11

● **भारत:** अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव(कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन(विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह.

● **पाकिस्तान:** सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), मोहम्मद नवाज, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी.

## एशिया कप: मैच हारा, मगर इतिहास रच गई पथुम निसांका-कुसल परेरा की जोड़ी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत ने एशिया कप 2025 के अंतिम सुपर 4 मुकाबले में श्रीलंका को सुपर ओवर में शिकस्त दी। इस मुकाबले में पथुम निसांका और कुसल परेरा की जोड़ी ने टी20 फॉर्मेट के एशिया कप में सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड विराट कोहली और के एल राहुल के नाम था, जिन्होंने 8 सितंबर 2022 को अफगानिस्तान के खिलाफ सुपर-4 मुकाबले में पहले विकेट के लिए 119 रन जोड़े थे। टी20 फॉर्मेट के एशिया कप में 100+ साझेदारी के मामले में तीसरी जोड़ी पाकिस्तान के उमर अकमल और शोएब मलिक की है, जिसने 29 फरवरी 2016 को यूएई के खिलाफ चौथे विकेट के लिए अटूट 114 रन की साझेदारी की थी। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 202 रन बनाए।

टीम इंडिया की ओर से सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 61 रन की पारी खेली, जबकि तिलक वर्मा ने नाबाद 49 रन बनाए। इसके जवाब में श्रीलंकाई टीम ने भी निर्धारित ओवरों में 5 विकेट खोकर 202 रन बनाए। इस टीम के लिए पथुम निसांका ने 58 गेंदों में 6 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 107 रन की पारी खेली, जबकि कुसल परेरा ने 58 रन टीम के खाते में जुटाए। मैच सुपर ओवर तक पहुंचा, जहां श्रीलंकाई टीम सिर्फ 2 रन बना सकी और भारत ने पहली ही गेंद पर जीत दर्ज की। अब रविवार को भारत-पाकिस्तान के बीच खिताबी मुकाबला खेला जाना है।

## उन्हें बेंच पर बैठा देना चाहिए, इस स्टार खिलाड़ी के खराब प्रदर्शन से निराश हुए वकार यूनुस

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत के खिलाफ दो करारी हार के बावजूद पाकिस्तान किसी तरह एशिया कप 2025 के फाइनल में जगह बनाने में कामयाब रहा। हालांकि टूर्नामेंट की सबसे बेहतरीन फॉर्म में चल रही टीम भारत के खिलाफ फाइनल मुकाबले को देखते हुए, पाकिस्तानी खेमे में कुछ खिलाड़ियों की फॉर्म को लेकर चिंताए हैं। पाकिस्तान के महान खिलाड़ी वकार यूनिस के लिए सैम अयूब ऐसे ही एक खिलाड़ी हैं, जिन्होंने यूएई में एशिया कप अभियान की शुरुआत से अब तक 6 मैचों में केवल 23 रन बनाए हैं। यूनिस का साफ कहना है कि अयूब को टीम से बाहर ही रखना चाहिए। सैम ने एशिया कप में पाकिस्तान के लिए 6 मैच खेले हैं, जिनमें से 4 में वह खाता खोले बिना ही आउट हो गए। वकार यूनुस ने सोनी लिव पर कहा,देखिए, मैंने दूसरी बार शून्य पर आउट होने के बाद कहा था, मैंने कहा था कि इस खिलाड़ी को बेंच पर बैठा देना चाहिए। ऐसा नहीं है कि वह प्रतिभाशाली नहीं है, वह बहुत प्रतिभाशाली है। मुझे लगता है कि वह पाकिस्तान क्रिकेट का भविष्य है। लेकिन कभी-कभी जब चीजें आपके अनुकूल नहीं होती हैं, तो आप बस

अपने आप में सिमट जाते हैं, लगातार नीचे गिरते रहते हैं और यही उसके साथ हो रहा है। आज दोपहर जब वह मैदान पर आया तो उसकी बॉडी लैंग्वेज खराब थी। अयूब बल्ले से पूरी तरह फ्लॉप रहे हैं, लेकिन उन्होंने गेंद से पाकिस्तान को कुछ विकेट दिलाए हैं, इसलिए टीम में अपनी जगह बरकरार रखने में कामयाब रहे हैं। लेकिन यूनिस चाहते हैं कि उनकी बल्लेबाजी के आधार पर ही कोई कड़ा फैसला लिया जाए और उन्होंने प्रबंधन से उन्हें फाइनल के लिए बेंच पर बैठाने की मांग की।

वकार यूनुस ने आगे कहा, पाकिस्तान उन्हें खिलाता रहा, सिर्फ इसलिए कि वह गेंदबाजहै कर सकते हैं। आपको उनकी गेंदबाजी की चिंता करने की जरूरत नहीं है, पाकिस्तान को उनकी बल्लेबाजी की चिंता करने की जरूरत है। वह हमें रन देंगे या नहीं।

## चेस: ग्लोबल शतरंज लीग में इस टीम से खेलेंगे गुकेश और एरिगैसी

### 13 दिसंबर से खेला जाएगा टूर्नामेंट

**मुंबई , एजेंसी।** टेक महिंद्रा और फिडे की संयुक्त पहल पर छह टीमों वाले जीसीएल का तीसरा सत्र 13 से 24 दिसंबर तक मुंबई में आयोजित किया जाएगा। विश्व चैंपियन डी. गुकेश और अर्जुन एरिगैसी जैसे शीर्ष भारतीय ग्रैंडमास्टर अगामी ग्लोबल शतरंज लीग (जीसीएल) में पीबीजी अलास्का नाइट्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। पीबीजी अलास्का नाइट्स फ्रेंचाइजी इस लीग के तीसरे सत्र के लिए शुक्रवार को आयोजित खिलाड़ियों के ड्राफ्ट से भारत के इन दोनों शीर्ष खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ने में सफल रही। टेक महिंद्रा और फिडे की संयुक्त पहल पर छह टीमों वाले जीसीएल का तीसरा सत्र 13 से 24 दिसंबर तक मुंबई में आयोजित किया जाएगा। अल्पाइन एसजी पाइपर्स ने अमेरिका के ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना को अपने साथ जोड़ा। पीबीजी अलास्का नाइट्स ने अन्य फ्रेंचाइजी टीमों को पछाड़कर गुकेश को अपनी टीम में शामिल किया। पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद गंगा ग्रैंडमास्टर्स के साथ बने रहे। विश्व के पांचवें नंबर के एरिगैसी के लिए तीन टीमों ने कड़ी बोली लगाई लेकिन अंत में पीबीजी अलास्का नाइट्स ने बाजी मारी।

## एशिया कप फाइनल से पहले सूर्या को गावस्कर से मिली खास सलाह

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सुनील गावस्कर का मानना है कि श्रीलंका के खिलाफ कठिन मैच ने भारत को संयम और धैर्य दिखाने का मौका दिया और यह फाइनल से पहले टीम के लिए लाभदायक होगा. अर्शदीप सिंह की शानदार गेंदबाज़ी ने सुपर ओवर में जीत दिलाई, जिससे भारत का आत्मविश्वास और बढ़ा है. एशिया कप फाइनल से पहले महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने सूर्यकुमार यादव को सलाह दी है कि पाकिस्तान के खिलाफ मैदान पर उतरने के बाद अपनी नैचुरल गेम खेलने से पहले कुछ गेंदें लेकर पिच की स्थिति को समझें. अब तक टूर्नामेंट में 35 वर्षीय सूर्यकुमार ने 5 पारियों में केवल 71 रन बनाए हैं. उनका औसत 23.66 और स्ट्राइक रेट 107.57 रहा है. उनका स्कोर रहा- 7 नॉटआउट, 47 नॉटआउट, 0, 5 और 12. एशिया कप का यह प्रदर्शन

आईपीएल 2025 से बिल्कुल अलग रहा, जहां उन्होंने 717 रन 65.18 की औसत और 167.91 की स्ट्राइक रेट से बनाए थे. शुक्रवार को श्रीलंका के खिलाफ सूर्यकुमार ने 13 गेंदों पर 12 रन बनाए और फिर वानिंदु हसरंगा का शिकार बने. गावस्कर ने भारत की खिताबी उम्मीदों के लिए परिस्थितियों के हिसाब से खुद को ढालने की अहमियत पर ज़ोर दिया.

### गावस्कर ने दी सूर्या को सलाह

गावस्कर ने कहा, वो क्लास खिलाड़ी हैं. मेरी बस यही सलाह होगी कि वे बीच में जाकर तीन-चार गेंदें लें और हालात को परखें. गेंद की गति, उछाल या टर्न को देखें. डगआउट से देखकर और मैदान पर खेलते हुए हालात अलग महसूस हो सकते हैं. उन्होंने आगे कहा, कभी-कभी अगर कोई बल्लेबाज पहले से सेट है तो लगेगा कि पिच में कुछ नहीं है. लेकिन हमेशा बेहतर यही होता है कि कुछ गेंदें खेलकर हालात समझो और फिर अपना नैचुरल गेम खेलो. गावस्कर ने कहा कि फाइनल से पहले का कठिन दिन भारत के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है. श्रीलंका के खिलाफ सुपर ओवर की जीत ने टीम की धैर्य और संयम की क्षमता दिखा दी.

**चाईना ओपन टेनिस:**

## शीर्ष वरीय इगा स्वियातेक चीन ओपन के तीसरे दौर में, युआन यू को सीधे सेटों में हराया

**बीजिंग, एजेंसी।** डब्ल्यूटीए ने कहा कि शनिवार की जीत के साथ स्वियातेक लगातार तीन सत्र में डब्ल्यूटीए-1000 स्पर्धाओं में 25 या उससे अधिक जीत दर्ज करने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं। विंबलडन चैंपियन इगा स्वियातेक ने शनिवार को युआन यू को सीधे सेट में 6-0, 6-3 से हराकर चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में प्रवेश करके डब्ल्यूटीए टूर में इतिहास रच दिया। डब्ल्यूटीए ने कहा कि शनिवार की जीत के साथ स्वियातेक लगातार तीन सत्र में डब्ल्यूटीए-1000 स्पर्धाओं में 25 या उससे अधिक जीत दर्ज करने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं। अन्य मुकाबलों में चौथी वरीयता प्राप्त मीरा आंद्रीवा ने चीन की झू लिन को 6-2, 6-2 से हराया जबकि अमेरिका की ऐमा नवारो ने एलेना-गैब्रियल रुसे को 6-3, 7-6 से शिकस्त दी।

## युवराज सिंह के पिता योगराज ने भारत-पाकिस्तान फाइनल से पहले हारिस और फरहान को दी चेतावनी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** एशिया कप 2025 के फाइनल में भारत और पाकिस्तान की टीम पहुंच चुकी है और इस महामुकाबले से पहले कई कंट्रोवर्सी सामने आ चुकी हैं। एशिया कप में फाइनल से पहले भारत-पाकिस्तान के बीच 2 मैच हो चुके हैं और दोनों में भारत को जीत मिली थी, लेकिन दोनों मैचों में कुछ ना कुछ ऐसा हुआ जिसने जमकर सुर्खियां बटोरी। भारत-पाकिस्तान के बीच ग्रुप मैच के दौरान भारतीय खिलाड़ियों का पाकिस्तान से हाथ नहीं मिलाना और सूर्यकुमार यादव के बयान ने सुर्खियां बटोरी तो वहीं सुपर 4 के मुकाबले में हारिस रऊफ और साहिबजादा फरहान के गेस्चर व बातों ने सबका ध्यान खींचा। सुपर 4 मुकाबले में हारिस राऊफ ने भारतीय खिलाड़ियों के साथ अभद्र व्यवहार किया था जबकि फरहान ने अपनी अर्धशतकीय पारी के बाद गन सेलीब्रेशन किया था।

योगराज सिंह ने दिया विवादित बयान

सुपर 4 मैच में हारिस रऊफ और शाहीन अफरीदी ने अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल को परेशान करने की कोशिश की तो भारतीय ओपनरों ने पाकिस्तानी गेंदबाजों को बल्ले से करारा जवाब दिया। रऊफ काफी आक्रामक थे लेकिन भारतीय बल्लेबाजों ने भी उन्हें उसी अंदाज में जवाब दिया। अब भारत के पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह ने एक विवादित बयान देकर इस मामले को और बढ़ा दिया है। दोनों देशों के बीच फाइनल मुकाबले से पहले ये बयान काफी चर्चा में है। योगराज सिंह ने कहा कि वह हमेशा अपने देश के साथ रहेंगे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने सभी को याद दिलाया कि दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव के बावजूद दोनों तरफ के खिलाड़ियों का सम्मान होना चाहिए और हमें उसी तरह से प्रतिक्रिया देनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तानी खिलाड़ियों को गलत तरीके से निशाना बनाया जाता है जो क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं है। योगराज सिंह ने कहा कि मैं हमेशा अपने देश के साथ रहूंगा। मैं इस देश का नागरिक हूं। अगर कोई मेरे देश के खिलाफ कुछ कहता है, तो मैं उसे बर्दाश्त नहीं करूंगा। मैं मुंडी काट दूंगा। लेकिन जहां तक खिलाड़ियों की बात है, उनका सम्मान होना चाहिए।



## क्रिकेटरों की कड़ी मेहनत ने मुझे बचपन में प्रेरित किया: उसैन बोल्ट

**मुंबई, एजेंसी।** ओलंपिक में स्वर्ण पदकों की झड़ी लगाने वाले दुनिया के सबसे तेज धावक उसैन बोल्ट ने खुलासा किया है कि क्रिकेटरों की कड़ी मेहनत ने उन्हें एथलेटिक्स में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित किया है। जमनाबाई नरसी परिसर में एक फायरसाइड चैट में जमैका के इस धावक ने कहा, मैं बचपन से ही क्रिकेट का बहुत बड़ा प्रशंसक रहा हूं। मैंने बचपन से ही क्रिकेट देखा है। क्रिकेटरों की प्रतिभा को देखना, उनके काम करने का तरीका, खुद को आगे बढ़ाने का तरीका और खुद को ढालने का तरीका, इन सबने मुझे छोटी उम्र में ही कड़ी मेहनत करने और सर्वश्रेष्ठ बनने के लिए प्रेरित किया। बोल्ट ने कहा, भारत में होना एक अविश्वसनीय अनुभव है। इतने सारे उत्साही प्रशंसकों से मिलना मुझे याद दिलाता है कि खेल क्यों मायने रखते हैं और क्यों वे दुनिया भर के लोगों को जोड़ते हैं। यहां की ऊर्जा अद्भुत है, और मुझे ड्रीम सेट गो के उस विजन का हिस्सा बनकर खुशी हो रही है, जो विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करता है, जो प्रशंसकों को उनके पसंदीदा खेलों के और भी करीब लाता है। उन्होंने कहा, मेरे लिए, यह कड़ी मेहनत जितना ही सरल है, आप समझ रहे हैं न? इसमें खेल के प्रति कड़ी मेहनत और समर्पण की जरूरत होती है। मुझे ट्रैक एंड फील्ड बहुत पसंद है, इसलिए यह एक ऐसी चीज है, जिसे मैं बचपन से ही पसंद करता रहा हूं और मैंने इस पर बहुत मेहनत की है। यह एक कठिन सफर था, क्योंकि शीर्ष पर पहुंचना कभी आसान नहीं होता। मैं सचमुच दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनना चाहता था। इसलिए मैंने चोटों, शंकाओं और कठिन समय के बावजूद खुद को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक बनने के लिए प्रेरित किया। एक निजी यात्रा पर मुंबई आए बोल्ट दिल्ली भी आने वाले हैं।

## अंधी रफ्तार से हाइवे पर दौड़ रही थार, अनियंत्रित होकर डिवाइडर से भिड़ी, 5 की मौत 1 गंभीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। शनिवार सुबह दिल्ली-जयपुर हाईवे पर दर्दनाक हादसा हो गया। दिल्ली से गुरुग्राम की तरफ अंधी रफ्तार से दौड़ रही थार क्रमांक यूपी 81 सीएस 2319 अचानक अनियंत्रित हुई और डिवाइडर से जाकर भिड़ गई, इसके बाद तेजी से ऊपर उछली और जमीन पर आते ही पलट गई। इस हादसे में 3 लड़कियों समेत 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक की हालत गंभीर है। घटना झाड़सा चौक के पास शनिवार की सुबह 4:30 बजे की है। पुलिस के अनुसार, जब थार कार का ड्राइवर तेज गति के कारण नियंत्रण खो बैठा और गाड़ी डिवाइडर से टकराकर कई बार पलट गई। यह हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए।पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया और क्षतिग्रस्त वाहन को मुख्य मार्ग से हटाया। हादसे की जांच जारी है। पुलिस मृतकों की पहचान करने की कोशिश में जुटी है। जानकारी के अनुसार, हादसे के वक्त कार दिल्ली से गुरुग्राम की ओर जा रही थी। गाड़ी में कुल छह लोग सवार थे, जिनमें तीन युवक और तीन युवतियां शामिल थीं। हादसे में दो युवतियों और दो युवकों समेत 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, एक लड़की ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं, एक युवक गंभीर रूप से घायल है और निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है।

## कांग्रेस विधायक की धमकी, प्रदूषण फैला रही अरबिंदो फार्मा इकाई को आग लगा दूंगा

हैदरबाद (एजेंसी)। तेंलगाना के महबूबनगर के जादचेरला से कांग्रेस विधायक जे अनिरुद्ध रेड्डी ने धमकी दी है कि वे प्रदूषण फैला रही अरबिंदो फार्मा इकाई को आग लगा दूंगा। विधायक ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) को इकाई के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने के लिए एक दिन का समय दिया है। कांग्रेस विधायक अनिरुद्ध ने कहा कि यदि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी उनके निर्वाचन क्षेत्र में मुदिरेड्डीपल्ली नाले में अपशिष्ट छोड़ने के लिए कंपनी के खिलाफ कार्रवाई नहीं करते वे खुद आग लगाने जाएंगे। विधायक अनिरुद्ध ने वीडियो संदेश में कहा कि पीसीबी से बार-बार शिकायतें की गईं। राज्य विधानसभा में मुद्दा उठाया गया, बावजूद इसके इस प्रदूषण पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। विधायक अनिरुद्ध ने वीडियो संदेश में कहा कि पोलेपल्ली स्पेशल इकोनॉमिक जोन में चल रही अरबिंदो फार्मा यूनिट, मुदिरेड्डीपल्ली जलाशय में अपशिष्ट छोड़ रही है, इससे हजारों मछलियां मर रही हैं और खेती वाला इलाका प्रदूषित हो रहा है। मैं प्रदूषण बोर्ड को एक दिन का समय दे रहा हूं। मैं एक वीडियो भेजूंगा कि कैसे (प्लांट से) (प्रदूषक) पानी छोड़ा जा रहा है। अगर कोई कार्रवाई नहीं हुई, तब मैं रविवार सुबह 11 बजे फैक्ट्री पहुंचूंगा और फैक्ट्री को जला दूंगा।

## दिल्ली में अवैध पटाखों का जखीरा बरामद, परिवार गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने राजौरी गार्डन इलाके में छापेमारी कर 3,580 किलोग्राम अवैध पटाखे बरामद किए हैं। इस कार्रवाई में एक परिवार—पति, पत्नी और उनका बेटा—को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी परिवार अपने घर को गोदाम में बदलकर पटाखों की री-पैकिंग कर रहा था और इन्हें सप्लाई करने की तैयारी में था। पुलिस ने पश्चिमी दिल्ली के राजौरी गार्डन स्थित एक घर पर छापा मार कार्रवाई करते हुए करीब 3580 किलो से अधिक अवैध पटाखे जब्त किए हैं। सुप्रीम कोर्ट के प्रतिबंध के बावजूद आरोपी परिवार ऊंचे मुनाफे के लालच में पटाखों की री-पैकिंग और बिक्री करने में व्यस्त था। इस अवैध कारोबार में लिप्त होने के आरोप में पुलिस ने घर के मालिक सुशील कक्कड़, पत्नी उपासना कक्कड़ और बेटे शिवम कक्कड़ को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच से पता चला है, कि ये पटाखे मेरठ, गुरुग्राम और गाजियाबाद से मंगवाए गए थे। गौरतलब है कि दिल्ली-एनसीआर में पटाखों का निर्माण और बिक्री प्रतिबंधित है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में दिल्ली-एनसीआर में पटाखों के निर्माण की अनुमति दे दी है, लेकिन बिक्री पर फिलहाल रोक जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

## ठेकेदारों, व्यापारियों से वसूली करने वाले दो माओवादियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

रांची (एजेंसी)। एनआईए ने रांची स्थित एनआईए की विशेष कोर्ट में दो माओवादियों के विरुद्ध दूसरी पूरक चार्जशीट दाखिल की है। इन माओवादियों में पश्चिमी सिंहभूम जिले का जयपाल देवगम व छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले का बुदरू पदम उर्फ रोहित पदम शामिल हैं। एनआईए ने शुक्रवार को पेश चार्जशीट में बताया है कि ये दोनों ही माओवादी प्रतिबंधित भाकपा माओवादी संगठन के सक्रिय कार्यकर्ता थे और आतंकी गतिविधियों की साजिश रचने में शामिल थे। ये माओवादियों की बैठक में शामिल होते थे। माओवादियों के लिए ठेकेदारों, व्यापारियों से जबरन वसूली करते थे। संगठन के साथियों के साथ दहशत फैलाने से लेकर माओवादी गतिविधियों में हथियार चलाने में भी शामिल थे। इन दोनों ने अन्य कुख्यात माओवादियों को शरण भी दी थी, ताकि आतंक फैलाने के साथ आपराधिक साजिश को बढ़ावा दे सकें। एनआईए इस मामले में अभी जांच कर रही है। इससे पहले एनआईए ने जुलाई 2025 में चार्जशीट दाखिल की थी। इससे पहले पश्चिमी सिंहभूम जिले की टोंटो थाने की पुलिस ने भी मार्च 2024 में पांच आरोपितों पर अपनी पहली चार्जशीट दाखिल की थी। एनआईए ने यह चार्जशीट पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोंटो थाना क्षेत्र के हुसिपी और राजाभासा गांवों के बीच जंगल से 24 मार्च 2024 को बरामद 10 लाख 50 हजार रुपए नगद, वाकी-टाकी, टेबलेट, पावर बैंक, रेडियो सेट, लेवी बरामदी रसीद, जिलेटिन स्टीक, नेक बैंड आदि बरामद की थी। यह बरामदगी माओवादियों के सहयोगी राजेश देवगम की निशानदेही पर की थी। राजेश देवगम 2023 में गिरफ्तार हुआ था। उससे पूछताछ के बाद उसकी निशानदेही पर ही 24 मार्च 2024 को उक्त बरामदगी हुई। सभी रुपए और सामान प्लास्टिक के जार में रखकर जमीन के अंदर छिपा खा था। इसके बाद टोंटो थाने में एक करोड़ के इनामी पोलित ब्यूरो सदस्य मिसिर बेसरा, 25 लाख के इनामी स्पेशल एरिया कमेटी सदस्य अजय महतो उर्फ बुधराम, अपटन, राजेश देवगम और मुठभेड़ में मारे गए कांडे उर्फ दिरिसुम को आरोपित बनाते हुए प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

# यहां भी दिखने लगा जेन-ज़ी वाला आक्रोश: कर्नाटक से उत्तराखंड तक विरोध करने सड़कों पर उतरे

### बेरोजगारी और पेपर लीक बने बड़े मुद्दे

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** देश के अलग-अलग हिस्सों में युवाओं का गुस्सा सड़कों पर दिखाई देने लगा है। कर्नाटक के धारवाड़ से लेकर उत्तराखंड तक बेरोजगारी और भर्ती घोटालों को लेकर छात्र-युवा आंदोलनरत हैं। स्थिति यह बन गई है कि बेरोजगारी, पेपर लीक और भर्ती में देरी जैसे मुद्दे अब सरकारों के लिए बड़ा सिरदर्द बनते जा रहे हैं।

विदेशों में खासतौर पर श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में जेन-ज़ी आंदोलन ने जिस तरह से सरकार का तख्ता पलट कर रख दिया, उससे युवाओं के अंदोलनों को गंभीरता से लिया जाने लगा है।

देश के अलग-अलग राज्यों व शहरों में हो रहे आंदोलन अलग-अलग कारणों से हो रहे हैं, लेकिन इन आंदोलनों में युवाओं का सड़कों पर उतरना खास मायने रखता है। ऐसे ही कर्नाटक के धारवाड़ में हजारों युवाओं ने सरकारी नौकरियों में लंबित भर्तियों को लेकर प्रदर्शन किया। अखिल कर्नाटक विद्यार्थी संगठन के बैनर तले हुए इस आंदोलन में युवाओं ने पुलिस कांस्टेबलों समेत हजारों खाली पदों पर तत्काल भर्ती की मांग की। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि राज्य सरकार परीक्षाएं कराने में लगातार देरी कर रही है, जिससे युवा भविष्य को लेकर असमंजस में हैं।

राज्य में कांग्रेस की सरकार है, जिसने बेरोजगारी के मुद्दे पर

भाजपा को घेरा था, लेकिन अब खुद उस पर सवाल उठ रहे हैं। धारवाड़ केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी का लोकसभा क्षेत्र भी है, जिससे इस विरोध की राजनीतिक अहमियत और बढ़ जाती है।

#### उत्तराखंड में पेपर लीक से भड़का आक्रोश

दूसरी ओर, उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) की भर्ती परीक्षा में पेपर लीक के आरोपों ने राज्य की राजनीति को हिला दिया है। परीक्षा के अगले दिन ही प्रश्न पत्र वायरल होने से सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। बेरोजगार संगठन और छात्र राजधानी देहरादून के परेड ग्राउंड में धरने पर बैठे हैं, जबकि कई स्थानों पर मार्च और प्रदर्शन किए गए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस घटना को 'नकल जिहाद' बताते हुए सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया, लेकिन छात्रों ने नाराजगी जताते हुए नारे लगाए - ÷पेपर चोर, गद्दी छोड़।÷ पुलिस ने हरिद्वार परीक्षा केंद्र के उम्मीदवार खालिद मलिक और उसकी बहन साबिया को गिरफ्तार किया है। वहीं, टिहरी के एक प्रोफेसर सुमन से पूछताछ गवाह के तौर पर की जा रही है।

#### जेन-ज़ी आक्रोश सरकारों के लिए चुनौती?

कर्नाटक और उत्तराखंड के इन आंदोलनों ने बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में युवाओं की बेचैनी को और उजागर कर दिया है। जानकार मानते हैं कि लगातार बेरोजगारी, भर्ती में पारदर्शिता की कमी और पेपर लीक जैसी घटनाओं ने जेन-ज़ी को सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर किया है। अगर यह आंदोलन लंबा खिंचता है तो निश्चित रूप से आने वाले चुनावों में यह राजनीतिक दलों के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है।

## संसद की स्थायी समितियों का कार्यकाल बढ़ाने की तैयारी... मोदी सरकार के फैसले से शशि थरुर को फायदा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मोदी सरकार संसद की स्थायी समितियों का कार्यकाल बढ़ाने पर विचार कर रही है, जिससे वे एक साल के बजाय दो साल तक काम कर सकेंगी। कार्यकाल बढ़ाने का मुख्य उद्देश्य समितियों को अधिक निरंतरता देना है, ताकि वे विधेयकों, रिपोर्टों और नीतिगत मामलों की गहनता से जांच कर सकें। वर्तमान समितियों का कार्यकाल 26 सितंबर को समाप्त हो गया है। अभी तक इन समितियों का हर साल पुनर्गठन होता है। कार्यकाल को एक साल से बढ़ाकर दो साल करने की तैयारी है। विपक्ष सहित कई सांसदों का मानना है कि गहन अध्ययन के लिए एक साल पर्याप्त नहीं है। वहीं मोदी सरकार के इस फैसले से कांग्रेस सांसद शशि थरूर को बड़ा फायदा होगा, क्योंकि वे इस समय विदेश मामलों की स्थायी समिति के अध्यक्ष हैं। कार्यकाल दो साल होने पर वह पार्टी से मतभेदों के बावजूद दो साल और इस पद पर बने रह सकते हैं। ये संसद की स्थायी इकाइयाँ होती हैं, जिसमें लोकसभा और राज्यसभा दोनों के सांसद शामिल होते हैं। ये समितियाँ मिनी संसद की तरह काम करती हैं और विधेयकों की जांच, सरकारी नीतियों की समीक्षा, बजट आवंटन की पड़ताल और मंत्रालयों को जवाबदेह ठहराने का काम करती हैं। स्थायी समितियों के अध्यक्षों में बड़े बदलाव की संभावना कम है, लेकिन नए नियुक्त सदस्यों का कार्यकाल एक साल से बढ़कर दो साल हो सकता है।

## पाकिस्तानी प्रधानमंत्री को शिंदे की दो टूक, शेर की खाल पहनने से गीदड़ शेर नहीं बनता

**मुंबई (एजेंसी)।** महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा की गई टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताकर कहा कि पाकिस्तानी नेता को अपनी हद में रहना चाहिए। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि उन्हें अपनी हद में रहना चाहिए। शिंदे ने शाहबाज पर तंज कसते हुए कहा कि शेर की खाल पहनने से गीदड़ शेर नहीं बनाता है। शिंदे का यह बयान संयुक्त राष्ट्र महासभा में शहबाज शरीफ के भाषण के जवाब में आया है।

पीएम शरीफ ने कहा कि इस साल मई में, मेरे देश को पूर्वी मोर्चे से बिना उकसावे के आक्रमण का सामना करना पड़ा। दुश्मन अहंकार में आया, और हमारी सेना ने उन्हें अपमानित करके वापस भेज दिया। भारत ने पहलगाम घटना की स्वतंत्र जाँच के मेरे ईमानदार प्रस्ताव को ठुकराकर मानवीय त्रासदी से राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की। इसके बजाय, उसने हमारे शहरों पर हमला कर हमारे निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया। जब हमारी क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय सुरक्षा का उल्लंघन किया गया, तब हमारी प्रतिक्रिया संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के तहत आत्मरक्षा के अधिकार के अनुसार थी।

पीएम शरीफ ने फिर भारत के बारे में झूठे दावे कर दावा किया कि पाकिस्तान ने भारतीय लड़ाकू विमानों को मार गिराया, जैसा कि वे पहले भी कह चुके हैं। शरीफ ने दावा किया कि पाकिस्तानी सेना ने अद्भुत पेशेवर तरीके से जवाब दिया, आक्रमण को नाकाम किया और 7 भारतीय विमानों को मार गिराया, उन्हें कबाड़ में मिला दिया। हालाँकि, शाहबाज ने यह स्वीकार करने में विफल रहे कि भारत की प्रतिक्रिया आतंकी ढाँचे को निशाना बनाकर किया गया एक सुनियोजित सैन्य अभियान था।

## राहुल गांधी बाढ़ में बह जाते तो मुझ पर पाकिस्तान भेजने के आरोप लगते: सीएम मान

**चंडीगढ़ (एजेंसी)।** पंजाब विधानसभा में बाढ़ को लेकर आयोजित विशेष सत्र में मुख्यमंत्री भगवंत मान ने विपक्ष के एक एक सवाल के जवाब दिए। इस दौरान उन्होंने तंज भी कसे और निशाने भी साधे। सीएम भगवंत मान ने विपक्ष पर तीखा तंज कसते हुए कहा कि जिसका जितना दिमाग, उसने उतनी बात की है। कुछ लोग आपदा में अवसर ढूंढते हैं और बाढ़ के बहाने मुझे गालियां देते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस महासचिव राहुल गांधी को जेड प्लस सिक्योरिटी दी गई थी, लेकिन रावी नदी का बहाव तेज था। अगर वे बह जाते, तो विपक्ष आरोप लगाता कि राहुल गांधी को पाकिस्तान भेज दिया गया।

सीएम ने केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा और कहा कि केंद्र ने स्टेट डिजास्टर फंड में 25 साल में कुल 6,090 करोड़ रुपये दिए। इसके अतिरिक्त बाकी राशि पंजाब सरकार द्वारा दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग कह रहे हैं कि सरकार ने पैसा खा लिया, जबकि दिल्ली से आए केंद्रीय मंत्री केवल फोटो खिंचाकर चले गए। उन्होंने बताया कि

प्रधानमंत्री ने हेलिकॉप्टर से निरीक्षण किया, लेकिन नीचे फौज और भाजपा-कांग्रेस के प्रतिनिधि बैठे थे। उन्होंने कहा कि 1,600 करोड़ रुपये का पैकेज घोषित किया गया, लेकिन 2,305 बाढ़ प्रभावित गांवों में हर गांव के हिस्से में केवल 80 लाख रुपये भी नहीं पहुंचे। सीएम भगवंत मान ने बीबीएमबी द्वारा पानी नहीं छोड़ने के मामले पर कहा कि सिर्फ 4,000 क्यूसिक पानी छोड़ने की बात थी, इससे बाढ़ कैसे रोकी जा सकती थी? उन्होंने बताया कि रणजीत सागर डैम, पौंग डैम, और भाखड़ा डैम में इस बार 1988 की तुलना में बहुत अधिक पानी आया। उन्होंने घग्गर नदी की सफाई और डिसिल्टिंग का डेटा साझा किया, जो 60 साल में पहली बार भाखड़ा और पौंग में की गई। सीएम ने बाढ़ राहत पैकेज को सीएम रिलीफ फंड में न मंगाने पर भी स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि सीएम रिलीफ फंड में सीएसआर का पैसा नहीं आ सकता और इसमें सांसद केवल 20 लाख रुपये ही दे सकते हैं। उन्होंने पंजाब सरकार द्वारा बनाई गई सोसाइटी का हवाला देते हुए कहा कि वह वित्तमंत्री के अधीन है और इसके विवरण बाद में बताए जाएंगे। बता दें कि पंजाब विधानसभा में शुक्रवार को बाढ़ को लेकर विशेष सत्र में करीब छह घंटे तक बहस हुई, जिसमें मुख्यमंत्री भगवंत मान ने विपक्ष के हर आरोप का जवाब देते हुए पंजाब में आई बाढ़ की स्थिति पर विस्तृत जानकारी दी। सत्र के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के दौरे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में जाने के प्रयास और केंद्र सरकार की ओर से दिए गए पैकेज के मुद्दों पर खुलकर बात की। बहस के बाद विधानसभा को सोमवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

## खुलासा: आतंकवादी एलओसी पर मौजूद, घुसपैठ की कर सकते हैं कोशिश

**-सुरक्षा बल पूरी तरह सतर्क, पाक की हर नापाक हरकत करेंगे नाकाम**

**जम्मू (एजेंसी)।** एक बार फिर से देश की सीमाएं हाई अलर्ट पर है क्योंकि खबरें आ रही है कि पाकिस्तान बड़े घुसपैठ की योजना बना रहा है। बीएसएफ के कश्मीर फ्रंटियर के महानिरीक्षक ने शनिवार को कहा कि सीमा पार से आतंकवादी कश्मीर घाटी में घुसपैठ की फिराक में हैं, लेकिन सुरक्षा बल पूरी तरह सतर्क हैं और ऐसी किसी भी कोशिश को नाकाम करने के लिए तैयार है।

मीडिया रिपोर्ट में महानिरीक्षक ने कहा कि सर्दी की शुरुआत से पहले घाटी में आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिशें तेज हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि बर्फबारी से पहले हमेशा घुसपैठ की कोशिशें होती है। अभी करीब दो महीने बाकी हैं और नवंबर तक घुसपैठ की आशंका बनी रहती है। आतंकवादी इस अवधि में सक्रिय रहते हैं। लेकिन सुरक्षा बलों की सतर्कता के कारण घुसपैठ करना मुश्किल है।

उन्होंने बताया कि आतंकवादी एलओसी के दूसरी ओर मौजूद हैं और घाटी में घुसपैठ करने की तलाश में हैं। बीएसएफ के अधिकारी ने कहा कि बांदीपोरा और कुपवाड़ा सेक्टरों में एलओसी के पार आतंकवादी सक्रिय हैं। वे घुसपैठ की प्रतीक्षा कर रहे हैं, लेकिन हमारी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी है। कई बार वे खराब मौसम का इंतजार करते हैं, ताकि उसका फायदा उठा सकें। हम हर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह सतर्क और तैयार हैं।

महानिरीक्षक ने कहा कि सेना और बीएसएफ नियंत्रण रेखा पर अत्याधुनिक निगरानी उपकरणों की मदद से कड़ी निगरानी कर रहे हैं। सेना के साथ मिलकर एलओसी पर पूरी मजबूती से नियंत्रण बनाए हुए हैं। इस साल सुरक्षा बलों ने अब तक घुसपैठ की दो कोशिशों को नाकाम की हैं। हमारे पास नई तकनीक व निगरानी के अत्याधुनिक संसाधन उपलब्ध हैं। आतंकियों की हर कोशिश को नाकाम कर देंगे।

## मध्य प्रदेश में बनेगा देश का सबसे बड़ा गोवंश वन्य विहार, 8 हजार गायों का होगा आश्रय

**भोपाल (एजेंसी)।** मध्य प्रदेश के दमोह जिले में देश का सबसे बड़ा गोवंश वन्य विहार बनने जा रहा है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य सड़कों पर घूम रहे निराश्रित मवेशियों को सुरक्षित आश्रय प्रदान करना है। पशुपालन मंत्रालय और मुख्यमंत्री ने भी इस प्रोजेक्ट को हरी झंडी दे दी है।

यह गोवंश वन्य विहार 520 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जाएगा और इसमें तकरीबन 8,000 गायों को रखने की व्यवस्था होगी। विभाग ने भूमि चयन से लेकर दस्तावेजी प्रक्रिया और शासन स्तर पर स्वीकृति की सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं। टेंडर जारी हो चुका है और संभावना है कि नए साल तक प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो जाएगा। जानकारी अनुसार प्रस्तावित परियोजना के लिए सीतानगर, कल्याणपुरा और रानगिर सहित चार गांवों से लगी लगभग 520 एकड़ भूमि का चयन किया गया है। पहले योजना 700 एकड़ की थी, लेकिन विस्तृत सर्वेक्षण के बाद इसे घटाकर 520 एकड़ पर अंतिम रूप दिया गया।

चिह्नित भूमि सुनार नदी के किनारे स्थित है, जिससे पशुओं के लिए जल उपलब्धता आसान होगी। इसके अतिरिक्त, आसपास पर्याप्त चरनोई भूमि भी है। इस प्रोजेक्ट से न केवल गोवंश को सुरक्षित आश्रय मिलेगा, बल्कि आसपास के ग्रामीणों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। बताया जा रहा है कि टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद एजेंसी से अनुबंध करने में लगभग एक माह

लगेगा। शुरुआती चरण में बाड़बंदी, शेड निर्माण और मवेशियों के रहने-खाने-पीने की सुविधाएं तैयार की जाएंगी। पशुपालन मंत्री का संबंध इसी क्षेत्र से होने के कारण उम्मीद जताई जा रही है कि प्रोजेक्ट तेज़ी से आगे बढ़ेगा। यह गोवंश वन्य विहार न केवल मध्य प्रदेश बल्कि पूरे देश के लिए एक मॉडल साबित हो सकता है, जो आवारा मवेशियों की समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में अहम कदम होगा।

## राजस्थान, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में अगले तीन दिन भारी बारिश का अनुमान

**-विदा हो रहा मानूसन देश के कई राज्यों में मचा रहा तबाही**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राजस्थान से मानसून अपने तय समय से 4 दिन पहले ही विदा हो गया। मध्य प्रदेश के 11 जिलों से मानसून की वापसी हुई है। हालांकि, दोनों राज्यों में बारिश का दौर अभी जारी रहेगा। मौसम विभाग ने दोनों राज्यों में 30 सितंबर तक तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। हैदराबाद में रात भर मूसलाधार बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों में 2-3 फीट तक पानी भर गया। अधिकारियों ने हिमायत सागर जलाशय के गेट खोल दिए, जिससे हालात और बिगड़ गए। चादरघाट के पास मूसी नदी उफान पर आ गई। नदी के आसपास, निचले इलाके डूब गए। नदी किनारे बने मकान पहली मंजिल तक पानी में डूब गए। कई कॉलोनियां जलमग्न हैं। हैदराबाद के महात्मा गांधी बस स्टैंड में भी पानी भर गया। बसों का संचालन बंद है। हैदराबाद में सड़कों पर पानी भरने से गाड़ियों की लंबी कतारें लगी हैं। कई इलाकों में सुबह से ट्रैफिक जाम लगा है। ऑफिस जाने वालों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शहर में अब तक लगभग 1,000 लोगों को राहत शिविरों में

पहुंचाया गया है।

वहीं महाराष्ट्र में बाढ़ग्रस्त मराठवाड़ा के कई इलाकों में शनिवार को सुबह से बारिश हो रही है। इससे कई सड़कें और पुल जलमग्न हुए है। कई गांवों का संपर्क टूट गया है। बीड, लातूर, धाराशिव, नांदेड़, परभणी और हिंगोली जिलों के कई हिस्सों में सुबह 8 बजे तक 24 घंटों में 65 मिमी से ज्यादा बारिश दर्ज की गई।

परभणी जिले के गंगाखेड़ में एक दिन में सबसे ज्यादा 143 मिमी बारिश हुई। हिंगोली जिले के कलमनुरी और वासमत तालुका में भारी बारिश से 3 गांव जलमग्न हो गए। वासमत तालुका के चौंधी बहिरोबा और कलमनुरी के बिबथर और कोंडुर दिग्रस गांव भारी बारिश के कारण संपर्क से कट गए हैं।

हिमाचल प्रदेश में शुक्रवार को मानसून लौट गया। राज्य में 20 जून को मानसून की एंट्री हुई थी। इस मानसून सीजन 1,023 एमएम बारिश हुई, जो सामान्य से 40 प्रतिशत ज्यादा है। राज्य में 47 बादल फटने, 98 बाढ़ और 148 लैंडस्लाइड की घटनाएं हुईं। इनमें 454 लोगों की मौत हुई। 498 घायल हुए और 50 अभी भी लापता हैं। महाराष्ट्र में भी अगले तीन दिनों के दौरान तेज बारिश का पूर्वानुमान है। मौसम विभाग ने 27 से 29 सितंबर के बीच मध्य महाराष्ट्र, कोंकण और विदर्भ क्षेत्र में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। सरकार ने इस दौरान लोगों से सतर्क रहने के लिए एडवाइजरी जारी की है।

## मुंबई एयरपोर्ट पर चार दिन में करोड़ों का गांजा, लाखों की सोने का पावडर और विदेशी मुद्रा जब्त

**मुंबई (एजेंसी)।** मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क और वायु खुफिया अधिकारियों ने 21 से 24 सितंबर के बीच करोड़ों रुपये का माल ज़ब्त किया। इस कार्रवाई में गिरफ्तार लोगों से पूछताछ के ज़रिए सीमा शुल्क विभाग को अंतरराष्ट्रीय तस्करी के सुराग मिले हैं। इसमें कुछ विदेशी नागरिक भी शामिल हैं और इस पूरे गिरोह की तलाश जारी है। सीमा शुल्क विभाग द्वारा चार दिनों में की गई कार्रवाई के तहत कोलंबो से आ रहे एक यात्री से 2.62 किलोग्राम गांजा ज़ब्त किया गया। जिसकी बाज़ार में क़ीमत लगभग 2.62 करोड़ रुपये है। आरोपी को अपने बैग में यह गांजा छिपाकर ले जाते हुए गिरफ्तार किया गया। वहीं दूसरी कार्रवाई में सीमा शुल्क अधिकारियों ने बैंकॉक से मुंबई आ रहे एक यात्री से 18.40 किलोग्राम गांजा ज़ब्त कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। गांजे का अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में क़ीमत 18 करोड़ रुपये से ज़्यादा है। तीसरे मामले में मुंबई से दुबई जा रहे एक यात्री से 7.11 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा ज़ब्त की गई। आरोपी को अपने हैंडबैग में ये नोट ले जाते हुए गिरफ्तार किया गया। जबकि एक अन्य मामले में, मुंबई से दुबई जा रहे एक यात्री से 49.38 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा जब्त की गई और आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इसी तरह, एक अन्य मामले में, मुंबई से जकार्ता जा रहे एक यात्री से 19.17 लाख रुपये मूल्य की विदेशी मुद्रा जब्त की गई और उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया। इसके साथ ही, एक अन्य मामले में, एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा लाया गया 365 ग्राम सोने का पावडर जब्त किया गया। इस सोने के पावडर की कीमत लगभग 38.10 लाख रुपये है। इस मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है और आरोपियों की तलाश जारी है। इस मामले में कस्टम को हवाईअड्डा कर्मचारियों पर संदेह है और सीमा शुल्क विभाग के अधिकारी फिलहाल इस संबंध में जाँच कर रहे हैं। इस कार्रवाई में गिरफ्तार किए गए दो लोगों के खिलाफ नारकोटिक्स कंट्रोल एक्ट के तहत एक आंतरिक मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जाँच से पता चला है कि यह मामला अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करों के एक गिरोह से जुड़ा है। गिरफ्तार आरोपियों के मोबाइल फोन में मिली जानकारी के आधार पर सीमा शुल्क अधिकारियों को कई सबूत मिले हैं। इसमें कुछ विदेशी नागरिक भी शामिल हैं और इस पूरे गिरोह की तलाश जारी है। दक्षिण अमेरिका से विभिन्न मार्गों के ज़रिए

दुनिया भर में ड्रग्स पहुँचाया जा रहा है। पिछले कुछ महीनों से देखा जा रहा है कि बैंकॉक के रास्ते भारत में बड़ी मात्रा में गांजे की तस्करी हो रही है। यह भी देखा गया है कि भारत से थाईलैंड बड़ी संख्या में पर्यटक आते-जाते हैं।